रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 25 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 107 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	27.3
जमशेदपुर	34.2	25.0
डालटनगंज	33.9	26.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

आयकर की कम दर और छूट, साथ-साथ नहीं चल सकते

आर्थिक विभाग के सचिव अजय सेठ बोले | **कर की कम दर चाहनेवालों के लिए नई व्यवस्था उपयुक्त, पुरानी व्यवस्था में ज्यादा छूट**

एजेंसी। नयी दिल्ली

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने बुधवार को कहा कि आयकर की कम दर और छूट दोनों साथ-साथ नहीं चल सकते. जो लोग कर की कम दर चाहते हैं, उनके लिए नई व्यवस्था उपयुक्त है, जबकि छूट पुरानी व्यवस्था में ज्यादा है. करदाताओं को जो व्यवस्था अनुकूल लगती है, वे उसे अपना सकते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि बजट में अच्छे वेतन वाली नौकरियां बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है. सरकार का मकसद युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुसार प्रशिक्षण देकर बाजार के हिसाब से रोजगार के लिए तैयार करना है.

उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश बजट में नई कर व्यवस्था में मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) को 50,000 रुपये से बढ़ा कर 75,000 रुपये करने और कर स्लैब में बदलाव का प्रस्ताव दिया है. बजट में किये गये बदलावों से नई कर व्यवस्था अपनाने वाले कर्मचारियों को 17,500 रुपये तक की कर बचत हो सकती है. बजट पर अजय सेठ ने कहा कि कुल करदाताओं में से दो-तिहाई यानी लगभग 68% नई कर व्यवस्था में आ गये हैं, जबकि अन्य पुरानी कर व्यवस्था में हैं.

रोजगार बढ़ानेवाला बजट

आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव ने कहा कि यह बजट रोजगार बढ़ाने वाला है. हमारा प्रयास है कि युवाओं को प्रशिक्षण मिले. वे बाजार की जरूरत के अनुसार तैयार हों और उन्हें अच्छे वेतन वाली नौकरियां मिले. बता दें कि बजट में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और अन्य अवसर उपलब्ध कराने की योजनाओं और उपायों के लिए पांच साल की अवधि में दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

दीर्घावधि पूंजीगत लाभ कर बढ़ाने का प्रस्ताव : अजय सेठ ने कहा कि प्रतिभूतियों पर दीर्घावधि पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) को 10% से बढ़ा कर 12.5% करने का प्रस्ताव किया गया है. निवेशकों को सालाना 1.25 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर से छूट दी जाएगी, जो वर्तमान में एक लाख रुपये है. हालांकि, सूचीबद्ध बॉन्ड एवं डिबेंचर के मामले में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को 20% से घटाकर 12.5% प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा गया है. इन पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

कर को लेकर सभी संपत्ति वर्ग में एक जैसा व्यवहार

पूंजी लाभ कर में बदलाव के बारे में सेठ ने कहा कि काफी समय से यह सोच रही है कि कर प्रणाली को सरल बनाया जाए. कुछ लोग सोने में निवेश करते हैं, कुछ इक्विटी शेयर में. उन्होंने कहा कि इक्विटी में अलग कर, सूचीबद्ध संपत्ति में अलग और गैर सूचीबद्ध में अलग कर, यह ठीक नहीं है. कर को लेकर सभी संपत्ति वर्ग में एक जैसा व्यवहार होना चाहिए. बजट में इसे दुरुस्त किया गया है. साथ ही 'इंडेक्सेशन' भी हटाया गया है. बजट में प्रस्तावित बदलावों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड और एक व्यावसायिक ट्रस्ट की इकाइयों पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर को 15% से बढ़ाकर 20% कर दिया गया है.

बजट में झारखंड की उपेक्षा पर बोले सीएम

विशेष पैकेज बैसाखियों को दें बस हमारा बकाया चुका दें

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने केंद्रीय बजट में झारखंड की उपेक्षा करने पर केंद्र सरकार की आलोचना की. साथ ही उन्होंने भाजपा के नेताओं पर राज्य को दी जाने वाली बकाया राशि पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया. हेमंत सोरेन ने एक्स पर लिखा कि ''क्या इस भेदभाव के लिए भी हेमंत सोरेन दोषी है, बाबूलाल जी? सीएम ने दावा किया कि केंद्र पर राज्य का 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया है, लेकिन बाबूलाल मरांडी समेत भाजपा के हर नेता इस मुद्दे पर खामोश हैं. उन्होंने कहा कि विशेष पैकेज अपनी बैसाखियों को दीजिए, हमें बस हमारा बकाया चुका दीजिए. हेमंत सोरेन, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को पेश किये गये बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए दिये गये पैकेज पर प्रतिक्रिया दे रहे थे. सोरेन ने अपने पोस्ट में कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने डीवीसी का 5000 करोड़ रुपये का बकाया छोड़ा था, जिसे केंद्र ने हमें बिना बताये हमारे खाते से काट लिया था और भाजपा के नेता ताली बजा रहे थे. उन्होंने पूछा कि आखिर क्यों 2014 और 2019 में 14 में से 12 और 2024 में एनडीए के नौ सांसद होने के बावजूद हमें उपेक्षा का शिकार बनाया जा रहा है?

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,700
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर, जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रातभर हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है, जबकि एक जवान शहीद हो गया. सेना ने बुधवार को जानकारी दी कि कुपवाड़ा के कोवुत इलाके में 23-24 जुलाई को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया. वहीं, आतंकवादियों की गोली लगने से एक सैनिक घायल हो गया. घायल सैनिक की इलाज के दौरान मौत हो गई.

गुजरात में इमारत ढही वृद्धा समेत तीन की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में भारी बारिश के कारण द्वारका जिले के जाम खंभालिया शहर में तीन मंजिला इमारत ढह गयी. इस घटना में एक बुजुर्ग महिला और परिवार की दो बच्चियों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि मकान जर्जर हालत में था. यह हादसा मंगलवार शाम जाम गगवानी फली इलाके में हुआ. लगभग छह घंटे के बचाव अभियान के बाद तीन लोगों के शव बरामद किए गए, जबकि पांच लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया.

ओडिशा के राज्यपाल पुत्र की गिरफ्तारी की मांग

भुवनेश्वर। ओडिशा के राजभवन के एक सहायक सुरक्षा अधिकारी पर इस महीने की शुरुआत में हुए कथित हमले के लिए राज्यपाल रघुवर दास के बेटे के खिलाफ विपक्ष कार्रवाई की मांग पर अड़ा है. इस मुद्दे को लेकर बुधवार को ओडिशा विधानसभा के पहले सत्र की कार्यवाही के तीसरे दिन भी विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित रही. सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजू जनता दल के विधायकों ने सदन से वॉक आउट कर दिया.

कैबिनेट के फैसले राज्यकर्मियों को हेमंत सरकार का **बड़ा तोहफा**

एचआरए और डीए बढ़ा

- परिवहन भत्ता, गेस्ट हाउस भत्ता और होटल भत्ता में भी बढ़ोतरी
- तीन लाख से ज्यादा कर्मियों को इसका सीधा फायदा मिलेगा

कौशल आनंद। रांची

हेमंत सोरेन सरकार ने राज्यकर्मियों के बड़ा तोहफा दिया है. सरकार ने अपने अफसरों और कर्मियों के एचआरए व डीए में बढ़ोतरी की है. इससे जुड़े एक प्रस्ताव पर बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षतामें हुई कैबिनेट की बैठक में मंजूरी प्रदान की गयी. निर्णय के अनुसार, अब एक्स श्रेणी के अधिकारियों का हाउस रेंट 27% से बढ़ाकर 30% , वाई श्रेणी के कर्मचारियों को 18 से बढ़ाकर 20 % और जेड श्रेणी के कर्मचारियों का 9 से बढ़ाकर 10% कर दिया गया है. इतना नहीं सरकार नेपरिवहन भत्ता, गेस्ट हाउस भत्ता एवं होटल भत्ता में भी बढ़ोतरी की है. अलग-अगल श्रेणी एवं शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग-अलग डीए तय किया गया है, जो विभिन्न श्रेणियों में 30 प्रतिशत से उपर है. सरकार के इस निर्णय से राज्य के करीब तीन लाख से ज्यादा कर्मियों को इसका सीधा फायदा मिलेगा.

मंत्रियों-अधिकारियों को मोबाइल खरीदने के लिए 60 हजार रु मिलेंगे : राज्य सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए मंत्रियों और अधिकारियों की मोबाइल खरीदी और रिचार्ज सुविधा में भी बढ़ोतरी की है. मंत्री व अधिकारियों को मोबाइल खरीदने के लिए 60 हजार रुपये मिलेंगे. मासिक रिचार्ज के लिए 3000 रुपये तक दिए जाएंगे. मोबाइल फोन का जीवनकाल चार वर्षों का रखा गया है. वहीं, विशेष सचिव सतर के अधिकारी 45,000 रुपये तक का फोन खरीद सकेंगे व उनकी रिचार्ज के लिए प्रतिमाह 2000 रुपये दिया जाएगा. अपर सचिव और इससे नीचे के पदाधिकारियों को 40,000 रुपये तक फोन मिलेगा और 1500 रुपये मासिक रिचार्ज के लिए मिलेंगे. इसके अलावा उप सचिव व इसके नीचे के अधिकारियों को 35,000 व अवर सचिव से नीचे स्तर के अधिकारियों को 30,000 रुपये तक फोन खरीदने के लिए मिलेंगे व क्रमशः 1000 रु व 750 रुपये मंथली रिचार्ज राशि दी जाएगी.

हाउस रेंट : किस श्रेणी के कर्मी का कितना बढ़ा

- **एक्स श्रेणी : 27 % से बढ़ाकर 30%**
- **वाई श्रेणी : 18 से बढ़ाकर 20 %**
- **जेड श्रेणी : 9 से बढ़ाकर 10 %**

कैबिनेट के अन्य निर्णय

- **विधानसभा सदस्य प्रो स्टीफन मरांडी को 20 सूत्री कार्यक्रम समिति का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है.**
- सरकारी मेडिकल कॉलेज में संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए नियमावली को स्वीकृति दी गई. शैक्षणिक कार्य के लिए शिक्षकों की दो वर्ष या अधिकतम उम्र 70 वर्ष तक की जा सकेगी. प्राध्यापक को 2.50 लाख रुपये, सहायक प्राध्यापक को दो लाख व 1.5 लाख रुपये दिए जाएंगे.
- **मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के लिए परिचय पत्र देने की स्वीकृति दी गई.**
- अस्पतालों की मरम्मत और रखरखाव के लिए पांच करोड रुपये प्रतिवर्ष देने की स्वीकृति दी गई.
- **झारखंड राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्ड को विघटित कर दिया गया. इसके तीन कर्मियों को उपनिदेशक कल्याण छोटानागपुर कार्यालय में समायोजित किया जाएगा.**
- रांची के सरकारी भवनों से निकलनेवाले ठोस कचड़ा की री-साइकलिंग के लिए पायलट स्टडी करायी जाएगी. इसका डीपीआर बनाने के लिए सीएसआईआर, दुर्गापुर को मनोनीत किया गया है.
- **राज्य के मुख्य सचिव और ग्रामीण विकास, वित्त, कृषि, कल्याण विभाग के अतिरिक्त उद्योग विभाग में भी कॉरपोरेट अधिकारियों की सेवाएं दी जा सकेंगी.**
- गढ़वा में बरगढ़, हजारीबाग के सिकरी में पुलिस आउटपोस्ट, केरडारी थाना में परगर और बड़का गांव में गुंडलपुर पोस्ट की स्वीकृति दी गई.
- **एनपीएस टायर वन में पेंशन निधि और निवेश रिर्टन में संशोधन किया गया**
- हजारीबाग स्थित शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल और पश्चिम सिंहभूम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए 42 पद सृजन के प्रस्ताव की भी स्वीकृति दी गयी.

- **झारखंड कारा सेवा और सुधार विधेयक 2024 की स्वीकृति दी गई.**
- श्रवणी मेला-2024 में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए 27 अस्थायी मेला ओपी एवं 17 अस्थायी यातायात ओपी के गठन की स्वीकृति.
- **एनपीएस टायर-1I में पेंशन निधि और निवेश पैटर्न में संशोधन की स्वीकृति.**
- झारखंड के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों पर संविदा आधारित नियुक्ति नियमावली 2024 को स्वीकृति दी गयी.
- 132 केवी एवं इससे अधिक के ग्रिड सब-स्टेशनों एवं संचरण लाइन में ओपीजीडब्लू आधारित परियोजना (संचार प्रणाली) स्थापित करनेके लिए 10 प्रतिशत तक की निविदा निस्तारण की स्वीकृति.
- **मुख्यमंत्री बहन बेटी माई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना" का नाम अब मुख्यमंत्री माई योजना होगा.**
- राज्य के पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए पांच इकाई आवासीय विद्यालयों के निर्माण एवं संचालन की स्वीकृति.
- **पलामू जिला के पांडवा व नावा बाजार स्थित राजहारा नार्थ (सेंट्रल एवं ईर्स्टन) कोल माइंस के 116.80 हेक्टेयर क्षेत्र पर मेसर्स फेयर माईन कार्बन्स प्रा0 लि को कोयला खनिज के खनन पट्टा की स्वीकृति दी गयी.**
- राज्य में एक नए थाना और तीन नए ओपी भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी.
- **सरला बिरला विश्वविद्यालय अधिनियम 2017 के अंग्रेजी पाठ में संशोधन की स्वीकृति.**
- झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड व इसकी अनुषंगी तीन कंपिनयों के निदेशक मंडल के पुनर्गठन की स्वीकृति
- **राज्य के पीवीटीजी व अन्य आदिवासी समूह अविद्युतीकृत टोलों/घरों का विद्युतीकरण ऑनलाइन ग्रिड एवं ऑफलाइन ग्रिड के माध्यम से होगा. इसके लिए 48.215 करोड़ की स्वीकृति**
- 220 केवी गोविंदपुर-दुमका संचरण लाइन का 400/220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन में लिलो संचरण लाईन योजना के कार्यान्वयन के लिए 10 प्रतिशत तक निविदा निस्तारण की स्वीकृति.
- **झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लि. के तहत विभिन्न ग्रिड-सब स्टेशन एवं एसएलडीसी में एसएएमएएसटी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 53,73,98,185 रु की स्वीकृति. इसके लिए झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लि. झारखंड सरकार एवं एनएलडीसी के मध्य त्रिपक्षीय एकरारनामा हस्ताक्षरित करने की स्वीकृति.**
- फरक्का-ललमटिया ट्रांसमिशन सिस्टम को पुनर्स्थापित करने के लिए प्राक्कलित राशि रु. 14.92 करोड़ की स्वीकृति

कर्ज का बढ़ता बोझ और सुविधाओं पर खर्च का टोटा

टिप्पणी

सुरजीत सिंह

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया. टीवी चैनलों, अखबारों व अन्य माध्यमों से आपने जान लिया बजट से किसको कितना फायदा, किसको कितना नुकसान, क्या सस्ता हुआ और क्या महंगा हुआ है? पर, बड़ा सच बजट के बड़े आंकड़ों में छिपा है, जिसे जानना जरूरी है. वह यह है कि सरकार कर्ज के बोझ तले दबी है और आम लोगों के लिए किये जाने वाले कामों पर खर्च करने के लिए पैसे का टोटा है. या यूं कहें सरकार के खजाने में हमारे-आपके लिए बहुत कुछ करने के लिए पैसे नहीं है. पुल, पुलिया, सड़क, अस्पताल, स्कूल जैसी संरचनाओं के निर्माण (पूंजीगत व्यय) पर खर्च के लिए बहुत कुछ नहीं है.

बजट ने हमें बताया है कि इस साल सरकार 48.20 लाख करोड़ रुपया खर्च करेगी. आपको जान कर आश्चर्य होगा कि इसका एक बहुत बड़ा हिस्सा सिर्फ कर्ज का ब्याज चुकाने पर खर्च होगा. कितना? 11.63 लाख करोड़. इतनी बड़ी राशि सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च होंगे. इतनी बड़ी रकम देने से कर्ज की राशि में कोई कमी नहीं आयेगी. मूलधन जस के तस रहेंगे, तो आखिर कुल कर्ज है कितना? बजट में ही सरकार ने बताया है कि इस वित्त वर्ष में सरकार 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज लेगी और इस साल की समाप्ति पर कर्ज की कुल राशि 181 लाख करोड़ हो जायेगी. मतलब, कुल जीडीपी का करीब 90 प्रतिशत कर्ज. देश का बजट से करीब चार गुणा कर्ज. अब अगर हम पूंजिगत व्यय की बात करें, तो वह ब्याज चुकाने पर होने वाले खर्च से कम हैं. सरकार पूंजिगत व्यय पर सिर्फ 11.11 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी.

48.20 लाख करोड़ के बजट में ब्याज चुकाने पर खर्च 11.63 लाख करोड़

बजट को समझने के लिए यह भी जानना जरुरी है कि यह जो 48.20 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे, वह आएंगे कहां से? बजट में इसे भी डिटेल में बताया गया है. कुल खर्च के आधे से अधिक 25.83 लाख करोड़ रुपये टैक्स से आएंगे. इसमें जीएसटी, कॉरपोरेट टैक्स, एक्साइज ड्यूटी, कस्टम ड्यूटी आदि शामिल हैं. इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी से मिलने वाले टैक्स का है. यानी सरकार को सबसे अधिक कमाई आम लोगों की जेब ढीली करके होगी. क्योंकि बजट में ही बताया गया है कि विदेशी कंपनियों के निवेश पर टैक्स पांच प्रतिशत कम (40 प्रतिशत से 35 प्रतिशत) कर दिया गया है. सोना और इलेक्ट्रोनिक पार्ट-पूर्जों पर इंपोर्ट ड्यूटी भी कम किया गया है. इस साल सरकार 16 लाख रुपये का कर्ज लेगी और 5.45 लाख करोड़ रुपया विनिवेश से आयेगा. विनिवेश, यानी 5.45 लाख करोड़ (कुल खर्च का करीब 11 प्रतिशत) रुपये सरकारी कंपनियों को बेच कर, सरकारी कंपनियों के शेयर बेच कर, सड़क, एयरपोर्ट, जमीन आदि को बेचकर लाया जायेगा.

आपने टीवी पर बहस सुना होगा, अखबारों में लेख और खबरें पढ़ी होंगी कि पिछले 10 सालों में देश पर कर्ज का बोझ तेजी से बढ़ा है. बजट ने हमें बता दिया है कि यह बोझ कितना बढ़ा है. हम कर्ज के आंकड़ों की बात करें, तो वर्ष 2014 में सरकार पर कुल कर्ज 55 लाख करोड़ रुपया का था और 2019 में 90 लाख करोड़ का था. इससे पहले वर्ष 2004 में 17 लाख करोड़ का कर्ज था और वर्ष 2009 में 31 लाख करोड़ का. हमारी स्थिति अब कर्ज लेकर घी पीने वाली भी नहीं रही है. कर्ज लेकर सिर्फ ब्याज चुकाने वाली स्थिति में हैं. कर्ज भी ले रहें हैं, टैक्स भी ज्यादा वसूल रहे हैं और हमारी जिंदगी संवारने के लिए खर्च भी कम हो रहा है.

नेपाल में विमान दुर्घटनाग्रस्त

18 तकनीकी कर्मियों की मौत

काठमांडू हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के दौरान हुआ हादसा | **विमान में 19 लोग थे, घायल पायलट का चल रहा इलाज**

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के दौरान 19 लोगों को लेकर पोखरा जा रहा एक निजी घरेलू एयरलाइन का विमान बुधवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस घटना में 18 तकनीकी कर्मियों की मौत हो गयी, जबकि पायलट घायल हो गया. अधिकारियों ने बताया कि सौर्य एयरलाइंस के विमान हादसे में घायल पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना दिन के करीब 11 बजे हुई. विमान रनवे पर फिसला और उसमें आग लग गयी. त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) के सूचना अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि विमान में कोई यात्री सवार नहीं था, बल्कि कुछ तकनीकी कर्मी थे.

विरोध मोदी 3.0 सरकार के पहले बजट से विपक्ष में भारी निराशा, राज्यों की अनदेखी का आरोप

दोनों सदनों में खूब हंगामा, विपक्ष का राज्यसभा से वॉकआउट

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

मोदी 3.0 सरकार के पहले बजट से विपक्ष में भारी निराशा है. वित्त मंत्री निर्मला सीमारमण द्वारा मंगलवार को संसद में बजट पेश करने के बाद बुधवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान खूब हंगामा हुआ. बजट को निराशाजनक बताते हुए इसके विरोध में विपक्ष सरकार पर हमलावर है. लोकसभा और राज्यसभा के अंदर विपक्ष ने भारी हंगामा और नारेबाजी की. विपक्षी दलों के सांसदों ने इस बार के बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश को छोड़ कर अन्य राज्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाया और हंगामे के बाद राज्यसभा से वॉकआउट कर गये. सदन के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया गया. विपक्ष का कहना है कि यह बजट गठबंधन बचाने के लिए बजट लाया गया, गैर भाजपा शासित राज्यों को कुछ भी नहीं मिला है.

एमएसपी गारंटी के लिए दवाब डालेंगे: राहुल

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमने अपने घोषणापत्र में कानूनी गारंटी के साथ एमएसपी का जिक्र किया था. हमने आकलन किया है और इसे लागू किया जा सकता है. हमने अभी एक बैठक की, जिसमें तय किया गया कि हम इंडिया गठबंधन के दूसरे नेताओं से बात करेंगे और सरकार पर दबाव डालेंगे कि देश के किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए.

योजनाओं का लाभ सभी राज्यों को : सीतारमण

वित्त मंत्री सीतारमण ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते कहा कि बजट भाषण में अक्सर हर राज्य का नाम लेना संभव नहीं होता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि उन्हें नजरअंदाज किया गया है. उन्होंने कहा कि बजट पेश करने के दौरान महाराष्ट्र का नाम नहीं लिया, लेकिन हाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाली वधावन बंदरगाह परियोजना को मंजूरी दे दी है. बजट में कई योजनाओं की घोषणा की गई है, तो क्या इन योजनाओं का लाभ सभी राज्यों को नहीं मिलेगा?

सिर्फ दो की थाली में पकौड़े और जलेबी : खरगे

उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ देर बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट का जिक्र करते हुए कहा, इसमें किसी भी राज्य को कुछ नहीं मिला. सबकी थाली खाली और दो की थाली में पकौड़े और जलेबी. कहा, यह बजट सिर्फ किसी को खुश करने के लिए और कुर्सी बचाने के लिए है. उन्होंने प्रश्न उठाया कि अगर बजट में संतुलन नहीं होगा, तो विकास कैसे होगा? इसके बाद विपक्ष ने वॉक आउट कर दिया.

विपक्षी सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के सांसदों ने केंद्रीय बजट में भेदभाव और अन्याय के खिलाफ बुधवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया. इसमें राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसद शामिल हुए. विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि यह बजट जनविरोधी है.

भाजपा आलाकमान के साथ अगामी विधानसभा के लिए सीट शेयरिंग पर हो रहा है विचार मंथन

दिल्ली में पक रही एनडीए की सियासी खिचड़ी, टॉप लीडर दिल्ली में

प्रमुख संवाददाता। रांची

एनडीए की सियासी खिचड़ी दिल्ली में पक रही है. प्रदेश बीजेपी के टॉप लीडर दिल्ली में हैं. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, विधायक अनंत ओझा, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा और आदित्य साहू सहित एनडीए घटक दल आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो भी दिल्ली में ही हैं. जानकारी के अनुसार भाजपा आलाकमान के साथ अगामी विधानसभा के लिए सीट शेयरिंग पर मंथन हो रहा है.

- बाबूलाल, अमर बाउरी सहित आजसू सुप्रीमो सीट शेयरिंग पर कर रहे मंथन
- आजसू का प्रेशर पॉलिटिक्स भी, अधिक सीटों पर दावा को लेकर जिच

आजसू का प्रेशर पॉलिटिक्स जारी

विधानसभा चुनाव में आजसू द्वारा अधिक सीटों पर दावा करने की बात सामने आ रही है. चर्चा यह भी है कि भाजपा अपनी सहयोगी आजसू को सात-आठ सीट से अधिक देने के मूड में नहीं है. कयास यह भी लगाया जा रहा है कि आजसू को सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, डुमरी, तमाड़ और बड़कागांव की सीट मिल सकती है, लेकिन आजसू इस बीच प्रेशर पॉलिटिक्स के जरिये ईचागढ़ सहित और भी कई सीटों पर अपनी दावेदारी कर रही है.

जनजातीय सीटों पर है भाजपा की विशेष नजर

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद बीजेपी की खास नजर प्रदेश की सभी ट्राइबल सीट पर है. इन 28 सीट पर जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है. राजनीतिक गलियारों में चर्चा यह भी है कि इन सीटों पर भाजपा मीर उरांव, अर्जुन मुंडा, गीता कोड़ा, सुदर्शन भगत, जैसे हेवीवेट नेताओं को उतार सकती है. जानकारी के मुताबिक पहली सूची में भाजपा झारखंड की एससी-एसटी सीटों पर उम्मीदवार की घोषणा करेगी.

छत्तीसगढ़ की तरह ही रणनीति पर काम हो रहा

झारखंड में भाजपा छत्तीसगढ़ में आजमायी गयी रणनीति के तहत काम कर रही है. वहां चुनाव से ठीक तीन माह पहले ही भाजपा ने 24 से अधिक सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी थी. जिन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा समय से पहले की गई थी वो भाजपा की मजबूत सीट नहीं मानी जाती थी. इस वजह से समय से पहले प्रत्याशी देकर पार्टी इस प्रयोग को करने में सफल रही. यही रणनीति झारखंड में भी फिट करने की कोशिश है.

जेएसएससी ने प्रशिक्षित सहायक आचार्य परीक्षा स्थगित की

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी)) ने अपरिहार्य कारणों से झारखंड प्राथमिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2023 स्थगित कर दी है. आयोग ने इससे संबंधित अधिसूचना भी जारी कर दी है. जारी अधिसूचना में कहा गया कि झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 अंतर्गत स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 6 से 8) पद के लिए 24 जुलाई को द्वितीय पाली में निर्धारित परीक्षा अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गयी है. आयोग ने जारी आदेश में कहा है कि परीक्षा आयोजन की नई तिथि से संबंधित सूचना आयोग की वेबसाइट पर यथाशीघ्र प्रकाशित कर दी जाएगी.

ब्रीफ खबरें

10.64% बढ़ी हवाई यात्रियों की संख्या

रांची। केंद्रीय नागर विमानन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने सदन में बताया कि पिछले एक साल में झारखंड में हवाई यात्रियों की संख्या में 10.64 फीसदी का इजाफा हुआ है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में हवाई यात्रियों की संख्या 24.79 लाख थी, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में बढ़कर 27.43 लाख लाख हो गई. वे सदन में राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश के सवाल का जवाब दे रहे थे. केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर ने बताया फिलहाल झारखंड में देवघर से कोलकाता, देवघर से पटना ,देवघर से रांची,जमशेदपुर से कोलकाता हवाई मार्गों से घरेलू उड़ाने संचालित हो रही हैं. जल्द ही बोकारो, दुमका और हजारीबाग को भी हवाई मार्ग से जोड़ा जाएगा.

ग्रामीण विकास मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

रांची। अंजुमन तरक्की उर्दू हिंद झारखंड के दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को केंद्रीय प्रतिनिधि एमजेड खान के नेतृत्व में ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी से मिल कर उर्दू मुद्दों पर 7 सूत्री ज्ञापन सौंपा. जिसमें उर्दू अकादमी एवं निदेशालय गठन समेत उर्दू की रिक्त इकाई को भरने समेत अन्य मुद्दों का संक्षेप में उल्लेख किया है. मंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने उर्दू मुद्दों पर जोर दिया, खासकर उर्दू स्कूलों में रिक्त पदों को भरने पर. मंत्री से विधानसभा सत्र में उर्दू के मुद्दे उठाने का भी अनुरोध किया गया. प्रतिनिधिमंडल में डॉ यासीन अंसारी, शम्स अल हुदा, मो इलियास व अनेय शामिल थे.

सिंगल विलेज स्कीम : झारखंड में हर गांव पानी पहुंचाने की योजना सफल नहीं

25,757 में से 22,167 गांवों में योजना लंबित

रवि भारती। रांची

झारखंड में जल जीवन मिशन की स्थिति बेहतर नहीं है. मिशन के तहत सिंगल विलेज स्कीम (एसवीएस) झारखंड में चल रही है. इस स्कीम के तहत प्रत्येक गांव में बोरिंग के जरिये हर घर तक पीने का पानी पहुंचाया जाना था. जहां बिजली की व्यवस्था नहीं है, वहां सौर ऊर्जा के जरिये मोटर चलाकर पानी की आपूर्ति करनी थी, लेकिन इस योजना के खस्ताहाल का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 25757 गांवों में से 22167 गांवों में योजना अब तक लंबित है. सिर्फ 3576 गांवों का ही सर्वे किया गया है.

मार्च तक पूरी होनी थी योजना : सिंगल विलेज स्कीम को मार्च 2024 तक पूरा किया जाना था. इसके पीछे वजह यह थी कि योजना के पूरा होने के बाद केंद्रांश की राशि मिलती. अब समय सीमा भी समाप्त हो गई है. एसवीएस स्कीम के तहत योजना के पूरे होने पर आधार कार्ड का उपयोग कर बताना है कि योजना पूरी हो गई है, लेकिन इस योजना के तहत काम कर रहे ठेकेदारों ने आधार कार्ड के जरिये गलत करने का असफल प्रयास किया. मामले का खुलासा होने के बाद राज्य में सरकारी परियोजनाओं की निगरानी और कार्यान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. स्थानीय निवासियों में भी इस योजना के क्रियान्वयन को लेकर नाराजगी है, क्योंकि जल जीवन मिशन का समय पर पूरा होना उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था.

जल जीवन मिशन की फैक्ट फाइल

- 2019 में शुरू हुई योजना
- दिसंबर 2024 में करना है पूरा
- 62.30 लाख हैं झारखंड में घरों की संख्या
- 33.18 लाख घरों तक पहुंचा पानी
- 29.11 लाख घरों में अब तक नहीं पहुंचा है पानी
- अब तक कितनी राशि मिली
- राज्य ने योजना में दिये 3427.99 करोड़
- केंद्र सरकार ने योजना में दिये 2875.35 करोड़
- केंद्र व राज्य से योजना में मिली राशि 6303.34 करोड़

किस जिले में कितना सर्वे और कितना पेंडिंग

जिला	सर्वे	पेंडिंग	जिला	सर्वे	पेंडिंग
बोकारो	199	116	कोडरमा	91	00
चतरा	725	3785	लातेहार	54	00
देवघर	157	156	लोहरदगा	00	273
धनबाद	124	454	पाकुड़	116	144
दुमका	118	145	पलामू	00	168
गढ़वा	00	36	पू. सिंहभूम	23	108
गिरिडीह	357	3851	प. सिंहभूम	384	5838
गोड्डा	22	50	रामगढ़	82	00
गुमला	00	91	रांची	234	39
हजारीबाग	264	4807	साहिबगंज	00	136
जामताड़ा	56	195	सरायकेला	72	665
खूंटी	59	00	सिमडेगा	378	971

राज्यभर में 32,832 चापानल खराब

गर्मी गुजरी, बरसात आयी फिर भी नहीं बने चापानल

प्रमुख संवाददाता। रांची

गर्मी गुजर गयी. बरसात आयी गयी, लेकिन पेयजल विभाग अब तक राज्य में खराब पड़े चापानलों का मरम्मत नहीं कर पायी. आज की तारीख में राज्यभर में 32, 832 चापानल खराब पड़े. 13 जिले ऐसे हैं, जहां एक हजार से तीन हजार तक चापानल खराब पड़े हैं. राज्य में कुल चापानलों की संख्या 1,24,497 है। इसमें 91,554 चापानल ही फंक्शनल है. इस हिसाब से 26.37 फीसदी चापानल खराब पड़े हैं.

बोकारो, गिरिडीह और पाकुड़ में सबसे अधिक खराब चापानल हैं

बोकारो, गिरिडीह और पाकुड़ में सबसे अधिक खराब चापानल हैं. बोकारो में 3649, पाकुड़ में 2590 और रांची में 2158 चापानल खराब पड़े हैं. गिरिडीह में 10,332 चापानलों में 3181 चापानल खराब हैं. इसके अलावा देवघर, धनबाद, दुमका, गोड्डा, पलामू, पूर्वी सिंहभूम, रामगढ़, सरायकेला और सिमडेगा में एक हजार से भी अधिक चापानल खराब पड़े हैं.

किस जिले में कितने चापानल खराब

जिला	चालू	खराब	जिला	चालू	खराब
बोकारो	7223	3649	कोडरमा	2342	783
चतरा	4274	872	लातेहार	1269	407
देवघर	5047	1628	पाकुड़	8173	2590
धनबाद	2738	1522	पलामू	3170	1041
दुमका	3688	1090	प. सिंहभूम	1650	574
गढ़वा	2446	762	पूर्वी सिंहभूम	3488	1256
गिरिडीह	10332	3181	रामगढ़	5335	1683
गोड्डा	4995	1195	रांची	6387	2158
गुमला	2399	989	साहिबगंज	1415	975
हजारीबाग	1125	499	सरायकेला	5737	1745
जामताड़ा	1894	843	सिमडेगा	4420	2011
खूंटी	1224	643	————————		

कोर्ट की खबरें

जब हत्या का प्रत्यक्षदर्शी गवाह हो तो उसके पीछे की मंशा साबित करने की जरूरत नहीं : हाईकोर्ट

रांची।। झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि जब कोई प्रत्यक्षदर्शी हो, जिसने हत्या होते देखा हो और उसका साक्ष्य विश्वसनीय हो तो अभियोजन पक्ष के लिए अपराध के पीछे की मंशा साबित करना जरूरी नहीं है. दरअसल रांची सिविल कोर्ट ने अजीत बारला को जेम्स केरकेट्टा की हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए 27 नवंबर 2017 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. साथ ही 10 हजार का जुर्माना भी लगाया था. रांची सिविल कोर्ट के इस फैसले को अजीत ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. उसकी याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चांद की खंडपीठ में सुनवाई हुई.

पटेल-लोबिन के दल-बदल मामले में सुनवाई पूरी

रांची। विधायक जेपी पटेल और लोबिन हेंब्रम पर लगे दल-बदल के आरोप की शिकायत पर स्पीकर कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. बुधवार को भी स्पीकर ने दोनों पक्षों को सुना और फैसला सुरक्षित रख लिया. जेपी पटेल की ओर से कहा गया कि मंगलवार को याचिका की कॉपी मिली है. जवाब देने के लिए समय की मांग की गई. इस पर स्पीकर ने उनके आग्रह को खारिज कर दिया. स्पीकर ने गुरुवार को जवाब देने के लिए कहा. वहीं विधायक लोबिन हेंब्रम को भी गुरुवार को दोपहर 12 बजे तक जवाब देने को कहा है.

'सीवरेज ड्रेनेज परियोजना के लिए भूमि चिह्नित'

रांची। रांची में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना को पूरा करने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान रांची डीसी अदालत के समक्ष उपस्थित हुए. कोर्ट ने उनसे यह जानकारी मांगी कि सीवरेज ड्रेनेज परियोजना के लिए भूमि देने में क्या अड़चन आ रही है? उन्होंने कोर्ट को बताया कि जिस कंपनी को काम का जिम्मा दिया गया है, उसने सात जगह चिन्हित कर जिला प्रशासन को बताया है. अदालत ने उन्हें जल्द ही सभी प्रक्रियाएं खत्म कर सीवरेज ड्रेनेज परियोजना के लिए भूमि देने का निर्देश दिया है.

लैंड स्कैम: अफसर अली को कोर्ट से नहीं मिली बेल

रांची। लैंड स्कैम के आरोप में जेल में बंद अफसर अली की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) स्पेशल कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुना दिया है. अदालत ने अफसर अली को बेल देने से इंकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी.

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को राहत बरकरार

रांची। भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की क्रिमिनल याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने उन्हें मिली राहत को बरकरार रखते हुए पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को 31 जुलाई तक विस्तार दिया है. सांसद निशिकांत दुबे ने सचिवालय घेराव के दौरान धुर्वा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने के लिए याचिका दाखिल की है.

सीईसी से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

प्रमुख संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश बाबूलाल मरांडी कर रहे थे. प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा व झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में हुई अप्रत्याशित वृद्धि की जांच कराने की मांग की. खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त को बताया कि बांग्लादेशी घुसपैठिए ने गलत तरीके से पहचान पत्र बना लिया है. इस कारण मतदाताओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है. झारखंड की डेमोग्राफी बदल रही है. यह चिंता का विषय है.

मुख्य चुनाव आयुक्त को दी जानकारी : प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को बताया कि भाजपा टीम द्वारा 10 विधानसभा क्षेत्रों का गहन अध्ययन किया गया, जिसमें यह निष्कर्ष आया है कि 5 वर्षों में अमूमन 15 से 17 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है. इस संदर्भ में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा 22 जनवरी, 2024 को मतदाता सूची के संबंध में जारी प्रेस नोट में भी इसी वृद्धि दर की स्वीकार किया गया है, जबकि हिन्दू बाहुल्य क्षेत्रों में यह वृद्धि 8 से 10 प्रतिशत तक रहती है, लेकिन अल्पसंख्यक (विशेष कर मुस्लिम) क्षेत्रों में यह वृद्धि 20 से लेकर 123 प्रतिशत तक की है. प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, महामंत्री व सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, विधायक अनंत ओझा शामिल थे.

संत जेवियर्स में आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज रांची में रांची विश्वविद्यालय के तहत चांसलर पोर्टल के माध्यम से सत्र 2024-28 के लिए स्नातक के सभी रेगुलर पाठ्यक्रमों में नामांकन भरने की अंतिम तिथि 28 जुलाई तय की गई है, कॉलेज ने पहली बार चांसलर पोर्टल के माध्यम से नामांकन प्रक्रिया शुरू की है. चांसलर पोर्टल से कॉलेज के 15 रेगुलर कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन किया जा सकता है. कॉलेज में नामांकन के इच्छुक विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. अधिक जानकारी के लिए कॉलेज के हेल्पडेस्क नंबर 7542920586/853897058 6 पर दिन के नौ बजे से संध्या 4 बजे तक कॉल या व्हाट्सएप कर सकते हैं. एंट्रेंस परीक्षाफल की घोषणा तिथि के एक सप्ताह बाद कॉलेज वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी जाएगी.

बम निरोधक दस्ता | लगातार तीन दफा कोई बीमा कंपनी आगे नहीं आयी

जवानों की बीमा के लिए नहीं मिल रही कंपनी

संवाददाता। रांची

झारखंड में बम निरोध दस्ते के 58 पदाधिकारियों और जवानों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 60 लाख का बीमा तय हुआ है. लेकिन उनके लिए कोई बीमा कंपनी ही नहीं मिल रही है. झारखंड पुलिस मुख्यालय मार्च महीने से लेकर अबतक चौथी बार 58 पदाधिकारियों और जवानों की बीम करने के लिए विज्ञापन निकाला है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सबसे पहले सात मार्च को बीमा को लेकर विज्ञापन जारी किया था. पुलिस मुख्यालय ने बीमा कंपनी नहीं मिलने पर 27 मार्च और छह जून को विज्ञापन निकाला. तीसरी बार भी कंपनी नहीं मिलने पर पुलिस मुख्यालय ने 16 जुलाई को फिर से विज्ञापन निकाला है. बता दें कि द न्यू इंडिया इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ झारखंड पुलिस का एक साल के लिए करार था, जिसकी अवधि 31 मार्च को समाप्त हो गयी.

नक्सल विरोधी अभियान से अलग है ये बीमा : बम निरोधक दस्ते के 58 सदस्यों को इस बीमा योजना का लाभ मिलना है. इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने प्रति सदस्य 2950 रुपये वार्षिक प्रीमियम का भुगतान किया है. यह बीमा नक्सल विरोधी अभियान से अलग है. नक्सल विरोधी अभियान के लिए बीमा पहले से लागू है. पुलिस मुख्यालय ने बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) के लिए योजना बनायी थी. मुख्यालय का तर्क है कि बम निरोधक दस्ते को नक्सल अभियान के अलावा भी आकस्मिक बम जांच, आईईडी जांच, औचक निरीक्षण या प्रशिक्षण के क्रम में कोई नुकसान पहुंचेगा, तो उसे इस बीमा कंपनी का लाभ मिलेगा. एकरारनामे के अनुसार, बम निष्क्रिय ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों-पदाधिकारियों के घायल होने, निःशक्तता या शहीद होने की स्थिति में संबंधित जिला के पुलिस अधीक्षक चिकित्सा, निःशक्तता या मृत्यु बीमा के लिए दावा एकरारनामे में बताये गये निर्देशों के तहत बीमा का लाभ देने की अनुशंसा करेंगे.

जानें किस परिस्थिति में बीमा का कितना लाभ

मृत्यु की स्थिति में 100 प्रतिशत, स्थाई रूप से नि:शक्तता में 100 प्रतिशत और दो अंगों की क्षति होने पर (जैसे दोनों आंखें या फिर एक आंख व एक अन्य अंग नष्ट होने पर) भी 100 प्रतिशत बीमा राशि मिलेगी. एक अंग या एक आंख नष्ट होने पर 50 प्रतिशत राशि मिलेगी. स्थायी रूप से हल्का नि:शक्त होने पर आईआरडीए के नार्म्स के अनुसार राशि मिलेगी. जख्मी होने पर निजी या सरकारी अस्पताल में इलाजरत रहने की स्थिति में अधिकतम 20 लाख रुपये, पुलिसकर्मी की मृत्यु की स्थिति में दो बच्चों की शिक्षा के लिए प्रति बच्चा दो लाख और बम निष्क्रिय करने के दौरान मृत्यु होने पर शव ले जाने के लिए 50 हजार दिए जाएंगे.

क्लासिफाइड

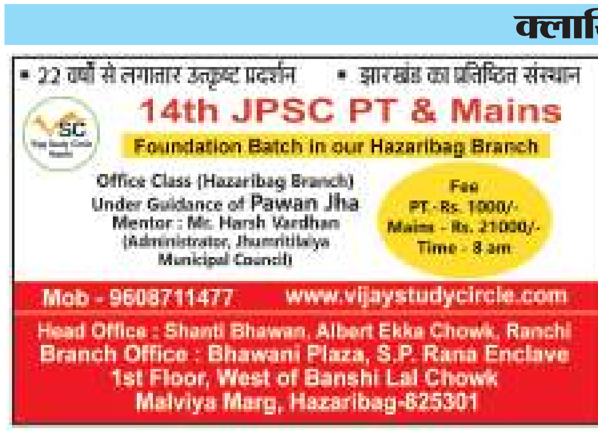

तापमान
30.6° अधिकतम | 24.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 25 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 107 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

खिले चेहरे : झारखंड सरकार ने सभी प्रवासी श्रमिकों को 25-25 हजार रुपये का चेक दिया, वीडियो कॉल पर सीएम ने की बात

झारखंड के 27 प्रवासी मजदूरों की वतन वापसी

प्रवासी श्रमिक को चेक सौंपतीं मंत्री बेबी देवी व विधायक कल्पना सोरेन.

दक्षिण अफ्रीका में फंसे थे सभी मजदूर

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बढ़ाया श्रमिकों का हौसला
- डुमरी में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन हुआ

संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार की त्वरित कार्रवाई एवं सतत प्रयास से दक्षिण अफ्रीका में फंसे झारखंड के 27 प्रवासी श्रमिकों की बुधवार की सुबह सकुशल घर वापसी हुई. स्वदेश लौटे प्रवासी श्रमिकों में खुशी की लहर है. उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार का आभार जताया है. कहा कि मुख्यमंत्री की त्वरित कार्रवाई से वे आज अपने घर सकुशल लौट पाए हैं. दक्षिण अफ्रिका से लौटने वाले प्रवासी मजूदरों में बोकारो के 18, गिरिडीह के चार और हजारीबाग जिले के पांच श्रमिक शामिल हैं. सभी श्रमिकों का पारसनाथ स्टेशन पर सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण व कौशल विभाग, श्रमायुक्त, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवम कौशल विभाग की उपस्थिति में जिला प्रशासन द्वारा माला पहनकर भव्य स्वागत किया गया. तत्पश्चात, श्रम विभाग की ओर से एक स्थानीय होटल में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया. यहां श्रम एवं नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बैद्यनाथ राम, मंत्री बेबी देवी, विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन के अलावा श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग के सचिव व श्रम आयुक्त मौजूद थे. इस अवसर पर सभी श्रमिकों के बीच 25-25 हजार रुपये के चेक का वितरण किया गया. साथ ही सभी उन्हें शॉल ओढ़ा कर सम्मानित भी किया गया .

कल्पना ने श्रमिकों की सीएम से बात कराई

कल्पना सोरेन ने फोन पर वीडियो कॉल के जरिये मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से प्रवासी मजदूरों की बात करायी. हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारे लिए खुशी की बात है कि आप सभी लोग सुरक्षित अपने वतन लौट आये. उन्होंने प्रवासी मजदूरों से अपने राज्य में काम करने की अपील की. साथ ही हेमंत सोरेन ने प्रवासी मजदूरों से हर संभव मदद करने का भरोसा दिया. प्रवासी मजदूरों ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया.

आपका भाई और बेटा हमेशा आपके साथ : हेमंत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने 'एक्स' हैंडल पर प्रवासी मजदूरों से बातचीत की जानकारी साझा की. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार, आपका भाई और बेटा सभी वर्गों की सहायता के लिए हमेशा संवेदनशीलता के साथ खड़ा है. आप सभी खुशहाल रहें, यही कामना करता हूं. सीएम ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के कैमरून में फंसे झारखंड के 27 लोगों की परेशानियों के बारे में जानकारी मिली थी. झारखंड सरकार की पहल से सभी श्रमिकों को राज्य वापस लाया गया. प्रत्येक श्रमिक भाइयों को 25-25 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गयी. सभी श्रमिकों से राज्य सरकार के संपर्क में रहने की बात कही गयी है.

ठेकेदारों पर नजर रखने के लिए समिति गठित

वैसे प्रवासी श्रमिक, जो इस तरह के धोखाधड़ी में फंस जाते हैं, इस पर नगर रखने के लिए विभाग द्वारा श्रम आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है. यह समिति इस मामले को देख रही है और जो भी ठेकेदार दोषी पाये जायेंगे, उनके खिलाफ विभाग द्वारा कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी. श्रम सचिव ने प्रवासी मजदूरों से बाहर जाने के पूर्व श्रम विभाग में पंजीकरण कराने की भी अपील की. इस अवसर पर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा, श्रम अधीक्षक रविशंकर कुमार समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

धारदार हथियार से वार कर अधेड़ की हत्या

रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड नंबर छह में आपसी विवाद में धारदार हथियार से वार कर बुजुर्ग की हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान इंद्रपुरी निवासी उमेश लकड़ा के रूप में की गयी. वह अपने आवास में अकेले ही रहते थे. जानकारी मिलने पर बुधवार को सुखदेवनगर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. बताया जा रहा है कि आपसी विवाद में बुजुर्ग की हत्या की गई है. हत्या किसने औक क्यों की इसका खुलासा अबतक नहीं हो पाया है.

हेमंत को व्यक्तिगत पेशी से छूट नहीं दी जाए : ईडी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए दायर याचिका पर ईडी ने जवाब दाखिल कर दिया है. ईडी ने अपने जवाब में कहा है कि मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत पेशी से छूट नहीं दी जानी चाहिए. कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिसके तहत किसी व्यक्ति को उपस्थित हुए बिना केस चलाने की अनुमति दी जाए. ईडी के जवाब पर हेमंत सोरेन की ओर से तीन अगस्त को बहस होनी है. इस केस की सुनवाई एमपीएमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही है.

बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल के जेलर निलंबित

रांची। होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के जेलर मो मुस्तकीम अंसारी को जेल आईजी ने निलंबित कर दिया है. इस कार्रवाई की वजह कार्य में लापरवाही और बिना सूचना के गायब रहने को बताया जा रहा है. गौरतलब है कि मो मुस्तकीम अंसारी विभाग को बिना कोई नोटिस दिए 15 से 20 दिनों तक ड्यूटी से गायब थे. विभाग द्वारा जब यह बात आईजी के पहुंची, तो उन्होंने जेलर के निलंबन की कार्रवाई की. वहीं, सहायक जेलर देवनाथ राम को जेलर का प्रभार सौंपा गया है.

सीएम की मौजूदगी में नगर विकास विभाग व आईएचसीएल के बीच एमओयू

अब रांची में भी होगा होटल ताज

- टाटा के साथ कदम से कदम मिला कर चलने को तैयार

संवाददाता। रांची

मुंबई, कोलकाता, दिल्ली जैसे महानगरों के बाद अब राजधानी रांची में भी होटल ताज खुलेगा. रांची स्मार्ट सिटी में होटल ताज के लिए जगह का आबंटन किया गया है. झारखंड मंत्रालय सभागार में बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में नगर विकास एवं आवास विभाग और द टाटा इंटरप्राइजेज की अनुषंगी इकाई द टाटा इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के बीच ताज होटल निर्माण के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ.

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि जिस तरह देश को आगे बढ़ाने में टाटा का अहम योगदान है, उसी तरह झारखंड के बिना भी देश आगे नहीं बढ़ सकता है. झारखंड अगर अपने हाथ रोक ले, तो देश की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है. लेकिन हमारी सरकार सभी के साथ देश को आगे ले जाने की सोच रखती है और इसमें झारखंड पूरा योगदान दे रहा है. मौके पर नगर विकास एवं आवास मंत्री हफीजुल हसन, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल, टाटा स्टील के सीईओ व एमडी टीवी नरेंद्रन, आईएचसीएल के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट (ऑपरेशंस) के मोहन चंद्रन, वाइस प्रेसीडेंट (डेवलपमेंट) अनिका गुप्ता और वाईस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट अफेयर्स, टाटा स्टील) चाणक्य चौधरी मौजूद थे.

सभी की भागीदारी से झारखंड को नई पहचान देंगे : हेमंत सोरेन ने कहा कि वह राज्य में एक ऐसी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं, जहां सभी की भागीदारी से झारखंड को एक नई पहचान मिल सके. आंतरिक संसाधनों का बेहतर से बेहतर सदुपयोग और राज्य की प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक-एक कड़ी को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं. इसके लिए लंबे समय से प्रयास जारी था, जो अब साकार हो रहा है. यह दिन काफी ऐतिहासिक और सुखद अनुभव देने वाला है. इस सुखद अनुभव में और भी इजाफा उस वक्त होगा, जब ताज होटल राज्यवासियों को समर्पित किया जाएगा. इससे पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे झारखंड को वैश्विक पहचान भी मिलेगी.

टाटा समूह के साथ झारखंड का रिश्ता काफी पुराना : मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा समूह के साथ झारखंड का रिश्ता काफी पुराना है. इस रिश्ते के 100 वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं. टाटा समूह औद्योगिक और अन्य माध्यमों से झारखंड के विकास में अहम रोल निभाता आ रहा है. इस रिश्ते को हम और भी मजबूत कर सकते हैं, जब हम राज्य के लोगों के साथ भी रिश्ते को और मजबूत कर सकें. उन्होंने कहा कि मैं वर्षों पुराने स रिश्ते को लेकर टाटा समूह से अधिकार के साथ कह सकता हूं कि वह राज्य की जनता के हितों को प्राथमिकता दे. टाटा समूह से भी पूर्ण सहयोग की अपेक्षा है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार टाटा समूह के साथ कदम से कदम मिला कर चलने को तैयार है.

देश को आगे बढ़ाने में झारखंड का अहम योगदान है : हेमंत सोरेन

झारखंड मंत्रालय सभागार में होटल ताज के लिए एमओयू के दौरान सीएम हेमंत सोरेन, मंत्री हफीजुल हसन व टाटा के अधिकारी.

नीतियां अच्छी हों तो रोजगार के लिए पलायन की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार के लिए झारखंड से बड़ी संख्या में लोग दूसरी जगह पालायन करते हैं. अगर कोई बेहतर रोजगार और बेहतर जीवन के लिए बाहर जाता है, तो इसमें कोई बुराई नहीं है. अगर इस राज्य में रोजगार से संबंधित नीतियों को बेहतर तरीके से बनाकर अमल में लाया जाए, तो यहां से युवाओं को रोजगार के लिए पलायन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. हमारी सरकार अपने ही राज्य में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है.

बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में बिलियन इंप्रेशंस का उद्घाटन

बिलियन इंप्रेशंस, एकता का प्रतीक है : सीएम

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में निर्मित बिलियन इंप्रेशंस का बुधवार को विधिवत उद्घाटन किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पार्क के प्रांगण में टाटा द्वारा एक बहुत ही खूबसूरत प्रतिमा लगायी गयी है. ऐसे ही कुछ खूबसूरत प्रतिमा देश के कुछ अन्य राज्यों में भी है, जो वहां की खूबसूरती बढ़ाती है. सीएम ने कहा कि यह एक अंगूठे की आकृति है, जो कि एकता का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि राज्यवासियों के लिए यह एक बहुत बड़ा तोहफा है. उद्घाटन के मौके पर नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल, टाटा स्टील के सीईओ सह प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन सहित टाटा स्टील के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

क्या है बिलियन इंप्रेशंस : बिलियन इंप्रेशंस दो अंगूठे के निशान हैं, जिसका निर्माण स्टील से किया गया है. इसकी ऊंचाई 12.5 मीटर है और इसका वजन लगभग 16 टन है. यह कलाकृति विविधता में एकता की अवधारणा को खूबसूरती से दर्शाती है. यह अंगूठे के निशान का भौतिक संकेत है, जो मूल रूप से मानवीय और कालातीत है. यह कला पूर्णतः हमारी विरासत से जुड़े रहने और उससे सीखने के महत्व को उजागर करती है. एक अंगूठे का निशान जो पहले हस्ताक्षर हुआ करता था और अब इसका उपयोग प्राइवेसी टेक्नोलॉजी में होता है.

मैकलुस्कीगंज और लातेहार में एनआईए की रेड

टंडवा में रोहित यादव के ईंट भट्ठा से 36 लाख मिले

- नक्सली की लेवी की कमाई निवेश करने वाले आधा दर्जन लोगों के ठिकानों पर दबिश दी

सौरभ सिंह। रांची

जिले के मैक्लुस्कीगंज और लातेहार बार्डर स्थित कई ठिकानों पर बुधवार की सुबह एनआईए की रांची ब्रांच की टीम ने छापेमारी की. जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी 15 लाख के इनामी नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू के समर्थक और उसकी लेवी की कमाई को निवेश करने वाले आधा दर्जन लोगों के ठिकानों पर की गयी. एनआईए की टीम ने मैकलुस्कीगंज में ठेकेदार जितेंद्र पांडेय और रोहित यादव के घर सहित अन्य ठिकानों पर सघन तलाशी ली है. वहीं चंदवा में रोहित यादव के ईंट भट्ठा पर भी एनआईए की टीम पहुंची थी. यहां से एनआईए ने 36 लाख रुपये बरामद किये हैं. बता दें कि टेरर फंडिग के आरोप में रोहित यादव पूर्व में भी जेल जा चुका है.

एनआईए की जांच में हुआ था अहम खुलासा : एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि भाकपा माओवादी संगठन के सदस्यों ने हिंसक कृत्यों और सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से देश की अखंडता, सुरक्षा, संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने और सरकार को अस्थिर करने की साजिश रची थी. इस मामले में गिरफ्तार माओवादियों के जोनल कमांडर, सब जोनल कमांडर, एरिया कमांडर, सशस्त्र कैडरों और जब्त सबूतों से एनआईए ने अन्य माओवादी कैडरों और ओवरग्राउंड समर्थकों की मिलीभगत का भी पता लगाया था. एनआईए नक्सली नेटवर्क को ध्वस्त करने में लगी है.

हथियार व गोला-बारूद की बरामदगी मामले में एनआईए ने दर्ज किया था केस : उल्लेखनीय है कि लोहरदगा जिले के बुलबुल जंगल में हथियार व गोला-बारूद की बरामदगी मामले में लोहरदगा के पेशरार थाना में 21 फरवरी 2022 को प्राथमिकी दर्ज हुई थी. इसके बाद इस केस को री-रजिस्टर्ड करते हुए एनआईए ने 14 जून 2022 को आरसी-02/2022/एनआईए/आरएनसी में प्राथमिकी दर्ज की थी. सुरक्षाबलों को जानकारी मिली थी कि रवींद्र गंझू अपने सक्रिय सहयोगी बलराम उरांव, मुनेश्वर गंझू, बालक गंझू, दिनेश नगेशिया, शीला खेरवार, ललिता देवी और 40-60 अन्य नक्सलियों के साथ बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है. इसी सूचना पर स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने हरकट्टा टोली के बहाबर जंगल व बांग्ला पाट में ऑपरेशन डबल बुल चलाया था.

एनआईए ने माओवादी नेता को गिरफ्तार किया

रांची। एनआईए ने हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामदगी मामले में भाकपा माओवादी के विशेष क्षेत्र समिति सदस्य उदय जी उर्फ राजेश कुमार सिन्हा को गिरफ्तार किया है.

परशुराम सिंह ने बूढ़ा पहाड़ जाकर हथियार व विस्फोटकों की सप्लाई की थी : एनआईए के मुताबिक, परशुराम सिंह उर्फ नंदलाल ने झारखंड के बूढ़ा पहाड़ स्थित माओवादी शिविर का दौरा किया था और मिथिलेश मेहता उर्फ मिथिलेश वर्मा से मिला था. उसे हैंड ग्रेनेड की आपूर्ति भी की थी. इस मामले की जांच के दौरान हथियार, गोला-बारूद और हैंड ग्रेनेड के अलावा कई आपत्तिजनक लेख और उपकरण भी जब्त किए गए थे.

दानापुर में अपने गैरेज में हैंड ग्रेनेड बना रहा था: परशुराम सिंह बिहार के दानापुर में अपने गैरेज में हैंड ग्रेनेड का निर्माण कर रहा था. इन इम्प्रोवाइज्ड हैंड ग्रेनेड को आगे बूढ़ा पहाड़ में नक्सलियों को सप्लाई किया जाता था. जांच में बड़ी साजिश का खुलासा होने के बाद दिसंबर 2021 में एनआईए ने परशुराम सिंह, संजय सिंह, राकेश कुमार, प्रेम राज उर्फ गौतम और मो बदरुद्दीन के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था.

फैसला राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बाल संरक्षण के मुद्दों पर पदाधिकारियों को दिए निर्देश

21 वर्ष से कम उम्र के युवा को बार एंड रेस्टोरेंट में प्रवेश नहीं

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य उज्ज्वल प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में बाल अधिकार एवं सुरक्षा से संबंधित बैठक आयोजित हुई. समाहरणालय में आयोजित बैठक में बाल संरक्षण के मुद्दों पर संबंधित पदाधिकारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए उज्ज्वल प्रकाश तिवारी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये.

रांची के सहायक आयुक्त उत्पाद को आयोग ने जिला में संचालित सभी बार एंड रेस्टोरेंट में नियमानुसार, 21 वर्ष से कम आयु वर्ग वाले युवाओं के प्रवेश पर रोक के सख्त निर्देश दिये हैं. साथ ही कृत कार्रवाई प्रतिवेदन आयोग को उपलब्ध कराने को भी कहा गया है. वहीं जिले में मादक पदार्थों के सेवन से युवाओं पर होने वाले दुष्प्रभाव से संबंधित जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश भी दिया गया. बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सहायक आयुक्त उत्पाद, बाल कल्याण समिति, श्रम अधीक्षक-2, रांची/सीएसआर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

दिव्यांग बालिकाओं के लिए बालगृह का संचालन करें : उज्ज्वल प्रकाश ने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को जिले में संचालित बालगृह के लिए सिविल सर्जन को बच्चों के आकस्मिक चिकित्सा सुविधा के लिए 108 एंबुलेंस 24 घंटे उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जिला में दिव्यांग बालिकाओं के लिए एक बालगृह के संचालन करने को लेकर आवश्यक कार्वाई करने को कहा गया. साथ ही श्रम अधीक्षक-2 को जिले में बालश्रम से मुक्त कराये गये बाल श्रमिकों की विगत एक वर्ष पूर्व से विवरणी उपलब्ध कराये जाने और दी जाने वाली मुआवजा राशि से संबंधित विवरणी आयोग को उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया गया.

पदाधिकारियों को निर्देश देते आयोग के सदस्य उज्ज्वल प्रकाश तिवारी.

खास बातें

- कार्रवाई प्रतिवेदन आयोग को उपलब्ध कराने को कहा गया
- मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभाव पर जागरूक करें
- मुक्त कराये गये बाल श्रमिकों की एक वर्ष पूर्व से विवरणी मांगी

जाममुक्त रांची के लिए कांटाटोली, रातू रोड के बाद अब...

हरमू रोड पर भी बनेगा फ्लाईओवर

स्टेट हाइवे अथॉरिटी ने जारी किया टेंडर, दो-तीन महीने में प्रक्रिया पूरी होगी

रवि भारती। रांची

सरकार की ओर से राजधानी को पूरी तरह से जाममुक्त करने की कवायद की जा रही है. कांटाटोली और रातू रोड फ्लाईओवर के बाद अब हरमू रोड में फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा. यह फ्लाईओवर 3.5 किमी लंबा होगा, जो कि सहजानंद चौक से किशोरगंज, हरमू रोड गोशाला होते हुए जज कॉलोनी तक बनेगा. सहजानंद चौक और हरमू रोड गोशाला के समीप रैंप का भी निर्माण होगा. रातू रोड जंक्शन के पास बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर के करीब 18 मीटर ऊपर से यह फ्लाईओवर गुजरेगा. इसमें राजभवन की सुरक्षा का भी ख्याल रखा गया है.

315 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे : हरमू फ्लाईओवर निर्माण पर लगभग 315 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे. इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. अगले दो से तीन महीने के अंदर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. स्टेट हाइवे अथॉरिटी ऑफ झारखंड ने टेंडर जारी कर दिया है.

फैक्ट फाइल

- फ्लाईओवर की लंबाई होगी 3 .5 किलोमीटर दो जगहों पर बनेगा रैंप
- रातू रोड जंक्शन के पास एलिवेटेड कॉरिडोर से 18 मीटर ऊपर से यह फ्लाईओवर गुजरेगा
- कांके रोड स्थित जज कॉलोनी से हरमू स्थित सहजानंद चौक तक बनेगा फ्लाईओवर .
- **सूचना भवन चौराहा के पास से फ्लाईओवर चढ़ेगा, जो रातू रोड चौक, गोशाला, शनि मंदिर, गाड़ीखाना, किशोरगंज चौक, भारत माता चौक होते हुए सहजानंद चौक के पास उतरेगा .**
- सहजानंद चौक के पास एक रैंप बनाया जाएगा, ताकि कडरू मार्ग से आने वाले वाहन फ्लाईओवर पर आसनी से चढ़ सकें .
- **दूसरा रैंप गोशाला चौक के निकट बनाया जाएगा, ताकि रातू रोड और पहाड़ी मंदिर की ओर से आनेवाले वाहन फ्लाईओवर पर चढ़ सकें .**

खेलकूद में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके तो स्पोर्ट्स टीचर ने बच्चों को बेहरमी से पीटा

संवाददाता। रांची

डीएवी गांधीनगर के स्पोटर्स टीचर आयुष पर खेलकूद में बेहतर प्रदर्शन न करने पर बच्चों को बेरहमी से पीटने का आरोप लगाते हुए गुस्साये अभिभावक बुधवार को स्कूल पहुंचे और प्राचार्य कक्ष के समक्ष जमकर हंगामा किया. अभिभावकों ने मासूम बच्चों के साथ मारपीट करने के आरोपी स्पोटर्स टीचर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की. अभिभावकों ने प्राचार्य को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दोषी स्पोटर्स टीचर पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आगे की कार्रवाई के लिए विवश होंगे. स्कूल के प्रिंसिपल ने अभिभावकों को समझा-बुझा कर शांत कराया और कहा कि मामले की जांच कराने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. हालांकि प्रिंसिपल के आश्वासन के बावजूद अभुभावकों का गुस्सा शांत न हुआ. प्रिंसिपल से मिलने के बाद अभिभावकों ने गोंदा थाना पहुंच कर स्कूल के स्पोटर्स टीचर के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी. पुलिस मामले की जांच कर रही है. गोंदा थाना प्रभारी ने कहा कि यदि स्पोटर्स टीचर दोषी पाये गये, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

रात में ही कर दी पिटाई,बच्चों की पैर - पीठ पर जख्म उभर आये : दरअसल डीएवी गांधीनगर में पढ़ने वाले एक दर्जन से अधिक बच्चे 22 जुलाई को बोकारो में आयोजित अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने गये थे. कई बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये. जब बच्चे रात में लौटे, तो स्पोटर्स टीचर आयुष ने स्कूल में ही बच्चों की बेरहमी से पिटाई कर दी. पिटाई से बच्चों की पैर और पीठ पर कई जख्म उभर आये हैं. परिजनों ने बताया कि टीचर ने स्कूल के सीसीटीवी कैमरे पर कपड़े से ढंककर कर बच्चों की पिटाई की थी.

पीड़ित बच्चों ने प्रिंसिपल को टीचर की करतूत की जानकारी दी : पीड़ित बच्चे किसी तरह एकजुट होकर अभिभावकों के साथ बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल को टीचर की करतूत की जानकारी दी. बच्चों ने प्रिंसिपल को बताया कि कैसे आयुष सर गुस्से में लाल-पीला हो रहे थे और बेहतर खेल का प्रदर्शन नहीं करने पर उन्हें भला-बुरा कह रहे थे. बच्चों ने प्रिंसिपल की पिटाई से शरीर पर उभरे जख्म भी दिखाये. बच्चों के शरीर पर उभरे जख्म से अभिभावकों का गुस्सा उबाल पर था. अभिभावकों ने प्रिंसिपल को साफ-साफ कह दिया है कि यदि स्पोटर्स टीचर आयुष पर कार्रवाई नहीं की गयी, तो वे आगे बड़ा कदम उठाएंगे.

अभिभावकों ने डीएवी गांधीनगर में किया हंगामा, गोंदा थाने में शिकायत दर्ज कराई

डीएवी गांधी नगर के बच्चे, जिनको स्पोटर्स टीचर ने बेरहमी से पीटा.

- आरोप- सीसीटीवी कैमरे को ढंक कर बच्चों की पिटाई की गई, ताकि साक्ष्य न मिल सके
- डीएवी गांधीनगर के शिक्षक की करतूत से गुस्से में हैं अभिभावक
- प्रिंसिपल को कहा- यदि स्पोटर्स टीचर पर कार्रवाई नहीं की गयी, तो वे आगे बड़ा कदम उठाएंगे

गोंदा थाने का घेराव करते परिजन.

सीसीटीवी ढंककर बेल्ट छड़ी व डंडे से हुई पिटाई

अभिभावकों का कहना है कि बोकारो में डीएवी अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए डीएवी गांधीनगर से भी दर्जन भर विद्यार्थी बोकारो गये थे. स्कूल के बच्चे उम्मीद के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये. फिर क्या था, स्पोटर्स टीचर का गुस्सा बच्चों पर फूट पड़ा और उन्होने बच्चों की बेल्ट, छड़ी व डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी.परिजनों का कहना है कि टीचर ने सीसीटीवी कैमरे को ढंककर उनके बच्चों के साथ मारपीट की, ताकि बात आगे बढ़ने पर कोई साक्ष्य न मिल सके. लेकिन बच्चों के शरीर पर बेल्ट व डंडे से पिटाई की वजह से उभरे जख्म स्पोटर्स टीचर की ज्यादतियों की गवाही दे रहे हैं.

शहर में आज

1. प्रदेश कांग्रेस की बैठक, कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे
2. कैबिनेट की बैठक, दोपहर 1 बजे प्रोजेक्ट भवन में दोपहर 1 बजे
3. संत मरिया महागिरजा घर में कार्यक्रम सुबह 6.30 बजे

ब्रीफ खबरें

सैनिक कल्याण निदेशालय की मनमानी : दुकानदार

रांची। सैनिक बाजार के दुकानदारों ने सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा प्रताड़ित किये जाने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी से लिखित शिकायत की है. दुकानदारों का कहना है कि दुकानों की लीज की अवधि तीन वर्ष पहले समाप्त हुई, जिसका नवीकरण अभी तक नहीं किया गया. केवल दुकान का किराया निदेशालय द्वारा बढ़ाया जा रहा है, वह भी 800 प्रतिशत. तीन वर्ष पहले लीज अवधि पूरी होने के बाद पुनः 30 वर्षों के लिए दुकान का रिन्युअल नहीं किया गया. अनुसूचित जनजाति की दुकानें सामान्य श्रेणी के लोगों को दी जा रही है. रक्षा राज्य संजय सेठ को दुकानदारों को न्याय दिलाना चाहिए.

विधायक की मनमानी पर रोक के लिए सीएम को पत्र

रांची। रांची जिला मुखिया संघ ने मांडर विधानसभा क्षेत्र की पंचायतों में विधायक शिल्पी नेहा तिर्की की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है. विधायक प्रतिनिधि के हस्ताक्षर पर लाभुक को अबुआ आवास देने की बात पर संघ ने आपत्ति जताई है. संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सात सूत्री मांग पत्र सौंपा गया. यह पत्र पंचायतीराज मंत्री और निदेशक को भी दिया गया है. संघ ने मांग की है कि पंचायतीराज वित्त आयोग का गठन शीघ्र कर पंचायत को राशि दी जाए. विधायक और सांसदों की तरह त्रिस्तरीय जन-प्रतिनिधियों को भी कार्यअवधि समाप्ति के बाद पेंशन निर्धारित हो.

जनता पर और तकलीफ थोपेगा केंद्रीय बजट : वृंदा

रांची। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्स वादी) के पोलिट ब्यूरो सदस्य वृंदा करात ने केंद्रीय बजट को आर्थिक संकुचनकारी और प्रतिगामी बताया है. उन्होंने कहा है कि केंद्रीय बजट जनता पर और तकलीफें ही थोपेगा और निवेश तथा रोजगार निर्माण के स्तरों को नीचे बैठाएगा. कहा कि बजट में पेश की गयी जीडीपी की गणनाएं, आंकड़ों की हेराफेरी का एक और उदाहरण है. बेरोजगारी से निपटने के नाम पर बजट में टोटकेबाजी का सहारा लिया गया है. नए रोजगार पैदा करने के नाम पर कॉरपोरेटों को सब्सिडाइज करने का एक और रास्ता होगा.

■ स्थानीय लोग गुस्से में, कहा-रोड नहीं, तो वोट नहीं ■ दी चेतावनी- करेंगे उग्र आंदोलन, सांसद-विधायक को घेरेंगे

दीपनगर... सड़क नहीं गड्ढे ही गड्ढे

बसंत मुंडा। रांची

शहर के पंडरा इलाके में है दीप नगर. झारखंड बनने के 23 साल बाद भी यह मुहल्ला विकास से काफी दूर है. या यों कहें कि शहर में रहते हुए भी इस मुहल्ले के लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पायी हैं. मुहल्ले की सड़कतो कभी बनी ही नहीं है. पूरे सड़क पर जगह-जगह गड्ढे उभर आये हैं. मुहल्ले का नाम तो है दीप नगर, लेकिन यहां अंधेरगर्दी ही है. मुहल्ले में सैंकड़ों घर हैं. लगभाग पांच हजार की आबादी भी है. मुहल्ले के लोगों के आने-जाने के लिए चार सड़के तो हैं, लेकिन चारों सड़के कच्ची ही हैं. मुहल्ले के लोग कहते हैं कि शहर के किनारे होने के कारण जिम्मेवारों का ध्यान कभी भी सड़कों पर गया ही नहीं. कच्ची सड़कों पर छोटे-छोटे गड्ढे उभर आये हैं. बारिश में तो इस मुहल्ले में रहनेवाले लोग कुछ ज्यादा ही परेशान हो जाते हैं, क्योंकि दुपहिया वाहन से कच्ची सड़क से गुजरने पर पता हीं नहीं चल पाता है कि आखिर कहां गड्ढे हैं और कहां सड़क थोड़ी ठीक है. छोटे-छोटे दर्जनों गड्ढों को पार करना जोखिम भरा काम है. कब, किस पल कहां आप गिर पड़ेंगे कहा नहीं जा सकता.

बारिश में सभी गड्ढों में पानी से भर जाता है. तेज बारिश में घुटने भर पानी बता रहता है, ऐसे में अक्सर गाड़ियां गड्ढों में फंस जाती हैं. 23 साल में भी सड़क नहीं बनने से लोग ज्यादा परेसान हैं. हर रोज सैंकड़ो लोग इसी रास्ते से आना जाना करते हैं. बारिश में इस रोड पर चलना मुश्किल हो जाता है. इलाके में दो मंदिर और दो स्कूल भी हैं. पूजा पाठ करने के लिए मंदिर तक आने-जाने में हालत खराब हो जाती है. और बच्चों को स्कूल आना जाना इसी रास्ते से ही करना होता है, जिससे उनकी परेशानी भी बढ़ी रहती है. मुहल्ले के लोगों का कहना है कि स्थानीय सांसद और विधायक को दर्जनों दफा आवेदन दिए गए. लेकिन न तो सड़क बनी और न कोई सकारात्मक जवाब ही मिला. विधानसभा चुनाव सिर पर हैं, तो स्वाभाविक है कि राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की चहलकदमी बढ़ेगी ही. चुनावी सरगर्मी भी इलाके में तेज हो जाती है. मुहल्ले के लोग अब तक एक खास राजनीतिक पार्टी को जिताते आ रहे हैं, लेकिन इस बार लोग गुस्से में हैं. विधानसभा चुनाव से पहले सड़क नहीं बनी, तो लोग आंदोलन चला कर नेताओं का ध्यान खींचने की कोशिश करेंगे. इससे भी काम नहीं हुआ, तो सड़क पर धरना देकर विरोध दर्ज कराएंगे. जरूरत पड़ी तो रोड नहम , तो वोट नहीं का रुख अख्तियार करेंगे.

पंडरा के दीपनगर में जर्जर सड़क.

क्या कहते हैं मुहल्ले के परेशान लोग

रोड नहीं, तो वोट नहीं : रामप्रसाद जायसवाल

मुहल्ले में रहनेवाले राम प्रसाद जायसवाल ने कहा कि उन्होंने विधायक को गोद में खेलाया है. आज विधायक बन गए हैं. लेकिन विधायक बनते ही इलाके को भूल गए हैं. हर इलाके में सड़क का निर्माण हो रहा है. लेकिन दीप नगर में सरकार का कोई काम नहीं हुआ. सांसद भी मित्र हैं. दो बार जिताया है.

23 साल से आश्वासन ही मिल रहा है : चौधरी

मुहल्ले के राजू चौधरी ने कहा कि रोड पास हो गया है. पांच महीना हो रहा है. लेकिन विधायक-सांसद की ओर से अबतक कोई पहल नहीं की गयी है. सड़क निर्माण कराने के लिए कई बार यहां के विधायक से मिल चुके हैं. इसके बाद भी आश्वासन ही मिला है. 23 साल से आश्वासन ही मिलता आ रहा है.

विधायक-सांसद के रवैये से लोग गुस्से में हैं : राजू

राजू तिर्की ने कहा कि विधायक -सांसद नहीं सुन रहे हैं. लोग नेताओं के रवैये से गुस्से में हैं. लोग ठगाते आ रहे हैं. लेकिन इस बार विधायक और सांसद को घेरने का काम करेंगे. चुनाव आता है तो नेताओं को जनता याद आती है. विकास नहीं तो वोट नहीं. सड़क नहीं बनाई गयी, तो नेताओं को घुसने नहीं दिया जाएगा. नेताओं का आश्वासन का 23 साल से मिल रहा है. लेकिन रोड बनाने के लिए किसी न कभी ठोस पहल नहीं की. मुहल्ले के लोग परेशान हैं.

बारिश होते ही रोड कचकिहल हो जाता है, गड्ढे में लोग गिर पड़ते है : सोनी

मुहल्ले के निवासी पंकज सोनी ने कहा कि 15 साल से रोड बनने का इंतजार कर रहे हैं. बारिश शुरू होते ही पूरा रोड किचकिच हो जाता है. अंधेरे में लोग गड्ढे में घुस कर गिर पड़ते हैं. बारिश में पैर फिसलने से दर्जनों लोगों को काफी चोटें आई हैं. कई के तो पैर-हाथ भी टूटे हैं. बारिश में तो पैदल चलना मुश्किल होता है. मंदिर और स्कूल इसी रास्ते से होकर जाना होता है. यही एक मात्र रास्ता है, जो दो गांवों को जोड़ता है. इसके बावजूद सरकार रोड बनाने की ओर ध्यान नहीं दे रही है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूछा-

बजट के बाद नीति आयोग की बैठक का क्या औचित्य

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलते प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर.

विशेष संवाददाता। रांची

- विपक्ष पर किया कड़ा प्रहार कहा- जनता जवाब देगी, इन्होंने क्या लिया और क्या दिया
- जांच एजेसियां और ईसी इनके अपने, अनेकता में एकता इन्हें पंसद ही नहीं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बजट के बाद नीति आयोग की बैठक है, क्या होगा समझ सकते हैं. अब इसका औचित्य ही क्या है. जिसे जो मिलना था मिल चुका है. अब शेष कुछ बचता है क्या. झारखंड राज्य के दृष्टिकोण से देखें तो शायद केंद्र सरकार को झारखंड पर विशेष ध्यान देना चाहिए था, क्योंकि जितना झारखंड देता है, उसकी अपेक्षा हमें आज जितना मिला, क्या खोया-क्या पाया यह सबके सामने है. मुझे लगता है कि बजट बिलकुल पॉलिटिकल बजट है. सीएम ने कहा कि चुनाव में जनता इनको जवाब देगी कि राज्य से इन्होंने लिया क्या और राज्य को दिया क्या. सीएम कैबिनेट की बैठक के बाद प्रोजेक्ट भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे.

सीएम ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है. चुनाव आयोग, राजभवन, ईडी-सीबीआई, कोर्ट-कचहरी सब इनको लगता है अपना. और जहां इनको ज्यादा अपनत्व लगता है, वहां जाकर अपनी बातों को रखते हैं. जैसे खाना में कोई पसंदीदा डिश होता है, उसी तरह ये सब उनके पसंदीदा विषय हैं. इसे छोड़कर वे दायें-बायें नहीं होते हैं. ये हमेशा प्रयास करते हैं, लेकिन कहते हैं कि लोकतंत्र विविधताओं से भरा पड़ा है. अनेकता में एकता इनको नहीं भाता है.

मीर और राजेश ठाकुर मिले सीएम से : मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सीएम हेमंत सोरेन से प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर और अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मुलाकात की. मौके पर राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात और 26 जुलाई से शुरू हो रहे झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र एवं कई अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार- विमर्श किया.

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी मीर ने पिछड़ा, एससी, जिला प्रभारी एवं जिलाध्यक्षों से किया संवाद

81 विस क्षेत्रों में निकाली जाएगी जनसंवाद यात्रा

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस ने अपने विधानसभा चुनाव तैयारी को लेकर बुधवार को पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जिला प्रभारी एवं जिलाअध्यक्षों के साथ अलग-अगल बैठक की. प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने उनसे सीधा संवाद किया गया. बैठक में विधानसभा चुनाव में घोषणा पत्र में आए विचारों को शामिल करने की बातें कही गयी.

मीर ने कहा कि भाजपा अपनी नीतियों से बाज नहीं आ रही है वह "फूट डालो राज करो" कि अंग्रेजों की नीति पर चलती है और उसे ही दोहराने का प्रयास कर रही है. झारखंड के लोकसभा चुनाव से वह इतनी विचलित हो चुकी है कि वह जनता के मुद्दों की बात नहीं करती बल्कि उन्हें मुद्दे से भटकाने का प्रयास करती है. कांग्रेस ने आपकी समस्याओं के समाधान के लिए "जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी" को सामने रखा है और आज भी हम इस पर आपके साथ खड़े हैं. कांग्रेस ने जनता की समस्याओं के समाधान का जो मार्ग चुना उसे लागू करने की नकल प्रधानमंत्री मोदी की मजबूरी बन गई, लेकिन स्पष्ट दूरदर्शिता के कारण वह इसकी नकल भी नहीं कर पाए. प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि हमारे पास समय कम है. घबराई भाजपा समय से पहले चुनाव कराना चाहती है. सरकार के काम को देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक चुकी है।हम चुनाव के लिए तैयार हैं लेकिन हमारी सरकार के किए कार्य को जनता तक पहुंचाना जरूरी है.

दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल के जिलों के झामुमो कार्यकर्ताओं की बैठक

योजनाएं जन-जन तक पहुंचाएं : विनोद पांडेय

विशेष संवाददाता। रांची

झाममो पूरी तरह से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गया है. दूसरे दिन बुधवार को दक्षिण छोटानागपुर के खूंटी, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हुई, जिसमें चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा गया.हरमू के सोहराई भवन में हुई बैठक में झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार जोरशोर से करने के साथ ही साथ जन-जन तक पहुंचाने को कहा. सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन कर योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया.

महासचिव विनोद पांडेय ने कार्यकर्ताओं के मन में राज्य की लोककल्याणकारी योजनाओं को लेकर में उठ रहे सवालों व जिज्ञासाओं को शांत किया. बताया कि सरकार की कौन-कौन सी योजनाएं आम लोगों के हित में चलायी जा रही हैं. कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करने की बात कही गयी. बैठक में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के खूंटी, गुमला, लोहरदगा एवं सिमडेगा जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्ष व सचिव, नगर/महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी और पंचायत समिति के अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए.

पारंपरिक कौशल से समृद्ध है झारखंड

संवाददाता। रांची

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी से नई दिल्ली में मुलाकात की. इस दौरान संजय सेठ ने रांची समेत पूरे झारखंड में चल रही कौशल विकास की परियोजनाओं पर चर्चा की. उन्होंने बताया कि रांची समेत झारखंड में आदिवासी बहुल कई क्षेत्र हैं, कई समूह हैं, जिनके पास पारंपरिक कौशल है. इस मामले में झारखंड बहुत समृद्ध राज्य है, उस कौशल का व्यापक उपयोग हो, उसे स्वरोजगार से जोड़ा जाए, इस दिशा में काम करने की जरूरत है. यह भी सुझाव दिया कि झारखंड की कई विधाओं को हम कौशल विकास से जोड़ सकते हैं.

कौशल विकास राज्य मंत्री जयंत चौधरी के साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ.

सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्री से मिले संजय सेठ

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी. साथ ही आग्रह पत्र सौंपा. उन्होंने मंत्रालय द्वारा रांची में दिव्यांगजनों के लिए किये जा रहे कार्यों के प्रति आभार जताया. संजय सेठ ने कहा कि रांची समेत झारखंड के हर जिले और प्रखंड स्तर पर एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण अधिक से अधिक संख्या में किया जाए, ताकि हमारे दिव्यांगजन सशक्त हो सकें.

कार्यक्रम डोमिसाइल स्मारक रांची में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई, प्रवीण कच्छप ने कहा

डोमिसाइल आंदोलन के शहीदों को नहीं मिला सम्मान

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद रांची महानगर और ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के संयुक्त तत्वावधान में मेकॉन स्थित डोमिसाइल स्मारक रांची में शहीदों को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. प्रवीण कच्छप और पवन तिर्की ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद से डोमिसाइल आंदोलन के शहीदों को सम्मान नहीं मिल पाया है. राज्य में डोमिसाइल आंदोलन शुरू हुआ था, उसका निर्णय अभी तक नहीं किया गया. राज्य के राजनीतिक दल स्थानीय नीति को परिभाषित नहीं कर सके हैं.

झारखंड राज्य को छोड़ कर दूसरे राज्यों में अपनी स्थानीय नीति लागू है. उनके अनुसार नियोजन नीति भी बनायी गयी है. सभी राजनीति दलों ने स्थानीय नीति औऱ नियोजन नीति को नजर अंदाज किया है. जनता की उम्मीदों, भविष्य औऱ उनके अधिकारों को हमेशा से कुचला गया है. राज्य सरकार जमीन वापसी के लिए एसआर कोर्ट का निर्माण किया था.वहां अभी भी 4000 से अधिक केस लंबित है, जिससे आदिवासियों की जमीन वापस नहीं हो पाई है. आदिवासी-मूलवासियों के साथ अनदेखा किया जा रहा है. राज्य में विधानसभा चुनाव नजदीक है. इस बार के विधान सभा चुनाव में आदिवासी-मूलवासी मिलकर सभी राजनीति दलों को आईना दिखाएंगे.

डोमिसाइल आंदोलन के शहीदों को दी गई श्रद्धाजंलि

रांची। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में बुधवार को डोमिसाइल आंदोलन में मारे गए समर्थक कैलाश कुजूर तथा विनय तिग्गा को मेकॉन चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि शहीदों की कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाएगी. इनकी शहादत आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा है. जो इतिहास के पन्नों पर सुनहरे शब्दो में लिखा जाएगा, जिन्होंने आदिवासी मूलवासी के अधिकार के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी. मौके पर सती तिर्की , अनिता उरांव, बुधनी उरांव, प्रमिला उरांव,पार्वती उरांव, नीलम उरांव, पिंकी कुजूर, सुनिता कुजूर , गुड्डु उरांव, कुलदीप उरांव , शोभा तिर्की, नूरी तिर्की समेत अन्य शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

श्रीराणी सती दादी का सिंधारा महोत्सव 28 को

रांची। श्रीराणी सती दादी का सिंधारा महोत्सव 28 जुलाई को धूमधाम से मनाया जायेगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. इसके सफल आयोजन को लेकर दिनेश टेकरीवाल को महोत्सव संयोजक, अक्षय हरलालका और दीपक गोयनका को महोत्सव सह संयोजक बनाया गया है. कार्यकर्ताओं को भी कई जिम्मेवारी दी गयी है. अध्यक्ष सतीश तुलस्यान ने बताया कि सुबह सात बजे गणेश पूजन और सिंधारा से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. आठ बजे से मंगला पाठ किया जायेगा. दोपहर बाद सुंदरकांड पाठ और शाम चार बजे से भक्ति गीतो का कार्यक्रम चलेगा. फिर समापन आरती तक गजरा उत्सव और मंगल सिंधारा के साथ नैवेद्य भोग लगाया जायेगा.उन्होंने श्रद्धालुओं से इसमें भाग लेने का आग्रह किया है.

दस हजार फलदार पौधों का किया जाएगा वितरण

रांची। विश्व आदिवासी दिवस को लेकर केन्द्रीय सरना समिति समेत विभिन्न आदिवासी संगठनों ने अपनी ओर से तैयारियां शुरू कर दी है.केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने बताया कि 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, आदिवासी परंपराओं की झलक प्रस्तुत की जाएगी. सरहुल के तर्ज पर इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा. सभी आदिवासी मेन रोड में पहुंचेंगे और सभी खोड़ा दलों को पांच सखुआ पेड़ और मुर्गा मुर्गी सहित पांच हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा. केंद्रीय सरना समिति चडरी के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि इस बार दस हजार फलदार पेड़ और सखुआ के पेड़ का वितरण किया जाएगा.अलबर्ट एक्का चौक के सामने सभी आदिवासी समुदाय के जुलूस को सम्मानित किया जाएगा.

सरकारी और निजी अस्पतालों के ओपीडी में हर दिन पहुंच रहे 1000 मरीज, गंभीर रूप से बीमारों को ही किया जा रहा भर्ती

अस्पतालों में बढ़े वायरल फीवर के मरीज

- सदर में डेंगू से पीड़ित दो मरीजों का चल रहा इलाज
- डॉक्टरों की सलाह : बदलते मौसम में खानपान पर ध्यान दें, बाहर का खाना न खायें

रेहान अहमद। रांची

बरसात का मौसम शुरू होते ही राजधानी के सरकारी व निजी अस्पतालों में हर दिन सर्दी- खांसी, बुखार (वायरल फीवर), मलेरिया, डेंगू, टायफायड से पीड़ित दर्जनों मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं.रुक -रुक कर हो रही बारिश, फिर धूप के कारण गर्मी, यानि ठंड-गर्म और मौसम में बदलाव की वजह से लोग वायरल फीवर की चपेट में आ रहे हैं. रिम्स, सदर अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों के साथ ही साथ नागरमल मोदी सेवा सदन, गुरुनानक हॉस्पिटल, अंजुमन इस्लामिया अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों के ओपीडी में सर्दी-खांसी, बुखार के सैंकड़ों मरीज पहुंच रहे हैं.

शुभम संदेश संवाददाता ने बुधवार को शहर के प्रमुख सरकारी व निजी अस्पतालों का जायजा लिया, तो पता चला कि यहां एक दिन में 600 से भी अधिक वायरल बुखार से पीड़ित मरीज इलाज के लिए पहुंचे. शहर के अन्य छोटे सरकारी अस्पतालों के आलावा नर्सिंग होम व निजी अस्पतालों में हर दिन औसतन पांच सौ बुखार से पीड़ित मरीज पहुंच रहे हैं. ओपीडी में जरूरी जांच (ब्लड-यरिन टेस्ट आदि) के बाद दवाएं देकर घर भेज दिया गया, वहीं जिन मरीजों की तबीयत ज्यादा खराब थी या जिनमें मलेरिया, टायफायड, डेंगू के लक्षण पाये गये, उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया.

रिम्स-सदर अस्पताल में बाहर से भी पहुंच रहे ज्यादा मरीज : रिम्स ओपीडी में मंगलवार को वायरल फीवर से पीड़ित दो सौ से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे. वहीं रांची सदर अस्पताल में वायरल फीवर से पीड़ित करीब 150 मरीज इलाज के लिए पहुंचे. नागरमल मोदी सेवा सदन अस्पताल में मौसमी व वायरल के 75 मरीज पहुंचे.

अंजुमन अस्पताल में वायरल बुखार से से पीड़ित 30 मरीज पहुंचे. गुरुनानक अस्पताल में 50 मरीज मौसमी व वायरल के इलाज के लिये पहुंचे. सरकारी अस्पतालों, खास कर रिम्स व सदर अ्स्पताल में भर्बती मरीजों की संख्या ज्यादा है. रिम्स में तो बेड की कमी के कारण मरीजों को फर्श पर भी इलाज किया जा रहा है. वहीं निजी अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बेड की संख्या बढ़ा दी गयी है, ताकि गंभीर मरीजों को यहां भर्ती कर उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही साथ स्वस्थ कर घर भेजा जा सके.

रिम्स में वायरल के 200 मरीज पहुंचे, 10 भर्ती कराये गये : राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में 1600 मरीजों को भर्ती करने की क्षमता है. यहां झारखंड समेत अन्य दूसरे राज्यों के भी मरीज बेहतर इलाज के लिए पहुंचते हैं. मंगलवार को रिम्स में सर्दी, खांसी, वायरल फीवर से के 200 मरीज इलाज के लिए पहुंचे. इनमें से 10 गंभीर मरीजों इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया.

सदर अस्पताल में वायरल के 150 मरीज पहुंचे, डेंगू के दो मरीज भर्ती : रांची सदर अस्पताल में वायरल फीवर के 150 से ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचे. सदर अस्पताल के वरीय चिकित्सक डॉ हरीश चंद्रा ने बताया कि इस समय अस्पताल में करीब वायरल के 10 मरीज भर्ती हैं, दो मरीज डेंगू के भी इलाजरत हैं. इनकी देखभाल की जा रही है. यह अस्पताल 500 बेड का है. बरसात में अक्सर मरीजों की संख्या बढ़ने लगती है. ऐसे में मरीजों के बेहतर इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है, ताकि यहां भर्ती मरीज पूरी तरह स्वस्थ्य हो कर जायें.

रिम्स ओपीडी के बाहर अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे मरीज एवं परिजन.

सदर अस्पताल पहुंचे वायरल फीवर के मरीज व उनके परिजन.

सेवा सदन में वायरल के 75 मरीज पहुंचे

नागरममल मोदी सेवा सदन में वायर फीवर के करीब 75 मरीज इलाज के लिए पहुंचे. यहां वायरल फीवर से पीड़ित 10 मरीज भर्ती हैं. इन मरीजों का अनुभवी चिकित्सकों की देख रेख में बेहतर इलाज चल रहा है, ताकि मरीज जल्द ठीक हो कर घर जा सकें.

अंजुमन अस्पताल में वायरल के 30 मरीज पहुंचे

अंजुमन इस्लामिया अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ एमएम आलम ने बताया कि इस समय अंजुमन अस्पताल में एक दिन में वायरल के करीब 30 की संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं. आये मरीजों बेहतर चिकित्सा सुविधाएं अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा दिया जा रहा है. इस समय अस्पताल में वायरल के करीब 11 मरीज भर्ती हैं, जिनका इलाज चल रहा है.

गुरुनानक अस्पताल में हर दिन पहुंच रहे 50 मरीज

गुरुनानक अस्पताल में इस समय रोजाना वायरल के करीब 50 मरीज इलाज के लिये पहुंच रहे हैं. गुरुनानक अस्पताल के मंदीप सिंह ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण सर्दी-खांसी, बुखार से लोग पीड़ित हो रहे हैं. इस समय यहां अस्पताल में वायरल केस सात मरीज भर्ती हैं, जिनका अनुभवी चिकित्सकों की देख रेख में इलाज चल रहा है.

बारिश में भींगना भी घातक : डॉ हरीश चंद्रा

सदर अस्पताल के मेडिसिन विभाग के हेड डॉ हरीश चंद्रा ने कहा कि बारिश के मौसम शुरू होते ही वायरल पीवर से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ जाती है. इसका मुख्य कारण है, जगह- जगह जल जमाव होना, बारिश के पानी में भींगना. पानी का जमना बहुत घातक है, इसमें ही डेंगू मच्छर के लार्वा ही पनपते हैं. मक्खियों और मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ जाता है, जो डेंगू, मलेरिया,जैसी बीमारियों को बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं.

बरसात में खानपान पर विशेष ध्यान दें : डॉ सत्येंद्र

डॉ सत्येंद्र कुमार का कहना है कि वैसे तो हर मौसम में खाना-पान पर का खास ध्यान देना चाहिए, लेकिन बरसात के मौसम में और अधिक ध्यान देने की जरूरत है. खाना गर्म खाये, भींगने से हर हाल में बचें, साफ कपड़े पहनें, सड़क किनारे के होटल व ठेलों के पकवानों से दूर रहें, पानी उबाल कर पीयें. जंक फूड का सेवन करने से बचें. बावजूद किसी प्रकार की परेशानी शरीर में हो तो पास के दवा दुकान से हाल बता कर दवा नहीं लें, पास के चिकित्सक को ही दिखा कर उनके परामर्श पर ही दवाओं का सेवन करें.

ऐसे करें बचाव

- घर और आसपास के इलाकों में साफ- सफाई पर पूरा ध्यान दें, कचरा जमा न होने दें
- घर में या आसपास कहीं भी पानी जमने नहीं दें, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करें
- बारिश में भीगने पर तुरंत कपड़े बदल लें. भींगे कपड़े पहनकर ज्यादा देर तक न रहें
- सर्दी-खांसी है तो मास्क लगा कर ही बाहर निकलें, ताकि दूसरे लोग इसकी चपेट में न आ सकें
- पानी उबाल कर पियें, भोजन ताजा व गर्म खायें, फ्रीज में रखा या बासी भोजन करने से परहेज करें
- घर के बाहर ठेले-खोमचों पर खाने से परहेज करें, खुले में बिकनेवाले सामान न खायें
- बुखार या सर्दी-खांसी होने पर खुद से दवा का सेवन न करें, डॉक्टर के परामर्श पर ही दवाएं खाएं
- मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोगा करें, बिना मच्छरदानी के न सोयें
- एसी, कूलर या हाई स्पीड में पंखा चला कर सोने से परहेज करें, कूलर में पानी न जमा रहने दें.
- बारिश के पानी में भींग जाएं तो तुरंत कपड़े बदलें, पंखे की हवा में शरीर व कपड़े सुखाने से बचें.

रिम्स में फर्श पर चल रहा मरीजों का इलाज

यह है रिम्स का बरामदा, जहां मरीजों के लिए फर्श पर ही लगे हैं बेड.

हड्डी व मेडिसीन विभाग में भी मरीजों की भीड़, बेड की कमी

राजधानी के सबसे बड़े रिम्स अस्पताल में झारखंड समेत दूसरे राज्य के लोग भी इलाज के लिए पहुंचते हैं. रिम्स में बुधवार को कई जगह बाहर फर्श पर मरीजों का इलाज चल रहा था. फर्श पर ही बेड का गद्दा किनारे की ओर लगा था और वहीं मरीजों को पानी चढ़ाया जा रहा था. बीच से आने जाने का रास्ता था, लोग आ जा रहे थे और वार्डों में भी मरीज खचाखच भरे हुए थे. मेडीसीन विभाग में भी मरीजों का इलाज चल रहा था. रिम्स के हड्डी विभाग में हाथ, पैर, कमर आदि के हड्डी के इलाज के लिए मरीज भर्ती थे. चारो ओर मरीज नजर आ रहे थे. इस वार्ड में करीब 32 मरीज भर्ती थे, जिनका इलाज चल रहा था. चिकित्सक राउंडिंग कर मरीजों का हाल ले रहे थे. परिजन भी देख रेख के लिए मरीजों के साथ थे. कोई दर्द से कराहता नजर आया तो कई मरीजों को दवा खिलाया जा रहा था.

रांची के आर्च बिशप विन्सेंट आइंद आज पालियोम ग्रहण करेंगे

संवाददाता। रांची

पोप के राजदूत लियोपोलदो जिरेल्लीस बुधवार को अपराह्न तीन बजकर पांच मिनट पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां रांची आर्चबिशप विंसेंट आइंद ने आदिवासी शॉल ओढ़ाकर और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. एयरपोर्ट से आर्च बिशप ने अपराहन 3.50 मिनट पर बिशप हाउस में प्रवेश किया.

जानकारी के अनुसार 25 जुलाई 2024 को संत मरिया महागिरजाघर में सुबह साढे छह बजे पालियोम पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें रांची के 40 चर्चों के बिशप, फादर, सिस्टर समेत धर्म बहनें शामिल होगे. आर्च बिशप विंसेंट आइंद सातवें आर्चबिशप होंगे,

जो पोप द्वारा प्रदत्त अधिकार के प्रतीक पालियोम को ग्रहण करेंगे. पालियोम की धर्मविधि पोप के राजदूत लियोपोलदो जिरेल्ली अपने हाथों से आर्चबिशप को प्रदान करेंगे. इससे पहले लुईस वान हॉक को सन् 1928 में, ओस्कर सेबरिन को 1934 में, निकोलस कुजूर को 1951में , पीयूष केरकेट्टा को 1960 में, कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो को1985 में तथा आर्चबिशप फेलेक्स टोप्पो को पालियोम प्रदान किया गया था.

तैयारी : राजधानी में श्रावण की तीसरी और चौथी सोमवारी की पूर्व संध्या पर होगा विशेष आयोजन

गाजे-बाजे के साथ निकलेगी बाल कांवड़ यात्रा

संवाददाता। रांची

नन्हे-मुन्नों को सनातन धर्म के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस बार भी श्रावण मास में भव्य बाल कांवड़ यात्रा निकालने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है. तीसरी और चौथी सोमवारी से एक दिन पूर्व चार और 11 अगस्त को गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से यात्रा निकाली जायेगी. इसमें श्रीशिव-पार्वती सहित अन्य-देवी देवताओं की जीवंत झांकियां भी मन मोहेगी. रास्ते भर दुर्गा जागरण मंडली के भजन गायक भक्ति रस धारा बहाते साथ चलेंगे. शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार की ओर से इसको लेकर बुधवार की शाम पोस्टर जारी किया गया. नंद किशोर सिंह चंदेल,

बाल कांवड़ पोस्टर जारी करते शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति के पदाधिकारी.

गुलशन मिढा, राजू काठपाल, दिलीप गुप्ता, जीतू अरोड़ा,नरेश मक्कड,अजय तिर्की,मोनू शर्मा, कैलाशी, अरविंद सिंह, बासु बेरा, मंजुला बेरा, पिया बर्मन और विवेक सिंह ने इसमें खास तौर से हिस्सा लिया. समिति के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि हरिओम मंदिर, रातू रोड से सुबह सात बजे यात्रा निकाली जायेगी. बालक कृष्णा नगर कॉलोनी का भ्रमण कर रातू रोड के रास्ते पहाड़ी मंदिर पहुंच कर जलार्पण करेंगे.

इधर श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति की ओर से 11 अगस्त को बाल कावड़ यात्रा निकाली जायेगी. इसमें निबंधन शुल्क अदा कर तीन से 13 आयु के बच्चे भाग लेंगे. नक्षत्रवन से जल लेकर सभी पहाड़ी बाबा का जलाभिषेक करेंगे. अध्यक्ष राजेश साहू, प्रवक्ता बादल सिंह, राजकुमार तलेजा, मुरारी लाल मंगल, दीपक लाल, प्रेम कुमार, बंटी शर्मा, उर्मिला चौधरी, राम सिंह, अर्चना मिर्धा, संजना शर्मा, स्वप्ना चटर्जी, गगन कुमार, मिहल प्रसाद, मीरा गुप्ता, अंशु तिवारी, स्वेता सिंह, अमन सिंह, चार्ली, सुनील यादव, हर्ष कुमार आदि इसकी तैयारी में जुटे हैं.

निबंधन शुल्क 401 में सारी व्यवस्था : कांवड़ यात्रा में भाग लेने वालों का निबंधन किया जा रहा है. नरेश पपनेजा ने बताया कि 401 रुपये में बच्चो को कांवड़, कलश,रस्सी, गेरुआ वस्त्र, पट्टा, पानी और जलपान आदि की सारी व्यवस्था समिति की ओर से की जायेगी. दीपक नंदा ने बताया कि बाल कांवड़ यात्रा का यह तीसरा साल है.

डिस्टिलरी पुल वेजीटेबल मार्केट में 130 विक्रेताओं को दुकान आवंटित

संवाददाता। रांची

रांची नगर निगम द्वारा लालपुर-कोकर रोड के वेंडर्स को व्यवस्थित करने व सड़क को जाम मुक्त करने के लिए डिस्टलरी वेजीटेबल मार्केट का निर्माण कराया गया है. बुधवार को लॉटरी के माध्य से कुल 130 विक्रेताओं को मार्केट में जगह/दुकान का आबंटन किया गया. पहले चरण में मार्केट में मांस-मछली के फुटपाथ विक्रेताओं को व्यवस्थित किया जा चुका है. वहीं दूसरे चरण में मार्केट के पहले तल्ले पर सब्जी विक्रेताओं को

डिस्टिलरी पुल वेजीटेबल मार्केट में दुकानों का आवंटन करते अधिकारी.

शिफ्ट किया जा रहा है. बता दें कि 19 जुलाई को डिस्टिलरी पुल वेजीटेबल मार्केट परिसर के लिए सभी सब्जी विक्रेताओं से सहमति पत्र लिया गया था, जिसमें कुल 368 सहमति पत्र निगम द्वारा और मार्केट के वेंडर प्रतिनिधि की कमेटी द्वारा 356 सहमति पत्र को शॉर्ट लिस्ट किया गया था. नगर प्रशासक अमीत कुमार ने कहा कि सभी सड़कों को स्वच्छ, सुंदर व जाम मुक्त बनाने के लिए सभी की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी और स्थल निर्धारित होने के बाद कोई विक्रेता सड़क पर दुकान नहीं लगाएंगे. साथ ही मार्केट में सभी सब्जी विक्रेताओं को साफ-सफाई को भी प्राथमिकता देनी होगी. मौके पर प्रशासक के अलावा अपर प्रशासक सौरभ प्रसाद, सहायक प्रशासक निकेश कुमार, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी आनंद शेखर झा, एनयूएलएम शाखा की टीम, एनएचएफ के प्रतिनिधि, चैंबर प्रतिनिधि और सब्जी विक्रेता उपस्थित थे.

हाफिज अबुल कलाम बनाये गये रांची शहर के काजी

संवाददाता। रांची

हाफिज मो अबुल कलाम को बुधवार को शहर काजी बनाया गया. यह निर्णय झारखंड सरकार के राजस्व निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने काजी अधिनियम के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल के आदेश पर हुआ है. राजस्व निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने अधिसूचना जारी की है, जिसमें लिखा है कि काजी अधिनियम 1880 संख्या-12 की कंडिका-2 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड के राज्यपाल के आदेश से हाफिज मो अबुल कलाम पिता स्वर्गीय अली हसन सेकेंड स्ट्रीट हिंदपीढ़ी को रांची जिलान्तर्गत भारतीय मुस्लिम समुदाय के बीच विवाह अनुष्ठानित करने तथा प्रमाण-पत्र देने के लिये शहर काजी की अनुज्ञप्ति देते हैं एवं उन्हें विवाह निबंधक घोषित किया गया. मालूम हो कि हाफिज अबुल कलाम 1988 से छोटी मस्जिद हिंदपीढ़ी के इमाम और तरावीह के नमाज पढ़ाते आ रहे हैं.

समापन: अग्रवाल सभा महिला समिति का सावन महोत्सव संपन्न, बेस्ट स्टॉल किये गये पुरस्कृत

महिलाएं व्यवसाय के क्षेत्र में भी कर रही हैं उत्कृष्ट कार्य : भागचंद पोद्दार

संवाददाता। रांची

अग्रवाल सभा महिला समिति का 25 वां तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेला बुधवार को संपन्न हो गया. शाम चार बजे समापन समारोह में बेस्ट स्टॉल को पुरस्कृत किया गया. मुख्य अतिथि सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी भागचंद पोद्दार ने महिला समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं व्यवसाय के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर रही है. ऐसे आयोजनों से महिलाओं को आर्थिक रूप से अधिक स्वावलंबी, सशक्त, जागरूक, आत्मनिर्भर तथा उनकी प्रतिभा क्षमता सेवा एवं जुनून नई ऊंचाइयों पर ले जाने को तत्पर है. ऐसे मेले लघु कुटीर उद्योग एवं छोटे स्तर पर अपने घरों से काम करने वाली महिलाओं को एक ही छत के

पुरस्कार प्रदान करते अग्रवाल सभा के पूवर्व अध्यक्ष भागचंद पोद्दार, वर्तमान अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया एवं अन्य.

नीचे बेहतरीन प्लेटफार्म उपलब्ध होता है. ऐसे प्रयास निरंतर होते रहना चाहिए.

मौके पर शहीद एमडी अकरम की पत्नी शमा परवीन भी मौजूद थीं. अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने स्मृति चिन्ह देकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया. समारोह के दौरान बेस्ट सेल्स के लिए प्रगति बागला को प्रथम, बेस्ट एक्सक्लूसिव आइटम के लिए आयशा जाजोदिया को द्वितीय और बेस्ट डिस्प्ले के लिए तीसरा पुरस्कार रीना सराफ को दिया गया, बेस्ट हैंडीक्राफ्ट आइटम का पुरस्कार नेहा पोद्दार को देकर सम्मानित किया गया.

तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले में 100 से भी ज्यादा स्टाल लगाए गए जिसमें रांची सहित जयपुर, कोलकाता, बनारस, भागलपुर, पटना सहित अन्य स्थानों से आई महिलाओं ने जयपुरिया आभूषण ज्वेलरी, कोलकाता से ढेरों डिजाइनर साड़ियां, सलवार सूट, छोटे बच्चों के स्पेशल कपड़े, नेपाली कंबल, चादरें, इमिटेशन ज्वेलरी तरह-तरह की नवीनतम डिजाइनों में रंग-बिरंगे वंदनवार, राखियां, सजावट के सामान, श्रृंगार की सामग्री, हस्तशिल्प उत्पादों, चांदी की राखियां, पूजा की सामग्री, शादी के लहंगे, इंडो वेस्टर्न ड्रेसेस सहित अन्य सामानों के स्टॉल लगाए गए। सभी स्टॉलों में भारी भीड़ रही एवं सैकड़ों महिलाओं ने खूब खरीदारी की। रजत जयंती वर्ष के अवसर पर अग्रवाल सभा की ओर से सभी स्टॉलों को उपहार दिया गया.

निभायी भागीदारी : सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया, वरीय उपाध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मंत्री मनोज कुमार चौधरी, नरेश बंका, प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल, संयोजिका रूपा अग्रवाल, अलका सरावगी, रीना सुरेखा, अंशु नेवटिया, गीता डालमिया, मंजू केडिया ,बिना बूबना, मधु सराफ, सरिता अग्रवाल, प्रीती पोद्दार, मंजू गाड़ोदिया, बीना मोदी, सीमा पोद्दार, शोभा हेतमसरिया, छाया अग्रवाल, प्रीती बंका, उर्मिला पड़िया, लक्ष्मी पाटोदिया, सीमा टांटिया, सुनैना लोयलका, प्रीती फोगला, शशि डागा, सुषमा पोद्दार, बबीता नारसरिया, अलका अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, स्वर्णालता जैन, करुणा अग्रवाल, मीरा टिंबडेवाल, प्रीति केडिया, जया बिजावत, सुधा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल ने इसमें मुख्य रूप से भागीदारी निभायी.

न्यूज अपडेट

इनर व्हील क्लब ने गरीब बच्चों को दी पाठ्य सामग्री

रांची। इनर ह्वील क्लब ऑफ रांची साउथ के तत्वावधान में बुधवार को साकेत विहार में चल रहे गरीब के स्कूल में पाठ्यसामग्री का वितरण किया गया. संस्था को इस बात की जानकारी मिली कि साकेत विहार में खटाी के पास सुमन मिश्र द्वारा गरीब बच्चों का स्कूल चलाया जाता है. तब सदस्याएं वहां पहुंचीं और पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसके साथ ही तीस जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई-लिखाई की सामग्री के रूप में नोटबुक, कलम, पेंसिल, स्कूल बैग इत्यादि का वितरण किया गया. इनर ह्वील क्लब द्वारा पाठ्य सामग्री प्राप्त कर बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं था.

नगर विकास मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

रांची। परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक समिति का प्रतिनिधिमंडल मो इम्तियाज के नेतृत्व में नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन से मिल कर मांग पत्र सौंपा. साथ ही 10 सितंबर को परमवीर अब्दुल हमीद के शहादत दिवस होने की जानकारी दी. ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने परमवीर अब्दुल हमीद के कांटा टोली स्थित स्मारक स्थल के सुंदरीकरण एवं नवनिर्मित फ्लाई ओवर का नाम परमवीर अब्दुल हमीद के नाम पर रखने का आग्रह किया है. मंत्री से आश्वस्त किया की हमारी कोशिश होगी कि यह प्रस्ताव कैबिनेट में पास हो जाये. प्रतिनिधिमंडल में प्रधान महासचिव अधिवक्ता अख्तर हुसैन, सचिव मो. शहाबुद्दीन, इनामुल हक, इरफान इकबाल, औरंगजेब खान, नौशाद खान, सोहेल खान, शहजाद मलिक एवं परवेज कुरैशी शामिल थे.

एदारा ए शरिया के सरपरस्त की पत्नी का चहल्लुम

रांची। एदारा ए शरिया झारखंड के सरपरस्त मो सईद की पत्नी मरहुम सैरुन निशा के ईसाले सवाब के लिए मेन रोड स्थित उनके आवास पर बुधवार को चहल्लुम का आयोजन किया गया, जिसमें उलेमाओं, मदरसे के बच्चों के साथ-साथ प्रबुद्ध लोगों ने कुरान की तिलावत की. मौके पर एदारा ए शरिया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, मदरसा इस्लामी मरकज के मोहतमिम कारी अय्यूब समेत झारखंड के विभिन्न जिले से आए उलेमाओं ने अपना तकरीर बयान किया. मौलाना शेर मोहम्मद कादरी, हाफिज मोजीबुर्रहमान आदि उलेमाओं ने नात शरीफ पढ़ा. मौके पर अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल खान, गढ़वा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी यासीन अंसारी, गिरिडीह के मौलाना मो मोबीन रिजवी, महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो इसलाम, उपाध्यक्ष आफताब आलम, मुफ्ती जमील अहमद मिसबाही, मौलाना मोजीबुर्रहमान, मौलाना नेजामुद्दीन, मौलाना मो हुसैन, मौलाना समशाद आलम, हाफिज अनवार हुसैन, मौलाना मो शमीम आदि शामिल थे.

सेंट जेवियर्स कॉलेज में पौधारोपण पर जागरूकता सत्र

रांची। आईक्यूएसी के तहत सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची में कंपनी एनसीसी ने, रांची नगर निगम व रिलेशंस के सहयोग से बुधवार को पौधारोपण और पौधा वितरण पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया. इसमें एनसीसी कैडेट समेत 120 लोग शामिल हुए. सत्र में एनसीसी, रांची नगर निगम और रिलेशंस के बीच सहयोग को प्रदर्शित करते हुए पौधारोपण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. साथ ही लोगों के बीच पौधे भी बांटे गये. मौके पर एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ प्रिया श्रीवास्तव, डॉ आशुतोष पांडे, डॉ कमलदीप, प्रो आलोक समेत शिक्षकगण शामिल थे. रांची नगर निगम एवं संबंध का प्रतिनिधित्व आशुतोष द्विवेदी ने किया. प्रतीकात्मक संकेत के रूप में, कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ लगाया गया, जो एक हरे कल की शुरुआत का प्रतीक है. कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को स्थायी प्रथाओं को अपनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया.

ब्रीफ खबरें

रांची के बाल सुधार गृह से तीन नाबालिग कैदी फरार

रांची। सदर थाना क्षेत्र के डुमरदगा स्थित बाल सुधार गृह से बुधवार को तीन नाबालिग फरार हो गये. यह घटना बुधवार को हुई है. तीनों नाबालिग को चोरी के आरोप में पकड़ कर लाया गआ था और एकसाथ ही वार्ड में रखा गया था, जहां से तीनों सुधार गृह की दीवार फांदकर भागे हैं. तीनों नाबालिगों के भागने की सूचना पाने के बाद सदर थाना पुलिस भी उनकी तलाश में जुटी हुई है. जिसे के सीमावर्ती इलाको पर चेकिंग अभियान जोरशोर से चलाया जा रहा है. बाल सुधार गृह के सुरक्षाकर्मियों का कहना है कि तीनों बाल कैदी उन्हें चकमा देकर सुधार गृह की दीवार फांद कर फरार हुए हैं. तीनों बाल कैदियों को हाल में ही चोरी के आरोप में पकड़ा किया गया था. लेकिन तीनों एक साथ फरार होने में कामयाब हो गए. तीनों की तलाश की जा रही है, जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा.

बिजली चोरी करते दो लोग पकड़ाये

रातू। बिजली विभाग द्वारा गठित टीम ने बुधवार को क्षेत्र के फुटकलटोली ग्राम में बिजली चोरी के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया. विभागीय टीम द्वारा की गई छापेमारी में दो लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा. आरोपियों में संजय मुंडा पर 26,214 व पम्मी पर 17,476 हजार का जुर्माना लगाया गया. छापेमारी दल में एसडीओ प्रशांत कुमार, जेई रंजीत कुमार, विवेक द्विवेद्वी, प्रवीण कुमार रजक, शिव शंकर प्रसाद, मिथुन कुमार सिंह व अन्य कर्मचारी मौजूद थे.

एक दिवसीय डाक चौपाल का आयोजन

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत लुपुंग पंचायत भवन में एक दिवसीय डाक चौपाल का आयोजन बुधवार को किया गया। इसका उद्घाटन पंचायत के मुखिया शर्मिला देवी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर पूर्वी अनुमंडल रांची के डाक निरीक्षक सिकंदर प्रधान उपस्थित थे। ग्राहकों को संबोधित करते हुए सिकंदर प्रधान ने कहा कि सरकार के द्वारा पोस्ट ऑफिस विभाग में बहुत सारी योजनाएं लाई गई है जिससे ग्राहकों को सीधे तौर पर योजनाओं का लाभ मिलेगा अब उन्हें बैंक के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इस मौके पर डाक विभाग के ओवरसियर अरुण कुमार साहू, मुकेश कुमार, कलेवर महतो आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

103 लाभुकों के बीच बत्तख चूजा का वितरण

ओरमांझी। ओरमांझी प्रखंड के पशु चिकित्सालय परिसर में 103 लाभुकों के बीच 15-15 की संख्या में बत्तख चूजों का वितरण प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ विश्वनाथ टोप्पो, डॉ कमलेश कुमार,मुखिया शिवनाथ मुंडा,इमामुल हक ने किया .मौके पर किसानों को संबोधित करते हुए डॉ विश्वनाथ टोप्पो ने कहा कि बत्तख पालन आय का एक अच्छा स्रोत है. बत्तख पालन से किसान समृद्ध बने. बत्तख पालन में ज्यादा खर्च नहीं आता है और ना ही इसके लिए अधिक बड़े फॉर्म की जरूरत होती है. वही मुखिया शिवनाथ मुंडा ने किसानों को कहा कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवार को पशुधन का लाभ देकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है. मौके पर मुख्य रूप से बर्मनशील पशु चिकित्सक डॉ कमलेश कुमार,झारखंड विकास के प्रोपराइटर कुसुम रंजन, इमाम उल हक, शमीम अंसारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

पीसीसी निर्माण करने की स्वीकृति देने की मांग

रातू। रातू प्रखंड प्रमुख संगीता देवी ने उपायुक्त को अनुशंसा पत्र भेज कर डीएमएफटी मद से पीसीसी निर्माण करने की स्वीकृति देने की मांग की. अपने पत्र में उन्होंने कमड़े दाल मिल गली से अनिल शर्मा के घर तक, सिमलिया ग्राम में रिंग रोड से मंदिर अखाड़ा होते हुए तालाब तक नाली सहित पीसीसी सड़क निर्माण, चटकपुर कृष्णा नगर में प्रकाश साहू के घर से रवि चौधरी के घर तक पीसीसी, शांति नगर चटकपुर में चंदन साहू के घर से मुन्ना साव के घर तक पीसीसी, एवं कमड़े तालाब का सुंदरीकरण कराने की मांग की है. वहीं योजना को समय से स्वीकृत कर देने से लोगों को इसका पूरा लाभ मिल पायेगा. उन्होंने उपायुक्त से तत्काल इस मामले में निर्णय लेने का अनुरोध किया है.

रामगढ़ पुलिस ने 491 किलो गांजा जब्त किया

- रांची से ट्रक से 22 बोरा में गांजा भर कर ले जाया जा रहा था
- चालक गिरफ्तार, रांची से लायी जा रही थी गांजा की खेप

संवाददाता। रामगढ़

कार्रवाई के बारे में जानकारी देते रामगढ़ एसपी अजय कुमार और जब्त गांजा.

पुलिस ने गुप्त सूचना पर नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. कुज्जू ओपी अंतर्गत मुरपा के पास रामगढ़-हजारीबाग राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया. इस क्रम में ट्रक से 22 बोरा गांजा बरामद किया है. इस संबंध में बुधवार को एसपी अजय कुमार ने जानकारी दी. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तस्करों द्वारा रांची की ओर से एक लाल रंग के छोटे ट्रक में गांजा लोड कर हजारीबाग की ओर लाया जाने वाला है.

इस संदर्भ में रामगढ़ डीएसपी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया. गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया. इस क्रम में मुरपा के पास पुलिस बल को देख ट्रक चालक भागने का प्रयास करने लगा. हालांकि, छापामारी दल ने ट्रक को खदेड़ कर पकड़ लिया. चालक से पूछताछ में उसने अपना नाम तुलसी यादव बताया. ट्रक (यूपी 78बीटी 9360) की जांच में डाला के अंदर से प्लास्टिक कैरेट के बीच काला रंग के प्लास्टिक से ढका 22 प्लास्टिक बोरा बरामद हुआ. प्लास्टिक बोरा के अंदर में से छोटे-छोटे पैकेट में अवैध गांजा रखा मिला. जब्त गांजा का कुल वजन 491.65 किलो पाया गया. पुलिस ने ट्रक व अन्य सामग्रियों को भी जब्त कर लिया. अवैध रूप से गांजा का परिवहन करने के आरोप में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया. वहीं, कांड में शामिल अन्य अभियुक्तों के खिलाफ मांडू (कुज्जू) थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया.

सड़क निर्माण साइट पर गोलीबारी मामला

गढ़वा से अमन साहू गिरोह के तीन अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। गढ़वा

- मलेशिया से मयंक सिंह ने तीनों से संपर्क कर हमला करने को कहा था

मेराल थाना क्षेत्र में पुलिस ने सड़क निर्माण कंपनी के साइट पर गोलीबारी मामले में पुलिस ने अमन साहू गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से एक बाइक भी जब्त किया गया है. बता दें कि विगत 11 जुलाई को मेराल थाना के समीप सड़क निर्माण कंपनी के साइट पर गोलीबारी की घटना हुई थी. इस मामले में तीनों अपराधियों की गिरफ्तारी सदर थाना क्षेत्र के डुमरो एनएच-75 के पास से हुई है.

गिरफ्तार आरोपियों में से दो गुमला और एक सिमडेगा जिले का रहने वाला है. एसपी दीपक पांडेय ने बताया कि सिमडेगा के आशीष साहू उर्फ पकौड़ी और आकाश राय उर्फ मोनू व विक्रांत सिंह को मलेशिया के कुआलालंपुर से मयंक सिंह उर्फ सुनीला मीना का फोन आया था. तीनों अपराधी 13 साल से सिमडेगा जेल में बंद थे और 29 जून 2019 को बाहर आए थे. मयंक ने मलेशिया से तीनों से संपर्क किया और साइट पर हमला करने को कहा. इसके लिए हथियार और 65 हजार रुपये मुहैया कराये गये थे. एसपी ने बताया कि साक्ष्य के आधार पर पुष्टि हुई कि यह काम अमन साहू गिरोह ने किया है. साथ ही बताया कि जिस दिन गढ़वा में हमला हुआ, उसी दिन मयंक सिंह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में हमला करने के लिए अन्य अपराधियों को हथियार मुहैया कराए थे.

जया हेम्ब्रम समेत तीन नक्सलियों के गिरफ्तारी का विरोध

माओवादियों का आज झारखंड-बिहार बंद

संवाददाता। रांची

सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मी

नक्सली नेता कामरेड जया हेम्ब्रम समेत तीन नक्सलियों के गिरफ्तारी के विरोध में नक्सली संगठन भाकपा माओवादी संगठन ने 25 जुलाई को बिहार झारखंड बंद बुलाया है. जबकि नक्सली हर साल 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाते हैं. बंदी के ऐलान को देखते हुए झारखंड पुलिस भी सतर्क हो गई है. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा जिले के एसपी अलर्ट रहने का आदेश दिया गया है.

मानसिक व शारीरिक यातना देने की कही गयी बात : प्रवक्ता आजाद ने कहा है कि गिरफ्तारी के बाद जया दीदी को पुलिस अपने हिरासत में रखकर मानसिक और शारीरिक यातनाएं दे रही है. जया दीदी के साथ गिरफ्तार शांति कुमारी और डॉक्टर पांडे को पुलिस ने हत्या की नियत से गायब कर दिया है. क्रांतिकारी महिला आंदोलन की नेत्री जया दीदी पिछले कई दिनों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है. इसकी वजह से वह धनबाद में अपना इलाज करवा रही थी. लेकिन कुछ गद्दारों की वजह से पुलिस को उनके बारे में सूचना मिल गयी. इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. प्रेस विज्ञप्ति में यह भी लिखा गया है कि भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के क्रांतिकारी महिला आंदोलन की नेत्री जया दीदी और उनके साथ पकड़े गये तीन लोगों को गायब कर दिया गया है. उन्हें लगातार मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी जा रही है. इसका पार्टी कड़ी भर्त्सना करती है. उनकी गिरफ्तारी के विरोध में 25 जुलाई को एक दिवसीय बिहार-झारखंड बंद का ऐलान किया जाता है. नक्सलियों ने अपने साथियों से अपील की है कि वह जया हेंब्रम की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए बंद को सफल बनायें.

पश्चिमी सिंहभूम भाकपा माओवादी नक्सलियों ने कराइकेला थाना क्षेत्र में बैनर ,पोस्टर लगाकर 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद और 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाने का ऐलान किया हैं। इस घटना के बाद से क्षेत्र में काफी दहशत है.

डकरा में तीन दुकानों से 25 हजार नगद व कीमती सामानों की चोरी

संवाददाता। डकरा

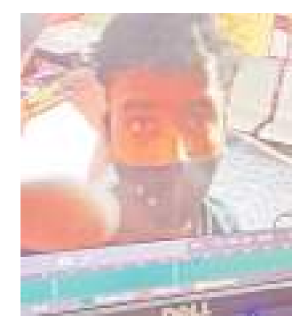

डकरा मार्केट में मंगलवार की रात तीन दुकानों में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देकर 25 हजार नकदी समेत के कीमती सामान गायब कर दिए. इस घटना से दुकानदारों और व्यवसायियों में हड़कंप मच गया. चोरों ने पंजाब नेशनल बैंक के कस्टमर सर्विस सेंटर में लंबा हाथ डाला. सर्विस सेंटर के मालिक विकास कुमार ने बताया कि चोरों ने सर्विस सेंटर के छत के ऊपर एल्वेस्टर सीट तोड़कर घुसे और कैश काउंटर का लॉक तोड़कर नगद 25 हजार और कुछ कीमती सामान चोरी कर ली. चोरी करते चोर की सारी गतिविधियां सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई है. चोर मुंह मे मास्क लगाकर घटना को अंजाम दिया दिया है. वहीं मेहता होटल और विनोद स्टोर में भी चोरों ने हाथ साफ किया. बाद में भुक्तभोगी दुकानदारों के द्वारा खलारी पुलिस को सूचना दी गई इसके बाद पुलिस पंहुचकर मामले की छानबीन की और कहा कि चोरों को जल्द पकड़ लिया जाएगा. साथ ही डकरा मार्केट में पुलिस गश्ती बढ़ायी जाएगी.

हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात

संवाददाता। राहे

प्रखंड क्षेत्र के लोवाहातू पंचायत अंतर्गत दुलमी गांव में हाथियों के झुंड ने मंगलवार की रात को जम कर उत्पात मचाया है. गांव के किसानों के खेत में लगे सब्जी फसल, मकई के फसल और धान के बिचड़े को रौंद दिया है. हाथियों ने गांव में प्रवेश कर नागेंद्र कोइरी का चाहरदिवारी को पूरा गिरा दिया है. किसान संबध कोइरी, फेंकू कोइरी, लांगडू कोईरी, जीवलाल मेहता, अनुपम मेहता, झरी कोईरी, जितेन मेहता, फंटूश मेहता, सुभाष मेहता के फसलों को रौंद दिया है. किसानों ने वन विभाग को फसल नुकसान की सूचना देकर मुआवजा की मांग की है. इधर हाथियों का उत्पात लगातार होने से किसान काफी मायूस है. इधर सोनाहातू प्रखंड के जिलिंगसेरेंग पंचायत के कोंकाडीह गांव में मंगलवार रात को हाथियों के झुंड ने अनिरुद्ध महतो, कुंती देवी और बुद्धेश्वर महतो के खेत में लगे लौकी के फसल को मन भर खाया और रौंद दिया है.

न्यूज अपडेट

ब्राम्बे उप डाकघर में डाक चौपाल का आयोजन

मांडर। जाहेर ,बरगड़ी पंचायत भवन में बुधवार को ब्राम्बे उप डाकघर के अंतर्गत डाक चौपाल का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि डाक निदेशक झारखंड पंकज कुमार मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ डाक अधीक्षक उदय भान सिंह एवं वरिष्ठ प्रबंधक आईपीपीबी विकास कुमार एवं डाक निरीक्षक उतरी अनुमंडल श्रीमती पूजा पांडे उपस्थित थी. डाक चौपाल में मुख्य अतिथि पंकज कुमार मिश्रा ने डाक विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं को विस्तार पूर्वक जानकारी आम ग्रामीणों को दी और डाक विभाग की योजनाओं से जोड़ने की अपील की. वरिष्ठ डाक अधीक्षक उदयभान सिंह ने डाक विभाग द्वारा चलाए जा रहे ऑनलाइन सुविधाओं की जानकारी दी. डाक चौपाल में डाक अधिदर्शक यशवंत सहदेव, अरुण तिवारी एवं पंचायत के ग्रामीण उपस्थित थे.

मनीष ने उठाया लंबी दूरी की ट्रेन का मुद्दा

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को क्षेत्र वासियों के ज्वलंत एवं महत्वपूर्ण मुद्दों को लोकसभा में उठाया. उन्होंने क्षेत्र वासियों की मांग को रखते हुए कहा कि हजारीबाग और रामगढ़ जिला मिलकर इस लोकसभा क्षेत्र का निर्माण करते हैं. यहां बहुत सारी माइंस संचालित हैं. टाटा स्टील, सीसीएल और एनटीपीसी की माइंस यहां ऑपरेट होती है. लेकिन हजारीबाग, बरही, बरकाकाना, पतरातू और रामगढ़ स्टेशन से लंबी दूरी की पैसेंजर ट्रेन का परिचालन बहुत कम है. सांसद ने कहा कि रेल मंत्री सदन में बैठे हुए हैं. मैं उनका ध्यान इस ओर आकृष्ट कराना चाहूंगा कि यह 30 लाख आबादी का क्षेत्र है. ऐसे में हजारीबाग और रामगढ़ के इन स्टेशनों से लंबी दूरी की पैसेंजर ट्रेन दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलोर, सूरत, कोलकाता, अहमदाबाद आदि स्थानों के लिए परिचालन यथाशीघ्र शुरू किया जाए.

राज्य स्तरीय टीम ने दो विद्यालयों का दौरा किया

सोनाहातू/राहे : राज्य स्तरीय कस्तूरबा गांधी विद्यालय झारखंड की टीम को पीएम श्री कस्तूरबा गांधी स्कूल सोनाहातू एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय राहे का परिभ्रमण किया. टीम में 40 शिक्षिकाओं ने दोनों विद्यालय के कैंपस , क्लासरूम , लैब , लाइब्रेरी , जिम, साइंस लैब, छात्रावास , क्लासरूम , बाल संसद, साफ सफाई , मेडिकल कक्ष , रसोई घर एवं पठन पाठन का अवलोकन किया . व्यवस्था की तारीफ की तथा इसे अपने विद्यालयों में लागू करने की बात कही. वही छात्राओं ने सभी अतिथियों का अभिवादन स्वागत गान और नृत्य से किया . टीम में मुख्य रूप से पीसीआई पुष्पा जयसवाल ,मनु कुमारी , अंजली गांगुली , सोशन कच्छप , उर्वशी गुप्ता , कविता कुमारी , रिचा गुप्ता , राखी कुमारी शामिल थी . मौके पर सरोजिनी टोप्पो , परमेश्वरी कुमारी , फुलमनी बाड़ा , बिमला कुमारी और सौरभ कुमार सिंह मौजूद थे .

डीएवी सिल्ली के विद्यार्थियों ने नेशनल स्पोर्ट्स में लिया भाग

सिल्ली/मुरी : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुधवार के दिन डीएवी हेहल रांची में नेशनल स्पोर्ट्स (क्लस्टर लेवल - 5) का आयोजन किया गया. जिसमें डीएवी सिल्ली विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया. इसमें यू-14 की टीम ने सिल्वर मेडल और यू-17 की टीम ने ब्रोंज मेडल जीता . कबड्डी की टीम यू-14 में गौरव , रिक , क्रिस , वर्ष , अनिमेष , तरुण , रौनक , और प्रेम शामिल थे. यू-17 में देवाशीष, शिवम, युवराज, हिमांशु, निकेश, राजदीप, मोहित और प्रियांशु शामिल थे .

चबूतरा निर्माण होने से ग्राम सभा करने में सुविधा होगी

शिलान्यास कार्यक्रम में मौजूद पूर्व उप प्रमुख धनंजय कुमार राय एवं अन्य.

संवाददाता। बेडो.

बेड़ो बारीडीह के निवासी और पूर्व प्रमुख सह सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय ने भसनंदा गांव के ग्रामीणों की चिरप्रतीक्षित मांग के बाद मुखिया द्वारा दो अलग-अलग सड़क एवं चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास करने पर उन्होंने कहा कि भसनंदा गांव में बजरंगबली मंदिर से दाशा मुंडा के घर तक एवं एतवा स्वांसी के घर के पास चबूतरा निर्माण कार्य की मांग गांव के ग्रामीण लंबे समय से कर रहे थे. उन्होंने मामले को संज्ञान में लिया और 15 वीं वित्त के मद से निर्माण का भरोसा दिलाया था. इस संदर्भ में 15 वीं वित्त के प्रखंड समन्वयक से वार्ता कर योजना को मंजूरी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. इस मामले में मुखिया लक्ष्मी कोया, पूर्व मुखिया सुनील कच्छप तथा महरू गांव के रशीद मीर के प्रयासों के बाद मंगलवार को शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया. पूर्व उप प्रमुख धनंजय कुमार राय के साथ मिलकर मुखिया और पूर्व मुखिया ने संयुक्त रूप से शिलान्यास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इससे ग्रामीणों में खुशी की लहर व्याप्त हो गई है. गांव के पाहन चम्पा उरांव ने बताया कि गांव में पीसीसी सड़क और चबूतरा निर्माण कार्य होने से कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा. इससे गांव वालों में खुशी की लहर व्याप्त है. इस मौके पर लीला मुंडा, अनिल पन्ना, घघारी उरांव, पंचु उरांव, गोवर्धन गोप, अजय गोप कर्मा मुंडा सहित कई लोग मौजूद थे.

अतिक्रमण हटाने पहुंचा प्रशासन, ग्राम सभा ने रोका

संवाददाता। तमाड़

प्रखंड के प्राचीन कालीन दिउड़ी मंदिर प्रांगण में सुंदरीकरण को लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासन की टीम को ग्राम सभा के लोगों ने रोक दिया. इस दौरान दोनों ओर से हल्की झड़प भी हुई. बाद में ग्राम सभा के लोगों के साथ बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी मोहन लाल मरांडी एवं अंचलाधिकारी तमाड़ अतुल रंजन के साथ देर शाम तक बैठकों का दौर चला. मगरनतीजा कुछ भी नहीं निकला. ज्ञात हो कि दिउड़ी मंदिर प्रांगण का सुंदरीकरण को लेकर झारखंड सरकार की ओर से आठ करोड़ रुपए की स्वीकृति हुई है. इससे विवाह मंडप, गेस्ट हाउस, सहित अन्य भवन बनने हैं. इसको लेकर स्थानीय विधायक विकास कुमार मुंडा

करीब 8 माह पहले शिलान्यास कर चुके हैं. एक माह से थोड़ा बहुत काम चल रहा है. दिउड़ी मंदिर प्रांगण में प्रसाद दुकान लगाए जा रहेहैं. उक्त दुकानों को प्रशासन ने हटाने का नोटिस दिया था. मगर दुकानदारों ने दुकान नहीं हटाया. इसी अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा हटाया जा रहा था. सब ठीक-ठाक चल रहा था. इसी बीच ग्राम सभा के लोगों का आरोप है कि बिना ग्राम सभा किये काम को किया जा रहा है, जबकि अंचल अधिकारी का कहना है कि यह जमीन सरकारी है. इधर ग्राम सभा के लोगों का कहना है कि जमीन ग्रामसभा की है और कार्य शुरू करने से पहले ग्राम सभा की अनुमति लेना चाहिए.

सीओ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

ठाकुरगांव। बुढ़मू अंचल कार्यालय में बुधवार को अंचलाधिकारी सच्चिदानंद वर्मा की अध्यक्षता में सभी राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्षों के साथ बैठक किया. बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड क्षेत्र में बनाए गए तीन नए मतदान केंद्रों की जानकारी संबंधित मतदाताओं को देने की बात कही गई. साथ ही 18 वर्ष से ऊपर छुटे हुए सभी व्यक्ति का मतदाता सूची में नाम जोड़ने संबंधित जानकारियां दी गई. बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी धीरज कुमार, प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, उपप्रमुख हरदेव साहू, जीप सदस्य रामजीत गंझु, जिप सदस्य मनोज बाजपेई, उत्पल शाहदेव, बलराम साहू समेत अन्य उपस्थित थे.

कंपनी ने कॉम्पैक्ट एसयूवी की नई डिजाइन की झलक दिखाई

संवाददाता। जमशेदपुर

कार बनाने के मामले में पूरी दुनिया में अपना जलवा बिखेर रही स्कोडा ऑटो अपने नये ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की नई डिज़ाइन की झलक को दिखाया.एसयूवी ने 2024 की शुरुआत में एक ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के बाद इस ऑल-न्यू कार की दूसरी झलक पेश की है. कंपनी के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र जेनेबा ने कहा, हमने 2024 की शुरुआत अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा की थी.

यह एसयूवी एक बड़े कार प्लेटफॉर्म पर आधारित है, इसलिए हमारी कॉम्पैक्ट एसयूवी में कॉम्पैक्ट पहचान के भीतर ''बड़ी कार'' का एहसास होगा और इस तरह यह नए कार खरीदारों के लिए एक बेहतरीन अनुभव होगा.

ये भारत के प्रति हमारी ब्रांड प्रतिबद्धता के अनुरूप है, क्योंकि यूरोप के बाहर स्कोडा ऑटो के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण बाज़ार है. जो कि हमारी स्थानीय फैक्ट्रियों में निर्मित होती हैं और हम स्थानीय रूप से बनाई जाने वाली कारों को 14 देशों में निर्यात कर रहे हैं.'' वहीं इसके नये रूप से लोगों को अवगत कराया गया.

कालाबाजारी | दर्जनों अवैध स्टॉकर मौजूद, जो बालू डंप कर माफियाओं को बेचते है

छापर नदी घाट से बालू का उठाव जारी, किया जा रहा स्टॉक

संवाददाता। बुढ़मू

डंप कर रखा गया नदियों से निकाला गया बालू.

छापर नदी घाट से बालू का उठाव जारी है. यहां अवैध बालू का नदी से उठाव कर डंप किया जा रहा है. छापर में दर्जनों अवैध स्टॉकर है. जो बालू का उठाव कर डंप कर माफियाओं को बेचते है और मुनाफा कमाते है. हलांकि उग्रवादियों ने परिवहन बंद करा रखा है. बावजूद नदी घाट से बालू का उठाव व डंप जारी है.

यहां बताते चले कि एनजीटी के रोक के बाद भी नदियों से बालू उठाव यह साफ दर्शाता है कि घाट आसपास स्टॉकर किस तरह हावी है. एनजीटी रोक का असर यहां पुरी तरह फेल है. बरसात के मौसम में इस प्रकार से उठाव होता रहा तो नदियों पर सीधा खतरा होगा और नदी विलुप्त हो जाएगा. जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होगा.

उग्रवादियों के फरमान का असर

उग्रवादियों के फरमान के बाद बालू परिवहन बंद है ऐसे मे जब सारे बालू गाडियां बंद है . तो फिर छापर के लोगों की गाडियां कैसे चल रही है? अवैध बालू उठाव कर डंप कैसे किया जा रहा है और किसके इशारे में चल रही है .

दो एकड़ में डंप है हजारों टन बालू

दर्जनों स्टॉकर यहां अवैध रूप से बालू डंप करते है और ज़ब परिवहन होता है तो बालू को माफियाओं को बेच लाखों रुपये का मुनाफा कमाते है .मुनाफा के लिए दिन रात नदी से बालू का उठाव करते है .

होगी कार्रवाई : अबु हुसैन

इस विषय पर जब सहायक खनन पदाधिकारी, अबु हुसैन से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि अवैध बालू डंप कि सूचना आपके माध्यम से आया है . मै अपने स्तर से देखता हूं, जिन्होंने डंप किया है उनपर कार्रवाई होंगी .

मौलाना हजरत इलयास कासमी का निधन,शोक

संवाददाता। ओरमांझी

चुट्टू के महान अलीम ए दिन हजरत मौलाना इलियास कासमी 60 वर्षीय का मंगलवार की दोपहर लगभग तीन बजे अपने घर में ही निधन हो गया. जनाज़े की नमाज़ बुधवार सुबह 10:30 बजे चुट्टू के कब्रिस्तान में अदा की गई. और चुट्टू कब्रिस्तान में सुपर्द ए खाक किया गया. जनाज़े की नमाज़ उनका पुत्र हाफिज अतिकूर रहमान ने पढ़ाई. मरहूम इलियास कासमी ने अपने पीछे पत्नी व 3 बेटे एवं 1 बेटी सहित भरा पूरा खानदान छोड़ गए हैं. जनाज़े की नमाज़ में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से सैंकड़ो की संख्या में लोगों ने शिरकत की. ज्ञात हो कि इलियास कासमी का पिछले दो सालों से मेदांता अस्पताल ईरबा में किडनी का ईलाज डायलिसिस द्वारा चल रहा था. उनके निधन पर चुट्टू अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी हयात अन्सारी, कारी शिबली कमर, झामुमो के प्रखण्ड अध्यक्ष जावेद अख्तर, कांग्रेस पार्टी के एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिव टहल नायक, कांग्रेस के महासचिव अनवारूल अंसारी, मेसरा हॉस्पिटल के निर्देशक जावेद अंसारी, जहांगीर अंसारी, अब्दुस सलाम, मोद्दासिर, मिन्हाज आलम सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया है.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किसी कार्य को लेकर अपयश लग सकता है. साथ ही नए कार्य पर खर्च अधिक होगा. और कार्य क्षेत्र में किये गए प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. अपनी योग्यता में वृद्धि करें, कार्य के प्रति उत्साह बना रहेगा. किये गये कार्य का लाभ मिलेगा.

वृषभ राहु गलत आय और कार्य की ओर प्रेरित करता है, इससे बचाव जरूरी है. आपको मेहनत का फल अवश्य मिलेगा, दिन सामान्य रहेगा. अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करेंगे. यात्रा के दौरान कोई नई वस्तु की प्राप्ति होगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी. सत्कर्म से कर्म का लाभ मिलेगा. पर शरीर में आलस्य की प्रधानता बनी रहेगी. शिक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं.

कर्क कोई धार्मिक यात्रा का प्रबल योग है. भाग्य और धर्म से आय बढ़ेगा. परिवार में आपका या किसी और का स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. किसी से बिना वजह के तकरार से बचना चाहिए. जल का दान करें.

सिंह दिन चिड़चिड़ापन लिए हुए रहेगा. परिवार में किसी से विवाद हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. गलत संगति की ओर मन आकर्षित हो सकता है. किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकती है. मीठी वस्तु का दान करें.

कन्या जीवनसाथी का सुख मिलेगा. पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा.वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें. आज मिथ्या आरोप लग सकते हैं. धन से संबंधित दिक्कतें आ सकती हैं. मंदिर में जल और अन्न का दान करें.

तुला मौसमी बीमारियों से बचें. कोई पुराना रोग परेशान कर सकता है. खान-पान पर ध्यान दें. शत्रु से बचें. अपनी इच्छा अनुसार कार्य करेंगे. घर में किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा. गुस्से पर काबू नहीं रहेगा. अकारण क्रोध से बचें.

वृश्चिक शिक्षा में कोई नया जिमेवारी मिल सकता है. माता के सहायता से लाभदायक फलों की प्राप्ति होगी. पढ़ाई लिखाई में पूरी तरह से मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है. पक्षी को जल और अन्न दें.

धनु किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकती है. जवान पर नियंत्रण आवश्यक है. मेहनत और समझदारी से जीवन को सुखमय बनेगा. बड़ों का आदर करने में आगे रहेंगे. परिवार का सुख मिलेगा. गृहस्थ सुख में मधुरता बनी रहेगी.

मकर बहस से बचना चाहिए. पराक्रम में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. पारिवारिक सुख मिलेगा. मन में नया उत्साह और जोश देखने को मिलेगा. कामकाज ठीक-ठाक रहेगा. मिठाई का दान बच्चों को करें.

कुंभ नए मेहमान का आगमन हो सकता है. वाणी का प्रभाव दूसरों पर अच्छा बना रहेगा. मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. धन का संचय होगा. कोई बड़ा कार्य करने का मन होगा. शनि को दीपक दान करें.

मीन मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन खर्च होगा. यात्रा करते समय सावधानी बरतें. शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें.

पूर्व सदस्य हाजी शौकत का निधन

रांची। झारखंड राज्य हज कमेटी के पूर्व सदस्य व कडरू जामा मस्जिद के पूर्व अध्यक्ष 85 वर्षीय हाजी शौकत अली का बुधवार की सुबह करीब 5 बजे राज अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया. जनाजे की नमाज जोहर की नमाज के बाद मदरसा हुसैनिया कडरू में अदा की गई और कडरू कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया. जनाजे की नमाज मुफ्ती सलमान कासमी ने पढ़ाई, मरहूम शौकत अली अपने पीछे 4 बेटे एवं 3 बेटी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए. जनाजे की नमाज में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए. मालूम हो कि हाजी शौकत का पिछले कुछ दिनों से राज अस्पताल रांची में इलाज चल रहा था. उनके निधन पर कडरू अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मुकित, अंसारी पंचायत के अध्यक्ष हसन अंसारी, अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मोख्तार अहमद, अंजुमन इस्लामिया रांची के सदस्य मो लतीफ आलम, अरशद जिया, अंजुमन इस्लामिया रांची के सदस्य साजिद उमर आदि ने शोक व्यक्त किया है.

हैश टैग नाम जांचो अभियान 25 जुलाई को

खूंटी। मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को हैश टैग नाम जांचो अभियान चलाया जायेगा. अभियान के तहत मतदाता अपने मतदान केंद्र में जाकर मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करेंगे. इसके बाद दोपहर 12 बजे से एक बजे के बीच अपने सोशल मीडिया हैंडल से हैश टैग नाम जांचो के साथ तस्वीर साझा करेंगे. यह जानकारी उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी. डीडीसी ने बताया कि अभियान के तहत अब तक खूंटी विधानसभा क्षेत्र से 1877 नाम जोड़ने, 6418 नाम विलोपित करने और 8035 संषोधित करने के आवेदन प्राप्त हुए हैं. तोरपा विधानसभा क्षेत्र से 2180 नाम जोड़ने, 5372 नाम विलोपित करने तथा 8210 नाम संषोधित करने के आवेदन प्राप्त हुए है.

लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करने का है अधिकार : भाजपा कार्यकर्ता हेमंत सरकार के फर्जी मुकदमे से डरने वाले नहीं

झामुमो-कांग्रेस की सरकार हताशा में दर्ज करा रही फर्जी मुकदमे: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता।रांची

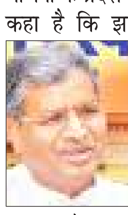

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झामुमो-कांग्रेस की सरकार हताशा में विधानसभा चुनाव के पूर्व भाजपा के सांसदों, विधायकों नेताओं, कार्यकर्ताओं के ऊपर फर्जी मुकदमे दर्ज करा के उन्हें परेशान कर रही है. जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है. लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना या विरोध में आवाज उठाना जनता का अधिकार होता है, लेकिन झामुमो-कांग्रेस जैसी परिवारवादी पार्टियां लोकतंत्र के यथार्थ को नहीं समझती.

शक्तियों के दुरुपयोग की भी एक सीमा होती : बाबूलाल ने ट्वीट में आगे लिखा है कि हेमंत जी, आप जैसे लोगों के वज़ह से ही एससी-एसटी एक्ट की विश्वसनीयता कम हो रही है और आपके ऐसे कृत्यों से दलित-आदिवासी समाज को नुकसान ही हो रहा. कानून द्वारा दी गई शक्तियों के दुरुपयोग की भी एक सीमा होती है ! भ्रष्ट सरकार के इशारे पर फर्जी मुकदमे दर्ज करने वाले अधिकारियों से आग्रह है कि वो लोकतंत्र विरोधी टूलकीट का हिस्सा बनकर एसएटी एक्ट का दुरूपयोग करने से बाज़ आयें. भाजपा कार्यकर्ता हेमंत सरकार के ऐसे फ़र्जी मुकदमे और गीदड़भभकी से डरने वाले नहीं हैं. लोकतंत्र विरोधी ताकतों व दमनकारियों को झारखंड की जनता आगामी चुनाव में उचित जवाब देगी.

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का हाल बद से बदतर : बाबूलाल ने दूसरे ट्वीट में लिखा है कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का हाल बद से बदतर होता जा रहा है. मरीजों की परेशानियों और तकलीफों को सुनने वाला कोई नहीं है, न डॉक्टर, न स्वास्थ्य मंत्री और न ही सीएम. रिम्स सहित प्रदेश के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में कुव्यवस्था के कारण मरीजों को प्राइवेट अस्पताल जाना पड़ रहा है, इसका नतीजा है कि रांची सहित राज्यभर में बिना रजिस्ट्रेशन के ही निजी अस्पतालों की संख्या बढ़ती जा रही है. पूर्व में भी कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए रिम्स की अव्यवस्था पर सवाल उठाते हुए ठोस उपाय करने का निर्देश दिया था, परंतु इसके बाद भी हिम्मतवाली सरकार के कानों में जूं तक भी नहीं रेंगी.

सहायक नगर निवेशक पद पर चयनित 28 में से 17 अभ्यर्थी बाहरी

- बाबूलाल ने कहा, हाथी के दांत दिखाने के कुछ और, खाने के कुछ और

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि मंगलवार को नगर विकास विभाग में सहायक नगर निवेशक पद पर चयनित 28 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सीएम ने सौंपा है. इनमें 28 चयनित अभ्यर्थियों में 17 बाहरी हैं. आगे लिखा है कि इस सूची को देखकर तो ऐसा ही लगता है कि हेमंत सोरेन जी के कथनी और करनी मे कोई तालमेल नहीं है. हेमंत द्वारा स्थानीयता का नारा सिर्फ झारखंड के बेरोजगार युवाओं को भ्रमित कर वोट लूटने के इरादे से दिया गया है.

बाबूलाल ने सीएम हेमंत से किए सवाल

- किस नियोजन नीति के तहत 60% से अधिक पदों पर बाहरी लोगों की नियुक्ति की गई है?
- इस परीक्षा में झारखंड के छात्रों को कितना आरक्षण दिया गया?
- क्या दिल्ली-मुंबई के ठेकेदारों की तरह अब झारखंडी युवाओं के नौकरियों पर भी बाहरी लोगों का ही कब्ज़ा होगा?
- झारखंड के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी है क्या, जो अधिकाधिक संख्या बाहरी लोगों को नियुक्त किया गया?

प्रभारी गुलाम अहमद मीर की अगुवाई में पार्टी विधायकों की हुई बैठक

सूबे में सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे : मीर

संवाददाता।रांची

कांग्रेस की झारखंड इकाई ने आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करने और जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए बुधवार को कई बैठकें कीं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और पार्टी के प्रदेश मामलों के प्रभारी गुलाम अहमद मीर की अगुवाई में यहां सर्किट हाउस में पार्टी विधायकों के साथ बैठकों का सिलसिला चालू हुआ. पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव के अलावा झारखंड विधानसभा के आगामी मॉनसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति पर भी चर्चा की गई. झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 26 जुलाई से दो अगस्त तक चलेगा. यह पांचवीं झारखंड विधानसभा का आखिरी सत्र होगा. मीर ने कहा कि (बैठकों में) विधानसभा चुनाव और आगामी मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई. उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पार्टी एक या दो दिन में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता के नाम की घोषणा करेगी. कांग्रेस विधायक दल के नेता का पद 10 जून को पूर्व मंत्री आलमगीर आलम द्वारा राज्य मंत्रिमंडल से व इस पद से भी इस्तीफा देने के बाद रिक्त हो गया था. आलम धन शोधन के एक मामले में जेल में हैं. आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर मीर ने कहा कि पार्टी झारखंड में अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी. सीट के बंटवारे पर समझौता सुचारू रूप से हो जाएगा, जैसा कि लोकसभा में हुआ था. हमें सीट की संख्या की चिंता नहीं है, बल्कि हम ऐसे उम्मीदवार चाहते हैं जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत आधार हो.

बैठक में भाग लेते कांग्रेस के विधायक.

खास बातें

- मॉनसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति पर भी चर्चा की गई
- बहुत जल्द कांग्रेस विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा की जाएगी

बुद्धिजीवियों के साथ बैठक की

मीर और ठाकुर ने अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के बुद्धिजीवियों के साथ एक बैठक की भी अध्यक्षता की. बाद में पार्टी जिला अध्यक्षों और प्रभारियों के साथ बैठक हुई, जहां उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 'बूथ' स्तर और पंचायत स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए कहा गया. इससे पहले, दोनों नेताओं ने झारखंड युवा कांग्रेस का 'हर घर खटखट' (दस्तक) अभियान आरंभ किया. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार कांग्रेस विधायक दल की बैठक सर्किट हाउस में संपन्न हुई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी माननीय गुलाम अहमद मीर उपस्थित थे. बैठक में उपस्थित विधायकों ने बारी-बारी से अपनी बातों को रखा व सरकार के कार्यों एवं लोकसभा चुनाव के संदर्भ में विस्तृत रूप से चर्चा की और समवेत स्वर में आगामी विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपने क्षेत्र में ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्र में भी इंडिया के उम्मीदवारों को मजबूती प्रदान करने पर बल दिया. बैठक में मुख्य रूप से डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, दीपिका पांडे सिंह,डॉ इरफान अंसारी, प्रदीप यादव ,शिल्पी नेहा तिर्की, नमन विक्सल कोंगाड़ी, भूषण बाड़ा, राजेश कच्छप, सोनाराम सिंकू,अनूप सिंह, रामचंद्र सिंह, जयप्रकाश भाई पटेल, उमाशंकर यादव अकेला उपस्थित थे.

मॉनसून सत्र को लेकर स्पीकर ने की बैठक, दिए कई निर्देश

प्रमुख संवाददाता।रांची

मॉनसून सत्र को लेकर स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने बुधवार को सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की. साथ ही मुख्य सचिव सहित अन्य विभागों के वरीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि इस सत्र में कुल 6 कार्यदिवस निर्धारित है. निर्धारित समय से तीन दिन पूर्व, जिन विधेयकों को सभा पटल पर रखा जाना है, अथवा किसी प्रकार का विधेयक में संशोधन होना है, उसकी प्रतियां विधानसभा सचिवालय को उपलब्ध कराने का निर्देश भी पदाधिकारियों को दिया. बैठक में पूर्व से लंबित प्रश्न, ध्यानाकर्षण, निवेदन, शून्यकाल और सरकारी आश्वासन के उत्तर उपलब्ध कराने पर विचार विमर्श किया गया. स्पीकर ने कहा कि शून्यकाल के कुल 1346 उत्तर अप्राप्त हैं. पदाधिकारी इसे गंभीरता से लें. अपने-अपने स्तर से इसके निष्पादन के लिए उचित कार्रवाई करें. इसी प्रकार आश्वासन समिति 363 आश्वासन व निवेदन समिति के 150 निवेदनों के उत्तर भी अप्राप्त है. इन सारे अप्राप्त प्रश्नों के उत्तर का निपटारा शीघ्र करें.

वरीय पदाधिकारी रहें उपस्थित

स्पीकर ने मॉनसून सत्र के दौरान पदाधिकारी दीर्घा में वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया. गृह विधाग को सत्र के दौरान सतर्कता बरतते हुए पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के साथ विधि व्यवस्था को सुनिश्चित करने को कहा. सड़क दुर्घटना के मद्देनजर विधानसभा व हाईकोर्ट के बीच के मुख्य सड़क पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू नियमित करने को कहा. साथ ही विधानसभा परिसर में सौर ऊर्जा से संचालित पैनलों को दुरुस्त करने व इलेक्ट्रिक मीटरों को व्यवस्थित का से अधिष्ठापित करने की निर्देश भी ऊर्जा विभाग के वरीय पदाधिकारियों दिया.

मॉनसून सत्र को लेकर स्पीकर ने की बैठक.

21-28 अगस्त के बीच मुख्यालयों पर होगा धरना-प्रदर्शन

स्थानीय, नियोजन व विस्थापन नीति जल्द लागू हो : माकपा

संवाददाता।बुंडू

गरीब विरोधी और महंगाई बढाने वाले केंद्रीय बजट, संगठित रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ और रोजगार दिए जाने की मांगों को लेकर 21 से 28 अगस्त के बीच जिला और अनुमंडल मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा. आंदोलन के इस कार्यक्रम में राज्य सरकार की घोषणा के अनुरूप विस्थापन आयोग का गठन करने व इस आयोग का अधिकार क्षेत्र केवल खनन तक सीमित नहीं रखने, राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में ग्रामसभा की भूमिका सुनिश्चित की जाए, हर स्तर पर जारी भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांगों को भी शामिल किया जाएगा. ये निर्णय सीपीएम राज्य कमेटी की बुंडू में हुई दो दिवसीय राज्य कमेटी की बैठक में लिये गए.

बैठक की अध्यक्षता सुरजीत सिन्हा ने की. बैठक में सीपीएम के दो पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात और डॉ.रामचंद्र डोम भी मौजूद थे. राज्य कमेटी की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव में तमाड़ विधानसभा क्षेत्र सहित 12 विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी उतारने पर चर्चा हुई, तमाड़ से प्रत्याशी के नाम पर भी लगभग सहमति बन गयी है. सीपीएम प्रयास करेगी कि भाजपा विरोधी वोटों का विभाजन नहीं हो. इसकी घोषणा बुधवार को पार्टी की दो दिवसीय बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने की. प्रेस वार्ता में सीपीएम के रांची जिला सचिव सुखनाथ लोहरा और पार्टी के राज्य कमेटी सदस्य सुरेश मुंडा भी मौजूद थे. प्रकाश विप्लव ने कहा कि बीजेपी का बांग्लादेशी घुसपैठ कहना फर्जी है, यदि कहीं घुसपैठ का मामला है तो उसे रोकना केन्द्र सरकार की जिम्मेवारी है.

राज्य में तीन धड़ों में बंट सकता है कुड़मी वोट

रवि भारती।रांची

झारखंड में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ चुकी है. विधानसभा चुनाव सिर पर हैं. भाजपा के फायर ब्रांड नेताओं का झारखंड में आना-जाना लगा हुआ है. चुनावी गणित पर मंथन हो रहा है. गठबंधन में शामिल दलों ने भी चुनाव अभियान शुरू ही कर दिया है. सरकार की ओर से जनकल्याणकारी योजनाएं लांच की जा रही हैं. ऐसे में झारखंड में तीन दलों का भविष्य कुड़मी वोटरों पर टिका हुआ है. कुड़मी वोटरों पर तो पहले आजसू ही अपना ही एकाधिकार समझती थी, लेकिन जदयू के ताल ठोंकने और जेबीकेएसएस के लोकसभा चुनाव में जलवा दिखाने के बाद परिस्थितियां बदली-बदली सी नजर आ रही हैं . ऐसे में राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन है कि कि अगले विधानसभा चुनाव में कुड़मी वोट तीन धड़ों में बंट सकता है.

30 विधानसभा सीटों पर कुड़मी वोटर निर्णायक साबित होते हैं : विधानसभा की 81 सीटों में से 30 सीटों पर कुड़मी वोटर निर्णायक साबित होते हैं. कहीं न कहीं इसी वजह से भाजपा का आजसू के साथ गठबंधन टिका हुआ है. हालांकि आजसू को इससे ज्यादा फायदा नहीं मिल पाया है. 2005 के विधानसभा चुनाव में आजसू को सिर्फ दो सीटें मिली थीं. 2009 में आजसू 78 सीटों पर चुनाव लड़ी और उसे सिर्फ एक सीट पर जीत मिली. 2014 में आजसू ने आठ सीटों पर चुनाव लड़ कर पांच सीटें जीतीं. 2019 में 53 सीटों पर लड़ने के बावजूद आजसू को दो ही सीटों पर ही जीत हासिल हुई थी. वहीं जब भाजपा ने जदयू के साथ 63 सीटों पर चुनाव लड़ा, तो जदयू ने 18 में से छह सीटों पर जीत हासिल की थी.

- कुड़मी वोट के दम पर ताल ठोक रहे आजसू, जदयू व जेबीकेएसएस
- झारखंड की 81 सीटों में 30 सीटों पर कुर्मी वोट निर्णायक होते हैं

जदयू-आजसू का खेल बिगाड़ेगा जेबीकेएसएस से

लोकसभा चुनाव में जेबीकेएसएस की धमाकेदार इंट्री ने सूबे के राजनीतिक दलों के बीच खलबली मचा दी है, खालस कर विधानसभा चुनाव में आजसू और जदयू का गणित गड़बड़ा सकता है. जयराम महतो की पार्टी जेबीकेएसएस ने लोकसभा चुनाव में आठ सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. इन लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों को न्यूनतम 12,556 से लेकर अधिकतम 3,47,322 वोट मिले. वहीं जदयू भी झारखंड में अपनी जमीन तलाश रहा है. नीतीश कुमार के साथ सरयू राय की मुलाकात इस कयास को पुख्ता भी कर रही है. बताते चलें कि 2005 के विधानसभा चुनाव में जदयू के छह विधायक चुने गए थे. जदयू झारखंड में कुड़मी वोटरों पर नजर टिकाए हुए है.

गुमला में लापता युवक का शव कुएं से बरामद हत्या की आशंका जताई

गुमला। रविवार से लापता युवक का शव असनी कुंबाटोली के एक कुआं से बुधवार को बरामद किया गया. शव की पहचान असनी कुंबाटोली निवासी सुनील पन्ना 36 वर्ष के रूप में की गई. सूचना मिलने के बाद गुमला थाना की पुलिस कुंबा टोली पहुंच कर तीन घंटे मशक्कत के बाद शव को कुआं से बाहर निकाला. शव के गले में रस्सी था जिसमें पत्थर बंधा हुआ था. गला धारदार हथियार से कट का निशान था . प्रथम दृष्टया हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए कुआं में डाला जाना प्रतीत हो रहा है. परिजनों ने गुमला थाना में हत्या की लिखित शिकायत कर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है. परिजनों के अनुसार सुनील पन्ना रविवार को ही घर से निकला था. बुधवार को गांव के ही कुआं में लोगों की नजर शव पर पड़ी. लोगों ने कुंआ में शव होने की ग्रामीणों को सूचना दी. ग्रामीणों ने घटना की जानकारी गुमला थाना को दी. देर शाम शव को कुआं से निकाल कर सदर अस्पताल लाया गया जहां क्षत विक्षत शव होने के कारण गुमला में पोस्टमार्टम नहीं हुआ और डाक्टर ने पोस्टमार्टम के लिए रिम्स रेफर कर दिया. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

लगा आरोप | आजसू के गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने फिर टीवीएनएल पर साधा निशाना

टीवीएनएल में भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रहे योगेंद्र प्रसाद

संवाददाता।रांची

आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी ने कहा है कि टीवीएनएल में हो रहे भ्रष्टाचार को पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो संरक्षण दे रहे हैं. टीवीएनएल के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार शर्मा व उनके सहयोगी पूर्व विधायक से संरक्षण लेकर परियोजना के विस्तारीकरण पर ध्यान नहीं दे रहे हैं. राज्य सरकार के एकमात्र ताप विद्युत संयंत्र में घटिया किस्म के नकली मार्क का कल पुर्जा लगाकर उसे खोखला कर रहे हैं. प्रबंध निदेशक अपने चहेते को लाने, निविदा बनाकर राज्य सरकार और ऊर्जा विभाग को गुमराह कर रहे हैं, ताकि इनकी सिंडीकेट का कार्य सुचारु रूप से होता रहे. चंद्रप्रकाश ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए जरूरी सिस्टम संयंत्र चालू नहीं कर छाई जहां-तहां फेंक कर पहाड़ का रूप दे रहे हैं. बिना वन विभाग को सूचित किए हुए हजारों की संख्या में परियोजना के अंदर सुंदरीकरण के नाम पर पेड़ों की कटाई कर दी गयी है. बिना खनन विभाग को सूचित किए पत्थरों का अवैध उत्खनन किया जा रहा है, जिसमें राज्य को राजस्व की क्षति हुई है. इटीपी/एसटीपी निर्माण कार्य में घोर लापरवाही बरती जा रही है. सांसद ने आरोप लगाया कि एडब्ल्यूआरएस की निविदा संवेदक के अनुकूल प्राक्कलन राशि तैयार कर निविदा निकाली गयी. इटीपी/ एसटीपी/ एडब्ल्यूआरएस की निविदा में एसबीडी के नियमों का उल्लंघन किया गया. सोची समझी साजिश कर कंपनी को अपने सिंडीकेट में मिलकर कार्य आवंटन किया गया. उन संवेदकों की वित्तीय क्षमता इस कार्य के योग्य नहीं है.

योगेंद्र प्रसाद फर्जी निकासी के हैं किंगपिन

इससे आगे सांसद ने कहा, सस्ती लोकप्रियता हासिल और टीवीएनएल के भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने का काम सिंडीकेट के किंगपिन पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद कर रहे हैं. ताकि फर्जी कार्य की निकासी जारी रहे. इससे पहले योगेंद्र प्रसाद द्वारा ही टीवीएनएल के प्रबंध निदेशक अरविंद सिन्हा के ऊपर आरोप लगाया गया था. तत्कालीन राज्य के मुख्यमंत्री ने संज्ञान में लेकर कमिटी गठित कर जांच के बाद हटा दिया था. चंद्रप्रकाश चौधरी ने सवाल उठाया कि आज पुन: वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला अनिल कुमार शर्मा द्वारा दोहराया जा रहा है, तो राज्य सरकार क्यों नहीं संज्ञान में ले रही है? क्या राज्य सरकार भी इस पूरे प्रकरण में संलिप्त है? क्या राज्य सरकार निष्पक्षता के लिए केन्द्रीय जांच ऐजेंसी ईडी, सीबीआई और राज्य सरकार के एसीबी को जांच करने की अनुशंसा करेगी? पूर्व विधायक द्वारा अभियंताओं को चरित्र प्रमाण पत्र देना और कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र देना यह साफ दिखलाता है कि इन्ही के द्वारा संगठित होकर टीवीएनएल के मामले में भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देना और खुले आम दैनिक समाचार पत्रों में भ्रष्ट अधिकारियों की प्रशंसा करना, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने जैसा है.

गो-सेवा आयोग का कार्यक्रम, बोलीं कृषि मंत्री दीपिका

महिलाओं की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने में करेंगे सहयोग

संवाददाता।रांची

गो सेवा आयोग की ओर से बुधवार को हेसाग स्थित पशुपालन विभाग के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य रूप से उपस्थित कृषि, पशुपालन मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य में अभी जिले स्तर पर ही गो शालाओं का संचालन हो रहा है. अब विभाग का प्रयास होगा कि प्रखंडों तक में इसका संचालन हो. वे बेहतर तरीके से गो सेवा करते दिखें, इसमें विभाग अहम रोल अदा करेगा. उन्होंने गो सेवा आयोग के प्रयासों की सराहना भी की.

गो सेवा आयोग फिर से पिछले वर्ष अस्तित्व में आया : राजीव

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि राज्य में लंबे समय तक गोवंश की सेवा के नाम पर राजनीति होती रही. सीएम हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेतृत्व की पहल पर राज्य में गो सेवा आयोग फिर से पिछले वर्ष अस्तित्व में आया. गोशालाओं को केवल अनुदान देने तक ही आयोग नहीं है, अब उसने गोबर प्रसंस्करण और प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें प्रोत्साहित करने समेत दूसरे प्रयास भी किए हैं. विकास के दौर में गोबर का भी उपयोग संपन्नता के लिए किया जा सकता है.

आर्थिक रूप से सबल बनाया जा सकता है : राजेश

विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि देश में गायों को सदियों से पवित्र माना जाता रहा है. यह केवल धार्मिक कारणों से नहीं, जीवन में कई पहलुओं में गाय की अहम भूमिका के कारण भी है. गायों को दिव्य माना जाता है. उनका महत्व आर्थिक, पर्यावरणीय, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक क्षेत्रों में भी फैला हुआ है. किसान वो हैं जो लेते कुछ नहीं बल्कि पूरी दुनिया को कुछ देते जरूर हैं. गोबर प्रसंस्करण और उसके प्रशिक्षण के जरिए उनकी दक्षता बढ़ायी जाए तो उन्हें आर्थिक रूप से सबल बनाया जा सकता है.

राज्य सरकार का आभार जताया : उपाध्यक्ष

आयोग के उपाध्यक्ष ने 15 सालों बाद फिर से आयोग को पुनर्जीवित करने के लिए राज्य सरकार का आभार जताया. गोबर प्रसंस्करण और इसके प्रशिक्षण से जुड़ी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और ट्रेनिंग प्रोग्राम को उपयोगी बताया.

स्वप्न, मिथक और यथार्थ

कोई भी बजट सरकार का राजनीतिक दस्तावेज होता है. इससे न केवल वर्तमान आर्थिक हालत का जायजा मिलता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक दिशा भी स्पष्ट होती है. एक ओर जहां भाजपा के समर्थकों ने बजट को विकसित भारत का दस्तावेज बताया है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने इसे सत्ता संतुलन के लिए उठाया गया तात्कालिक कदम. विपक्ष शासित राज्यों ने उपेक्षा का गंभीर आरोप लगाया है. फेडरलिज्म की संवैधानिक भावना की उपेक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. आर्थिक विशेषज्ञों के बीच बजट और उसके पहले प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण को ले कर अलग-अलग राय है. सवाल है कि क्या वर्तमान बजट सचमुच रोजगार सृजन के अवसर पैदा करने में सक्षम साबित होगा या फिर वह मात्र इंटर्नशिप की खुराक दे कर वास्तविक मर्ज को कुछ देर की राहत ही दे पाएगा. इस सवाल का ठोस जवाब बजट में अंतरनिहित नहीं है. दरअसल आंकड़ों के मैनेजमेंट मात्र से नौकरियां नहीं पैदा हो सकती हैं. इस समय देश में युवाओं की सबसे बड़ी मांग स्थायी नौकरी है. इस सवाल का जवाब बजट पर बहस के दौरान मिल सकेगा या नहीं, इसकी प्रतीक्षा रहेगी. आर्थिक सर्वेक्षण (2023-24) की सुर्खियां कुछ चुनौतियों के साथ मोटे तौर पर अर्थव्यवस्था की हरी-भरी तस्वीर दिखाती हैं, लेकिन उसमें दिए गए विवरण बढ़ती मुसीबतों से मुलाकात करा देते हैं. वहां मौजूद आंकड़े बताते हैं कि अगर पैमाना पूरे समाज की खुशहाली हो तो सरकार की आर्थिक नीतियां विफल हैं. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था में जो 8.2 फीसद वृद्धि का दावा किया गया है, वह अधिकतर रोजगार रहित रही है. सर्वेक्षण ने इस बात पर बाकायदे चिंता जताई है कि चालू वित्त वर्ष में कॉरपोरेट सेक्टर का मुनाफा तो अच्छा-खासा बढ़ा है, मगर उसके मुकाबले पूंजी निवेश की दर बहुत कम रही. इससे साफ है कि विपक्ष का यह आरोप कि मोदी सरकार पूंजीपति परस्त है और अर्थव्यवस्था में देश की आधी से अधिक 15 से 35 वर्ष के बीच विशाल युवा आबादी को रोजगार देने के मौके नगण्य हैं. इससे बेरोजगारी की ताजा दर सीएमआईई के अनुसार नौ फीसद से अधिक है. हालांकि सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार बेरोजगारी की दर चार फीसद से नीचे ही है, जबकि उसी में नए रोजगार पैदा करने को बड़ी चुनौती बताया गया है. सर्वेक्षण ही इंगित कर रहा है कि देश में युवा हाथों को रोजगार देने के लिए सालाना कम से 70 लाख नए मौके पैदा करना आवश्यक है. बताया गया है कि 2023-24 में निफ्टी में दर्ज 500 कंपनियों का कुल मुनाफा 295 लाख करोड़. यानी 9.6 बढ़ा. सर्वे के मुताबिक इन कंपनियों में नई नौकरियों और कर्मचारियों के वेतन में इस मुनाफे के अनुपात में शायद ही बढ़ोतरी हुई, लेकिन यह उन कंपनियों के अपने हित में होगा कि वे नौकरियों की संख्या और वेतन में वृद्धि करें. इसी तरह सर्वे में स्वीकार किया गया है कि निजी क्षेत्र में मशीनरी, उपकरण एवं बौद्धिक संपदा उत्पादों के लिहाज से ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन (जीएफसीएफ) की दर निम्न है, जबकि रियल एस्टेट सेक्टर में जीएफसीएफ उसके तीन गुणा ज्यादा है. सर्वे के मुताबिक 'यह स्वस्थ मिश्रण नहीं है.' बजट एलान में मैनुफैक्चरिंग बढ़ाने के जो दावे किए गए हैं, उन पर आर्थिक सर्वेक्षण ही सवाल खड़ा कर रहा है.

> बताया गया है कि 2023-24 में निफ्टी में दर्ज 500 कंपनियों का कुल मुनाफा 295 लाख करोड़.यानी 9.6 बढ़ा. सर्वे के मुताबिक इन कंपनियों में नई नौकरियों और कर्मचारियों के वेतन में इस मुनाफे के अनुपात में शायद ही बढ़ोतरी हुई.

सुभाषित

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव संपदः।।

अचानक आवेश में आ कर बिना सोचे समझे कोई कार्य नहीं करना चाहिए, क्योंकि विवेकशून्यता सबसे बड़ी विपत्तियों का घर होती है. इसके विपरीत जो व्यक्ति सोच–समझकर कार्य करता है, गुणों से आकृष्ट होने वाली मां लक्ष्मी स्वयं ही उसका चुनाव कर लेती हैं.

बजट : मोदी की गारंटी के कितना नजदीक

सरकार ने घोषणा की है कि प्रति वर्ष 80 लाख युवाओं को इंसेंटिव दिया जायेगा. इसे ही पहली नजर में मान लिया गया कि शायद सरकार अगले पांच वर्षों में चार करोड़ नए रोजगार देने जा रही है. यह भी कहा जा रहा है कि करीब 5000 अग्रणी उद्योगों को युवाओं को अपरेंटिसशिप में नौकरी देने के लिए कहा जाये. छोटे और मझौले उद्यमियों को बढ़ावा देने की बात भी कही जा रही है. लेकिन सब कुछ अभी इतना उलझा हुआ है कि स्पष्टता आने में कुछ समय लगेगा.

• देश-काल

रविंद्र पटवाल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा भारत का रिकॉर्ड सातवां आम बजट पेश किया जा चुका है. इसमें कुछ चौंकाने वाली घोषणाएं भी सुनने को मिलीं, जिसे सुनकर एकबारगी तो लगा कि ये तो कांग्रेस के घोषणापत्र से चुराया हुआ बजट है, जिसे देख कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र तैयार करने वाले पी. चिदंबरम तक अचंभित रह गये और उन्होंने लिख दिया, "मुझे यह जानकर खुशी हुई कि माननीय वित्त मंत्री ने चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस घोषणापत्र लोकसभा 2024 पढ़ा है. मुझे खुशी है कि उन्होंने कांग्रेस घोषणापत्र के पृष्ठ 30 पर उल्लिखित रोजगार-संबंधी प्रोत्साहन (ईएलआई) को वस्तुतः अपना लिया है. मुझे यह भी खुशी है कि उन्होंने कांग्रेस घोषणापत्र के पृष्ठ 11 पर उल्लिखित प्रत्येक ट्रेनी को भत्ते के साथ प्रशिक्षुता योजना आरंभ की है. काश, वित्त मंत्री ने कांग्रेस घोषणापत्र में कुछ अन्य विचारों की भी नकल की होती. मैं जल्द ही इन छूट चुके अवसरों की सूची तैयार करूंगा." प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा है, यह कुर्सी बचाओ बजट है. अपने गठबंधन के सहयोगियों को खुश रखने के लिए उनके साथ खोखले वादे, जिसे अन्य राज्यों की कीमत पर किया गया है. दूसरा, क्रोनी पूंजीपतियों को खुश करने वाला बजट एए (अडानी अंबानी) को लाभ पहुंचाने वाला, जिसमें आम भारतीय के लिए कोई राहत नहीं. और तीसरी टिप्पणी में राहुल गांधी ने इसे कॉपी पेस्ट बजट बताया है, जिसे कांग्रेस के घोषणापत्र और पिछले बजटों से चुराया गया है. एक घंटे 21 मिनट तक चले इस बजट भाषण को वित्त मंत्री के पिछले बजटों से अपेक्षाकृत संक्षिप्त बताया जा रहा है. अपने भाषण की शुरुआत करते हुए निर्मला सीतारमण ने बताया कि अंतरिम बजट के अनुरूप इस बार के बजट को चार जातियों, गरीब, महिला, युवा और किसान के मुद्दे पर फोकस रखा गया है. उन्होंने कहा, "किसानों के लिए हमने सभी प्रमुख फसलों पर लागत मूल्य से कम से कम 50% न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है. पीएम गरीब कल्याण योजना को 80 करोड़ गरीबों के लिए अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ा दिया है." अब यह अलग बात है कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तगड़ा झटका खाने के बाद भी वित्त मंत्री समझ नहीं पा रही हैं कि किसानों को लागत के ऊपर 50% मूल्य की दरकार है और जो सरकार उन्हें मुहैया करा रही है, उसमें बढ़ते इनपुट कॉस्ट को सरकार लगातार समायोजित नहीं कर रही है. इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के अवध और पूर्वी क्षेत्र से भाजपा के सफाए की मुख्य वजह पांच किलो मुफ्त राशन रहा, जिससे गरीब का पेट नहीं भर रहा. उन्हें रोजगार चाहिए, जिससे कि भरपूर भोजन के साथ-साथ सम्मानपूर्वक जीवन जिया जा सके. बहरहाल, जिस चीज ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, वह था युवाओं के लिए चार करोड़ नौकरियां देने का वादा. भारत के लोग भाजपा सरकार के मुख से रोजगार की बात सुनने के लिए तरस गये थे. अभी कुछ दिन पहले तक भी प्रधानमंत्री दावा कर रहे थे कि पिछले कुछ वर्षों में ही देश में आठ करोड़ नौकरियां सृजित की गई हैं. भारतीय रिजर्व बैंक के एक प्रतिनिधि के दावे को सोशल मीडिया सहित समाचार पत्रों में चस्पा कर आम लोगों के मुंह पर मारा जा रहा था. लेकिन अब सरकार को स्वीकार करना पड़ रहा है कि रोजगार और महंगाई वे प्रमुख मुद्दे हैं, जिनसे आम लोगों का ध्यान किसी भी कीमत पर हटने वाला नहीं है. सरकार ने घोषणा की है कि प्रति वर्ष 80 लाख युवाओं को इंसेंटिव दिया जायेगा. इसे ही पहली नजर में मान लिया गया कि शायद सरकार अगले पांच वर्षों में चार करोड़ नए रोजगार देने जा रही है. यह भी कहा जा रहा है कि करीब 5000 अग्रणी उद्योगों को युवाओं को अपरेंटिसशिप में नौकरी देने के लिए कहा जाये. छोटे और मझौले उद्यमियों को बढ़ावा देने की बात भी कही जा रही है. लेकिन सब कुछ अभी इतना उलझा हुआ है कि स्पष्टता आने में कुछ समय लगेगा. एक नारा यह भी उछाला जा रहा है कि पहली बार नौकरी पर एक महीने का वेतन सरकार की ओर से दिया जायेगा. लेकिन इसके बाद क्या? इस बार के बजट से देश का मध्य वर्ग खास तौर पर दुखी नजर आ रहा है. आरबीआई और सेबी की हाल की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए लगता है सरकार भी अब मन बना रही है कि साधारण लोग अब शेयर बाजार से बाहर निकलें, और अपने निवेश को वापस बैंकों में जमा करें या खपत में वृद्धि को बढ़ाने में अपना योगदान दें. शायद यही कारण है कि बजट की घोषणा के साथ ही शेयर बाजार में आज तेजी से गिरावट का रुख देखने को मिला है. इस बार के बजट में सभी वर्गों और निवेशकों के लिए एंजेल टैक्स को खत्म करने का प्रस्ताव किया गया है. आयकर में भी मुख्य जोर नयी कर प्रणाली को स्थायी तौर पर लागू करने के लिए कर सीमा में थोड़ी बढ़ोतरी की गई है. स्टैण्डर्ड डीडक्शन को 50,000 से बढाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है, लेकिन नौकरीपेशा लोगों के लिए कुल बचत 17,500 रुपये से अधिक नहीं है, जिसे 1000-1200 रुपये की मासिक बचत से अधिक नहीं माना जा सकता है. आम लोगों को उम्मीद थी कि जीएसटी कर प्रणाली को सरल और 5-12% की श्रेणी में लाया जा सकता है, लेकिन सरकार को लगता है कि जीएसटी जैसे दुधारू गाय को दुहना छोड़ देने पर उसके हाथ से सोने का अंडा देने वाली मुर्गी चली जाएगी. अलबत्ता सरकार ने बिहार के लिए 26,000 करोड़ रुपये और आंध्र प्रदेश को 15,000 करोड़ रुपये की अलग से सहायता राशि देकर किसी तरह से पटाने की कोशिश अवश्य की है, जिसको लेकर आम लोगों में अच्छी खासी चर्चा है. सोशल मीडिया पर बिहार को लेकर मीम बन रहे हैं, जहां पिछले दिनों एक के बाद एक कर लगातार पुल और सड़कें ध्वस्त हो रहे हैं. बजट में पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा एक्सप्रेसवे के साथ-साथ बक्सर में गंगा पर दो लेन का अतिरिक्त पुल के लिए 26,000 करोड़ रुपये की मंजूरी की गई है. इसके अलावा, भागलपुर जिले में 21,400 करोड़ रुपये में पीरपैंती में 2400 मेगावाट के पॉवर प्लांट को भी मंजूरी देकर जेडीयू और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखने का काम किया गया है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मान और अवसाद

मोह वश ऋद्धि, सिद्धि, समृद्धि, सुख और जाति आदि पर अहम् बुद्धि रूप मन के परिणाम को ₹मान₹ कहते है. मद, अहंकार, घमण्ड, गौरव, दर्प, ईगो और ममत्व(मैं) आदि 'मान' के ही स्वरूप है. कुल, जाति, बल, रूप, तप, ज्ञान, विद्या, कौशल, लाभ और ऐश्वर्य पर व्यक्ति 'मान' (मद) करता है. मान वश मनुष्य स्वयं को बडा व दूसरे को तुच्छ समझता है. अहंकार के कारण व्यक्ति दूसरों के गुणों को सहन नहीं करता और उनकी अवहेलना करता है. घमण्ड से ही 'मैं' पर घनघोर आसक्ति पैदा होती है. यही दर्प, ईर्ष्या का उत्पादक है. गौरव के गुरुतर बोझ से भारी मन, अपने मान की रक्षा के लिए गिर जाता है. प्रशंसा, अभिमान के लिए ताजा चारा है. यह अहंकार या अभिमान को बल देती है. हर अहंकारी व्यक्ति की यह तीव्र लालसा रहती है कि भले ही उसमें कुछ भी नहीं हो, लेकिन कोई उसकी सराहना करे और उसे भरपूर साबित कर दे. जब किसी मनुष्य की यह लालसा पूरी नहीं होती तो या तो क्रोध का शिकार हो जाता है या फिर अवसाद का. क्रोध तो घातक होता ही है, लेकिन अवसाद या आत्महीनता भी उससे कम घातक नहीं होती. जहां कहीं भी व्यक्ति का अहंकार सहलाया जाता है, गिरकर उसी व्यक्ति की गुलामी को विवश हो जाता है. अभिमान स्वाभिमान को भी टिकने नहीं देता. अहंकार वृत्ति से यश पाने की चाह, मृगतृष्णा ही साबित होती है. दूसरे की लाइन छोटी करने का मत्सर भाव इसी से पैदा होता है. विचित्रता तो यह है कि अभिमान से मनुष्य ऊंचा बनना चाहता है, किंतु परिणाम सदैव नीचा बनने का आता है. निज बुद्धि का अभिमान ही, शास्त्रों की, सन्तों की बातों को अन्तः करण में टिकने नहीं देता. 'मान' भी विवेक को भगा देता है और व्यक्ति को शील सदाचार से गिरा देता है. अभिमान से अंधा बना व्यक्ति अपने अभिमान को बनाए रखने के लिए दूसरों का अपमान पर अपमान किए जाता है और उसे कुछ भी गलत करने का भान नहीं रहता. यह भूल जाता है कि प्रतिपक्ष भी अपने मान को बचाने में पूर्ण संघर्ष करेगा. आत्मचिंतन के अभाव में मान को जानना तो दूर पहचाना तक नहीं जाता. वह कभी स्वाभिमान की ओट में तो कभी बुद्धिमत्ता की ओट में छुप जाता है. मान सभी विकारों में सबसे अधिक प्रभावशाली व दुर्जेय है. मान को मार्दव अर्थात् मृदुता व कोमल वृति से जीता जा सकता है. अहंकार को शांत करने का एक मात्र उपाय है 'विनम्रता'.

भारत से संबंधों का ओली सरकार में महत्व

• देशांतर

अरुण कुमार श्रीवास्तव

नेपाल में सीपीएन (यूएमएल)नेता केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में एक नयी सरकार ने सत्ता संभाली है. नेपाल, एक छोटा सा भू-आबद्ध देश है जो अपने ऊंचे हिमालय पर्वतों के लिए जाना जाता है. यह देश भारत और चीन के बीच अपने रणनीतिक स्थान के कारण भी महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक महत्व रखता है इसलिए दोनों देश नेपाल में अपने-अपने प्रभाव के लिए होड़ करते हैं. भारत नेपाल में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजनयिक मिशन रखता है, जो नेपाल के सामरिक महत्व और देश के मामलों में भारत की गहरी रुचि को रेखांकित करता है. संयुक्त राज्य अमेरिका और कई यूरोपीय देश नेपाल में होने वाले घटनाक्रमों पर बारीकी से नज़र रखते हैं, क्योंकि वे इस क्षेत्र की भू-राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. हालांकि, चीन भी नेपाल में अपने प्रभाव को सक्रिय रूप से बढ़ा रहा है, खास तौर पर विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के ज़रिए.केपी शर्मा ओली ने पहले प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, लेकिन भारत के साथ नेपाल के ऐतिहासिक संबंधों के बावजूद, अपने कार्यकाल के दौरान चीन की ओर झुकाव के लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा. उनके प्रशासन ने चीन के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये, हालांकि भारत तक आसान पहुंच की तुलना में नेपाल के कठिन भूभाग द्वारा उत्पन्न रसद चुनौतियों के कारण कई समझौते अभी तक मूर्तरूप नहीं ले पाये हैं. ओली के चीन समर्थक रुख से असंतुष्ट होने के बाद, उनकी सरकार की लोकप्रियता कम हो गई, जिसके कारण 2019 में उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा. इसके बाद, पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' ने नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) के समर्थन से प्रधानमंत्री की भूमिका संभाली, तथा अपने कार्यकाल के दौरान वह कई अविश्वास प्रस्तावों से निपटे. अब केपी शर्मा ओली के सत्ता में लौटने के साथ, इस क्षेत्र के देश बड़ी बारीकी से देख रहे हैं कि उनका नेतृत्व नेपाल के नाजुक भू-राजनीतिक संतुलन और भारत और चीन के साथ उसके संबंधों को कैसे प्रभावित करेगा. उनका आगामी विश्वास मत आने वाले महीनों में नेपाल के शासन की स्थिरता और दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होगा. नेपाल में एक नई सरकार को एक गंभीर दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो बेरोजगारी और शिक्षा जैसे पुराने मुद्दों को संबोधित करे. नेतृत्व परिवर्तन का आवर्ती चक्र, जिसका उदाहरण केपी शर्मा ओली के कार्यकाल में हुए बदलाव हैं, निरंतर चुनौती को दर्शाता है. केवल भू-राजनीतिक पैंतरेबाज़ी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, नेपाल की समृद्धि का मार्ग आंतरिक चिंतन और एक दशक या उससे अधिक समय तक जमीनी स्तर पर निरंतर प्रयासों पर टिका है. तभी जाकर नेपाल पड़ोसी भारत के साथ संबंधों जैसे बाहरी चिंताओं से सार्थक रूप से जुड़ सकता है.रभारत नेपाल में नई सरकार के गठन को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखेगा, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जिनमें अपार संभावनाएं हैं. नेपाल का ऊर्जा परिदृश्य, विशेष रूप से जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा में, सहयोग के लिए आशाजनक रास्ते प्रस्तुत करता है. भारत की पर्याप्त बिजली की मांग को देखते हुए, नेपाल की जलविद्युत क्षमताओं का दोहन पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित हो सकता है. इसके अलावा, नेपाल के माध्यम से रेल मार्ग जैसी रणनीतिक अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारत के उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी को बढ़ा सकती हैं, जो चल रही पहलों का पूरक है.आर्थिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, यह इस बात से स्पष्ट है कि नेपाल भारत को धन भेजने वाला सातवां सबसे बड़ा देश है. आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने से छोटे-मोटे विवादों को सुलझाने से परे पर्याप्त पारस्परिक लाभ मिल सकते हैं. इसलिए, नेपाल के पर्यटन बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा देने से भारत को लाभ होगा. दोनों देशों को विवादास्पद मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय आर्थिक तालमेल को अधिकतम करने की दिशा में काम करना चाहिए.भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य नेपाल की सर्वसम्मति निर्माता के रूप में संभावित भूमिका को रेखांकित करता है. उदाहरण के लिए, पिछले तीन वर्षों में म्यांमार के स्थायी सैन्य शासन और नागरिक अशांति और बांग्लादेश में रोहिंग्या संकट के बीच हस्तक्षेप की आवश्यकता है. शांति सुविधाकर्ता के रूप में काठमांडू का उभरना एक उल्लेखनीय उपलब्धि होगी. भारत और चीन के बीच रास्ता बनाने के अपने वर्तमान जुनून को पार करने के लिए, नेपाल को अपने अंतरराष्ट्रीय कद और जुड़ाव को व्यापक बनाना होगा. क्षेत्रीय सीमाओं से आगे बढ़ते हुए, **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> ओली के चीन समर्थक रुख से असंतुष्ट होने के बाद, उनकी सरकार की लोकप्रियता कम हो गई, जिसके कारण 2019 में उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा. इसके बाद, पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' ने नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) के समर्थन से प्रधानमंत्री की भूमिका संभाली, तथा अपने कार्यकाल के दौरान वह कई अविश्वास प्रस्तावों से निपटे.

किसे है भारत की विरासत बचाने की चिंता ?

• संस्कृति

पुष्परंजन

सिंधु घाटी सभ्यता का बहुचर्चित नगर, लोथल देखने का मन हो, तो गुजरात का भाल क्षेत्र चले जाइये. यह गुजरात के अहमदाबाद ज़िले में 'भोगावा नदी' के किनारे 'सरगवाला' नामक ग्राम के समीप स्थित है. गुजरात के कच्छ जिले में स्थित धौलावीरा दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात बंदरगाह है, जो अप्रैल 2014 में यूनेस्को विश्व विरासत का हिस्सा बना. धौलावीरा के टीलों पर उत्तर हड़प्पाकालीन लोगों ने अपनी बस्ती बसाई थी. हड़प्पा, मोहन जोदडो, गनेरीवाला, राखीगढ, धोलावीरा तथा लोथल, ये छह प्राचीन महानगर पुरातन संस्कृति के प्रतीक हैं. इनमें से दो, धौलावीरा और लोथल भारत में स्थित है. लेकिन हम हरियाणा में अवस्थित बनावली और राजस्थान में हड़प्पा पूर्व बसे कालीबंगा की चर्चा नहीं करते.यूनेस्को ने भारत में 42 स्थानों, शहर, इमारतों, गुफाओं आदि को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है. मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों का हिसाब देते हुए बताया कि इस कालखंड में भारत के 12 स्थलों को जोड़ा गया है, जिसमें शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल) और होयसल (कर्नाटक) के पवित्र स्थलों को शामिल किया गया था. अप्रैल 2024 तक पैरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय ने 168 देशों में कुल 1,199 विश्व धरोहर स्थल घोषित किये थे. इनमें 933 सांस्कृतिक, 227 प्राकृतिक और 39 मिश्रित सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपत्तियाँ मौजूद हैं. 59 चयनित क्षेत्रों के साथ, इटली सबसे अधिक साइटों वाला देश है; इसके बाद चीन 57, और फ्रांस और जर्मनी 52-52 साइटों के साथ दूसरे स्थान पर है. विश्व विरासत स्थल, यूनेस्को की समिति द्वारा चयनित होते हैं; और यही समिति इन स्थलों की देखरेख यूनेस्को के तत्वावधान में करती है. आमतौर पर सरकारें अपने महत्वपूर्ण-प्राचीन स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने का प्रस्ताव भेजती हैं. उस जगह विशेष का मूल्याङ्कन 21 सदस्यीय समिति करती है. अंतिम निर्णय लेना अंतर-सरकारी विश्व धरोहर समिति पर निर्भर होता है. यह तय करने के लिए समिति वर्ष में एक बार बैठक करती है, कि किन स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल किया जाए. इस रविवार को यह बैठक नई दिल्ली में होने जा रही है, जिसमें 142 देशों के प्रतिनिधि पधार चुके हैं.भारत के पास विश्व धरोहर की संभावित सूची में 57 स्थल हैं. चयन समिति इनमें से कितने स्थलों को स्वीकारती है, इसके लिए हमें प्रतीक्षा करनी होगी. विश्व विरासत समिति में भारत का यह चौथा कार्यकाल है. 2021 में आहूत, 23वीं आम सभा में 21 सदस्यीय विश्व विरासत समिति के लिए भारत को चार वर्षों, 2021 से 2025 की अवधि के लिए चुना गया था. 46वीं विश्व विरासत समिति की बैठक में सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपत्तियों की पहचान करना और उन संपत्तियों को विश्व विरासत सूची में शामिल करना प्रमुख अजेंडा है. इसके साथ संपत्तियों के संरक्षण की स्थिति को समझना, यह तय करना कि किसी संपत्ति को विश्व विरासत सूची से हटाया जा सकता है, या नहीं. विश्व विरासत कोष द्वारा वित्तपोषित अंतरराष्ट्रीय सहायता के अनुरोधों की जांच करना, इन तमाम बातों की चर्चा होती है.चीनी सभ्यता के प्रसिद्ध संस्थापकों में से एक था, हुआंग-ती (पीला सम्राट), जिसने ईसा पूर्व तीसरी सहस्राब्दी में ₹हुआंग-ती नेजिंग₹ नामक इंटरनल मेडिसिन का सिद्धांत लिखा था. क्या यूनेस्को इन्हें भी विश्व विरासत में शामिल करेगा? यहूदी सार्वजनिक स्वास्थ्य मामलों में अग्रणी थे. मिस्र के पापयिरी से हिब्रू साहित्य तक को खंगालने पर इसका उल्लेख मिल जाता है. हालाँकि, ममियों के संरक्षण से उस दौर में होने वाली कुछ बीमारियों का पता चलता है, जिनमें गठिया, हड्डियों का क्षय रोग, गाउट, दांतों की सड़न, मूत्राशय में पथरी, और पित्त की पथरी शामिल हैं; परजीवी रोग सिस्टोसोमियासिस के भी सबूत मिले हैं, जो आज भी एक अभिशाप बना हुआ है. लेकिन उस समय सिफिलिस या रिकेट्स जैसी कोई बीमारी नहीं थी. बाइबल में प्राचीन इज़राइल की चिकित्सा पद्धतियों के बारे में बहुत कम जानकारी है. लेकिन यक़ीन मानिये, आयुर्वेद को जिस दिन यूनेस्को विश्व विरासत की सूची में शामिल किया जायेगा, एक नया मोर्चा खुलना अवश्यम्भावी है. संभवतः, पीएम मोदी को नया मोर्चा खोलने में आनंद आता है.2006 के फ्रैंकफर्ट विश्व पुस्तक मेले में महाश्वेता देवी के उदबोधन को आज भी यूरोप भूल नहीं पाया, ₹ सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज की ब्लू टूथ पीढ़ी तक फैला हुआ है भारत का इतिहास. इस देश में दो भारत बसते हैं- प्रकाश का भारत और छाया का भारत. हमारी संस्कृति में कई विरोधाभास दिखाई देते हैं, जो आपस में गुंथे धागों की तरह जटिल रूप से बुने, और अभिन्न हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> 59 चयनित क्षेत्रों के साथ, इटली सबसे अधिक साइटों वाला देश है; इसके बाद चीन 57, और फ्रांस और जर्मनी 52-52 साइटों के साथ दूसरे स्थान पर है. विश्व विरासत स्थल, यूनेस्को की समिति द्वारा चयनित होते हैं; और यही समिति इन स्थलों की देखरेख यूनेस्को के तत्वावधान में करती है.

मीडिया में अन्यत्र

बाइडेन का दौड़ से बाहर निकल आना

वर्ष 2024 के अमेरिकी चुनाव में अब चार महीने और डेमोक्रेटिक पार्टी के सम्मेलन में महीने भर से कम समय बचा है. इतने कम समय में मौजूदा राष्ट्रपति और अपनी पार्टी की ओर से दोबारा राष्ट्रपति पद के अपेक्षित दावेदार जो बाइडेन (81) ने इस दौड़ से अपने-आप को हटा लिया है और उन्होंने अपनी साथी उम्मीदवार उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का राष्ट्रपति की उम्मीदवारी के लिए समर्थन किया है. श्री बाइडेन ने अपने हाथ तब खींचे हैं, जब डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सदस्य बीते कई महीनों से उन्हें सार्वजनिक गलतियों और अपने भाषणों में अटकने की वजह से हटने की अपील कर रहे थे. कहा जा रहा था कि अपनी उम्र की वजह से वे इस तरह की गलतियां कर रहे हैं. उनके कदम खींचने से डेमोक्रेटिक पार्टी के कई लोग हैरान हैं, क्योंकि उनके अभियान समिति के अध्यक्ष जेन ओ'मैली डिल्लन ने कहा था, "वे पीछे नहीं हटने वाले." श्री बाइडेन के इस फ़ैसले ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी चकित कर दिया है. माना जा रहा है कि इन नेताओं ने जो बाइडेन को निजी तौर पर पहले ही बताया था कि अगर इस चुनाव में डेमोक्रेट को जीत की ज़रा भी गुंजाइश बरकरार रखनी है, तो मजबूत उम्मीदवार के पक्ष में श्री बाइडेन को इस रेस से हट जाना चाहिए. ऐसा उन्होंने तब कहा था, जब वे आमने-सामने के मुकाबले में पूर्व राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के साथ बुरी तरह पिछड़ गए थे. इस चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार कौन होगा, आधिकारिक तौर पर तो इसका पता आंतरिक वोट के बाद पार्टी के सम्मेलन में ही चलेगा, लेकिन सुश्री कमला हैरिस के लिए अमेरिका के इतिहास में पहली भारतीय मूल की और अश्वेत व्यक्ति (महिला) के तौर पर दावेदारी पेश करने की संभावनाएं लगातार मजबूत होती जा रही हैं. वे 2016 के चुनाव में श्री ट्रंप के खिलाफ हिलरी क्लिंटन की दावेदारी के बाद ऐसा करने वाली अमेरिकी इतिहास की महज दूसरी महिला उम्मीदवार हो सकती हैं. सुश्री हैरिस के पक्ष में जो चीजें काम कर रही हैं उनमें सबसे पहला स्वाभाविक कारण तो यह है कि वे अमेरिकी संविधान के तहत पद के मामले में दूसरे नंबर पर मौजूद हैं और उनसे उम्मीद की जा ही है कि वे चुनाव अभियान में $100 (सौ करोड़ मिलियन डॉलर) का कोष जुटा सकती हैं. कमजोर पक्ष की बात करें, तो राष्ट्रीय स्तर पर वे अपेक्षाकृत कम चर्चित शख्सियत हैं. साथ ही, रिपब्लिकन ने उनकी छवि को वामपंथी राजनीतिक मूल्यों की संरक्षक के तौर पर गढ़ने में जरा भी देर नहीं की. जैसे, गर्भपात के संवैधानिक अधिकार के

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उपर/ ऊपर

ऊपर पंखा चलता है, नीचे मुन्ना सोता है, सोते-सोते भूख लगी, खा ले बेटा मूंगफली, मूंगफली में दाना नहीं, हम तुम्हारे मामा नहीं. छोटे बच्चों के लिए यह एक प्यारा-सा गीत है. ऐसा ही प्यारा गाना है जवानों के लिए- ऊपरवाला दुखियों की नाहीं सुनता रे, कौन है जो उसको गगन से उतारे. साहित्यप्रेमियों के लिए आचार्य जानकी बल्लभ शास्त्री रचित यह मेघगीत है-ऊपर-ऊपर पी जाते हैं, जो पीने वाले हैं, कहते ऐसे ही जीते हैं जो जीनेवाले हैं. इन तीनों गीतों में ऊपर शब्द सबसे ऊपर यानी सबसे पहले नजर आता है और इसका प्रयोग हर हिंदीभाषी चौबीस घंटे में सैकड़ों बार कर देता है, लेकिन जब लिखने की बात आती है तो बहुत सारे लोग गलती कर बैठते हैं. यानी ऊपर को उपर लिखते हैं और उसे वैसा लिखते-लिखते पूरी जिंदगी काट देते हैं. ऐसा लिखनेवाले यदि पत्रकार या साहित्यकार हुए तो अखबारों और पुस्तकों के पन्नों पर भी वह गलती तैरती नजर आने लगती है. कुछ शब्द तो इनकी देखा-देखी ऐसे ही चलन में भी आ जाते हैं. वास्तविकता यह है कि उपर कोई शब्द नहीं है, बल्कि ऊपर का बिगड़ा हुआ रूप है. हालांकि संस्कृत में उपरि शब्द है-उपरि+उक्त=उपर्युक्त, यानी ऊपर कही गयी बात. फिर भी इस शब्द का उदाहरण देकर 'उपर' का औचित्य साबित नहीं किया जा सकता. ऊपर क्रिया विशेषण है, जिसका मतलब है ऊंचे स्थान पर, ऊंचाई पर, आकाश की ओर. उदाहरण के लिए तस्वीर बहुत ऊपर है, नहीं पहुंच पाओगे. इसका मतलब आधार पर, सहारे पर भी है. जैसे पुस्तक मेज के ऊपर है. मेरे ऊपर कृपा कीजिए. ऊपर का मतलब है ऊंची श्रेणी में, उच्च कोटि में. जैसे इनके ऊपर कई कर्मचारी हैं. जब हम कहते हैं कि हमें यहां आये दो घंटे से ऊपर हो गये तो इसका मतलब है दो घंटे से अधिक हो गये. ऊपर शब्द के अन्य अर्थ इस प्रकार हैं-प्रकट में, जाहिरी तौर पर, बाहर में, अतिरिक्त, परे, प्रतिकूल.

यह है सोने का अर्थ-शास्त्र

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

सोने का अर्थ-शास्त्र मुझे आजतक समझ में नहीं आया, फिर वह सोना चाहे धातु वाला सोना हो, चाहे जाग्रत अवस्था का विलोम हो. सोना दिन ब दिन मंहगा होता चला जा रहा है. चह चढ़ता है तो चढ़ता ही चला जाता है और लुढ़कता है तो लुढ़कता ही चला जाता है. अजब तमाशा है ! यही हाल जाग्रत अवस्था के विलोम, सोने का है. कभी नींद आ जाती है, कभी नहीं आती. आती तो खूब आती है, नहीं आती तो आने का नाम ही नहीं लेती. जब आती है तो व्यक्ति के पूरे वजूद पर छा जाती है. लबादे की तरह उसके व्यक्तित्व को ढंक लेती है. बड़ी रहम दिल है. भूखे के लिए भोजन बन जाती है, प्यासे के लिए पानी, ठण्ड में गर्माहट और गरमी में ठंडक देती है. नींद में अनिकेतन को घर मिल जाता है, मित्र-विहीनों को मित्र मिल जाते हैं. थके हुओं को आराम मिलता है और चोट खाए लोगों के लिए नीद मरहम का काम करती है. सोते वक्त बदकिस्मत, खुशकिस्मत हो जाते हैं. नींद के आगोश में सब बराबर हो जाते हैं. सोने का कोई समय निश्चित नहीं होता. समय-असमय आप कभी भी सो सकते हैं. नींद भला कब बुरी लगती है? रात तो सोने के लिए है ही, सुबह की एक झपकी भी थोड़ा और तरोताजा कर देती है. भोजनोपरांत दोपहर का अल्प विश्राम आदमी को स्फूर्ति देता है. शांत वातावरण सोने के लिए सहायक है, माना. पर नींद का मारा शोरगुल में भी आसानी से सो सकता है. भाषण सुनते समय न जाने कितने श्रोता, श्रोता नहीं रह पाते- 'सोता' हो जाते हैं. नेता जी भाषण देते रहते हैं, श्रोता सोते रहते हैं. संसद की कार्यवाही चलती रहती है, सांसद झपकियां लेते रहते हैं. आजकल वे मुख्यतः दो ही काम करते हैं - या तो सोते हैं या चिल्लाते हैं. संगीत की महफिलों में संगीत-प्रेमी संगीत सुनते-न-सुनते नींद में डूब जाते हैं. संगीत उन्हें थपकियां देकर सुलाने का काम करता है. छात्र अपनी कक्षाओं में अक्सर सोते हुए देखे जा सकते हैं. धर्म भीरु लोग धार्मिक प्रवचन सुनने जाते हैं, घर में इन बड़े-बूढ़ों को नींद नहीं आती. सो प्रवचन सुनते सुनते सो जाते हैं. मुबारक हैं वे जिन्हें नींद आती है. हम हैं कि रात रात भर जागते रहते हैं. तारे गिनते रहते हैं. मन्त्र पढ़ते रहते हैं. अनुलोम-विलोम करते रहते हैं. करवटें बदलते रहते हैं, और नींद नहीं आती. आज के इस तनाव भरे माहौल में नींद आ जाना, सोना खरीदना जैसा हो गया है. पच्चीस-तीस हज़ार खर्च करके दस ग्राम सोना तो शायद आप खरीद भी लें, लेकिन नींद खरीद पाना संभव नहीं है. हां, आप चाहें तो जागते रह कर भी सो सकते हैं. ऐसे में भला आपको कौन जगा सकता है? कितनी ही ऐसी समस्याएं हैं कि जिन्हें जानते हुए भी उनपर सरकार सोती रहती है, सो जाती है. आप उसे जगाने के लिए फिर कितना ही हल्ला क्यों न मचाएं, हल्ला बोल ही क्यों न दें, सरकार जागती नहीं. आप भले ही हल्ला मचाते मचाते थक कर सो जाएं.

लाइफ लाइन

एनीमिया दूर करेंगे ये होममेड ड्रिंक

एनीमिया यानि रक्त की अल्पता अपने देश की आम समस्या है. दुनियाभर में सबसे अधिक एनीमिया रोगी (39.86 प्रतिशत) भारत में हैं. पुरुषों की तुलना में महिलाओं को यह समस्या अधिक परेशान करती है. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किये गये पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, देश के केंद्रशासित प्रदेशों में से आधे से अधिक बच्चे और महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं. इस समस्या के कारण न सिर्फ थकान महसूस होती है, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी शुरू हो सकती हैं. एनीमिया से उबरने के लिए महंगे टॉनिक की जगह आज बात कुछ ऐसे ड्रिंक की जो शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने में मददगार हो सकती है-

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

चुकंदर का जूस

चुकंदर आयरन का अच्छा स्रोत है. यह रक्तवर्द्धक माना जाता है. चुकंदर, आयरन के अच्छे स्रोतों में से एक है और इसका सेवन एनीमिया के मरीजों के लिए फायदेमंद है. इसमे फोलेट, विटामिन सी, पोटैशियम, मैग्नीशियम, और फाइबर भी पाया जाता है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है. इसके रस का नियमित सेवन शरीर में खून को बढ़ाता है.

ऐसे बनाएं
चुकंदर को छीलकर छोटे टुकड़ों में काटें और ब्लेंडर में पीसकर जूस बना लें.

पालक और सेब का जूस

पालक आयरन बेहतर स्रोत है. जो हीमोग्लोबिन के निर्माण में मदद करता है. इसमें मौजूद विटामिन जैसे पोषक तत्व आपकी इम्यूनिटी का बूस्ट करते हैं. वहीं सेब में कई तरह विटामिन होते हैं, जो आयरन के अवशोषण में मदद करते हैं. नींबू का विटामिन सी भी आयरन को अवशोषित करता है.

ऐसे बनाएं
ताजे पालक के पत्तों और सेब को ब्लेंडर में डालें और अच्छी तरह से पीस लें. अब इसमें नींबू का रस मिलाएं. चाहें तो जरा सा काला नमक भी.

काले तिल और शहद का ड्रिंक

काले तिल में आयरन की मात्रा बहुत अधिक होती है. साथ ही प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, मैंगनीज, फाइबर, कार्ब्स, हेल्दी फैट्स आदि मौजूद होते हैं. शहद में एंटीऑक्सीडेंट होता है. शहद ड्रिंक के स्वाद को बेहतर भी बनाता है.

ऐसे बनाएं
काले तिल को रात भर भिगो दें. सुबह तिल को पीसकर शहद के साथ मिलाएं. अब इसे पानी या दूध के साथ मिलाकर पिएं.

पालक-पाइनएप्पल जूस

पालक आयरन का रिच स्रोत है. यह रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है. वहीं पाइनएप्पल विशेष रूप से मैंगनीज़, कॉपर, विटामिन-बी6 और सी से भरपूर होता है. इसमें आयरन, कैल्शियम, फॉसफोरस, ज़िंक, कोलीन, विटामिन-के और बी की भी कुछ मात्रा होती है.

ऐसे बनाएं
पालक की साफ की हुई पत्तियों के साथ पाइनएप्पल के टुकड़े डाल कर ब्लेंडर में चलाएं. चाहें तो स्वादानुसार नमक मिलाएं.

संतरा और गाजर का जूस

गाजर आयरन का बहुत अच्छा स्रोत है. वहीं संतरा विटामिन सी से भरपूर होता है जो आयरन के अवशोषण को बढ़ाता है. इस जूस के सेवन से रक्त की कमी दूर होती है.

ऐसे बनाएं
गाजर और संतरे को ब्लेंडर में डालें और अच्छी तरह ब्लेंड कर के जूस बनाकर पिएं.

अनार-खजूर जूस

अनार आयरन का अच्छा स्रोत है और इसमें विटामिन सी जाता और एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं. खजूर में आयरन, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन पाए जाते हैं. ये सभी न्यूट्रिएंट्स शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. खजूर का सेवन करने से आपका हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ सकता है.

ऐसे बनाएं
खजूर को पहले गर्म पानी में थोड़ी देर फूलने के लिए रख दें. अब अनार के साथ ब्लैंडर में चला कर सेवन करें.

प्रिस्क्रिप्शन ही नहीं एटिकेट्स भी साथ रखें

डॉ एके श्रीवास्तव
कंसलटेंट फिजीशियन, छाती व गहन रोग विशेषज्ञ

सबसे व्यस्त प्रोफेशन में एक है चिकित्सकों का प्रोफेशन. आमतौर पर अपने या अपनों की अस्वस्थता की स्थिति में बहुत उम्मीद के साथ उनतक लोग पहुंचते हैं. परिजनों या खुद की चिंता वाजिब है, लेकिन इस क्रम में कई बार ऐसी बात या काम वे कर जाते जो चिकित्सकों के लिए थोड़ा असुविधाजनक और कई बार काम को बाधित करने वाला होता है. सच पूछिए तो कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है. आइए, डॉक्टर के पास जाने पर किन-किन बातों का खयाल रखना चाहिए यह जानते हैं.

1. मोबाइल हो साइलेंट

अपना मोबाइल फ़ोन साइलेंट कर के डॉक्टर के चैम्बर में जाएं. डॉक्टरी जांच या गंभीर चर्चा के दौरान फ़ोन की घण्टी बजने से ध्यान भटक जाता है. डॉक्टर को इर्रिटेशन भी होती है.

2. मत कीजिए गूगलगिरी

गूगल या व्हाट्सएप का ज्ञान न बघारें. जिन लक्षणों और रिपोर्ट्स को ले कर आपने गूगल पर रात में रिसर्च किया उसके बारे में डॉक्टर 10-12 वर्ष पढ़ाई करते हैं, और क्लीनिकल अनुभव अलग. इसलिए डॉक्टर को पढ़ाने की चेष्टा न करें, उससे डॉक्टर क्षुब्ध होता है.

3. साइड इफेक्ट के लिए तैयार

दुनिया में ऐसी कोई दवा नहीं बनी जिसका साइड इफ़ेक्ट न हो. यदि इफ़ेक्ट है तो साइड इफ़ेक्ट भी हो सकता है. कमोबेश ही सही मग़र साइड इफ़ेक्ट के लिए तैयार रहें. यह अवधारणा गलत है कि आयुर्वेदिक या होमियोपैथी दवाइयों का साइड इफ़ेक्ट नहीं होता.

4. पुराने रिपोर्ट्स साथ

अपने साथ अपने सारे पुराने नए दस्तावेज़ जैसे पहले के प्रिस्क्रिप्शन या टेस्ट रिपोर्ट्स यहां तक कि मौजूदा दवाइयां भी रख ले जाएं. हो सकता है आपका डॉक्टर उन्हें देखने के लिए मांगे. यदि आप फॉलो अप में जा रहे हैं तो अपना हाल का पर्चा अवश्य ले कर जाएं, डॉक्टर को उसे देखते ही सारी बातें ध्यान में आ जाती हैं. यदि कुछ पूछना हो तो अपने पर्चे को दिखा कर ही पूछें क्योंकि डॉक्टर को आपकी सारी दवाएं या कंडीशन याद हो यह बिल्कुल आवश्यक नहीं है. आपके जैसे रोज़ वह कई मरीज़ देखता है.

5. रेग्यूलर दवा खा कर पहुंचे

यदि शुगर या बीपी की दवा चलती है तो डॉक्टर के पास जाने से पहले नियमित दवा खा कर जाएं ताकि डॉक्टर यह देखना चाहते हैं कि दवा खाने पर आपका बीपी या शुगर कैसा रह रहा है. यदि डॉक्टर फॉलो अप में कुछ टेस्ट के साथ बुलाते हैं तो दवा को नियमित रूप से चलते हुए पर करा कर जाएं, कोर्स या रेगुलर दवा में ब्रेक कर के टेस्ट न कराएं.

6. कोर्स पूरा करें

दवा का कोर्स पूरा करें. लक्षण ठीक होने का मतलब यह नहीं कि बीमारी पूरी तरह से ठीक हो गई हो. दवा का कोर्स पूरा करना आवश्यक है. यदि आप बीच में ही छोड़ देंगे तो बीमारी लौट कर वापस आ सकती है. बीच कोर्स में एन्टी बायोटिक जैसी दवा छोड़ने पर ड्रग रेजिस्टेंस भी उतपन्न होती है.

7. आप नजर में हैं

एक अच्छा डॉक्टर आपके चैम्बर में प्रवेश करने के साथ ही आपको ऑब्जर्व करता है. इसलिए यह न समझें कि डॉक्टर ने ध्यान नहीं दिया. बार-बार एक ही बात बोलना उचित नहीं. उससे डॉक्टर इर्रिटेट हो सकता है.

8. पैरवी पीछे

एक अच्छे डॉक्टर के लिए उसका हरेक मरीज़ महत्वपूर्ण होता है. यदि आपकी कोई पैरवी है तो पहले न बताएं. पहले डॉक्टर को न्यूट्रल हो कर काम करने दें. बाद में भले आप बता सकते हैं. ऐसे में डॉक्टर न प्रेशर में आएगा न ही बायस्ड होगा. यदि पैरवी ले कर गए हैं तो भी विनम्र हो कर ही पेश आएं.

9. दुराव-छिपाव नहीं

डॉक्टर के सामने हरेक बात सही और साफ साफ खुल के बताना चाहिए ताकि डायग्नोसिस में मदद हो. यदि आप कुछ छिपाएंगे तो डायग्नोसिस में देर होगी तथा आपको उपचार का उचित फ़ायदा नहीं मिलेगा. यदि डॉक्टर कोई हिस्ट्री ले तो पूरी कहानी न सुनाने लगें अपितु टू दी पॉइंट बताएं.

10. भरोसा जरूरी

यह बात का हमेशा ध्यान रखिए कि किसी भी डॉक्टर के लिए उसका मरीज़ बहुत महत्वपूर्ण होता है. वह अपनी पूरी ताकत से प्रयास करता है और यह चाहता है कि उसका मरीज जल्द स्वस्थ हो जाए या रहे. यदि मरीज़ अच्छे होंगे तो डॉक्टर का नाम भी तो होगा. इसलिए अपने डॉक्टर पर विश्वास और उसके उपचार पर भरोसा रखें.

11. बेमतलब फोन नहीं

यदि कोई डॉक्टर आपको अपना पर्सनल फ़ोन नंबर देता है (आप से अच्छे टर्म्स होने से) तो उसका दुरुपयोग न करें. घड़ी-घड़ी या छोटी-छोटी बातों के लिए तंग न करें क्योंकि आपका फ़ोन मरीज़ देखने के क्रम में बाधा डालता है. व्हाट्सएप पर मैसेज छोड़ सकते हैं. केवल इमरजेंसी में ही कॉल का प्रयोग करना चाहिए.

12. थोड़ा रिलेक्स रहें

बीपी लेते समय बात न करें, छटपट न करें, शांति से रिलैक्स हो कर दोनों पैरों को ज़मीन पर रख कर बैठे रहें. यह सुनिश्चित हो लें कि आप कम से कम 3 से 5 मिनट रिलैक्स हो कर बैठे हुए हों उसके बाद बीपी ली जा रही हो. यदि आप मरीज़ के साथ डॉक्टर के पास गए हों तो डॉक्टर से "सर कृपया मेरी भी बीपी जांच कर दें" न बोलें. बाहर अटेंडेंट से करवा लें.

13. पर्सनल लाइफ का रखें ध्यान

डॉक्टर भी एक इंसान है, उसकी भी अपनी पर्सनल लाइफ है, उसे हरवक्त ग्रांटेड लेना उचित नहीं. घर पर दिखाने के लिए मिलना या ऑड टाइम पे, कहीं पर भी अपनी मेडिकल कंडीशन डिस्कस करने लगना या बिना उसकी मर्ज़ी/अनुज्ञा के सलाह मांगने लगना ठीक नहीं है. इसके लिए सही जगह (क्लिनिक) और उचित समय का चुनाव करें डॉक्टर खुशी से आपकी मदद करेगा.

14. नो डिस्टर्बेंस प्लीज

कान में स्टेथोस्कोप लगाने के बाद बात सुनाई नहीं पड़ती, थोड़ा रुकें, स्टेथो उतारने के बाद अपनी बात जारी रखें. जब डॉक्टर स्टेथो से आपको चेक कर रहा होता है तो वो आपके सीने, हृदय या पेट की कुछ खास ध्वनियां सुन रहा होता है. इसलिए कृपया उस वक्त आप अपने मुंह से आवाज़ न निकालें, चुप रहें. शर्ट के ऊपर वाली जेब से कागज़, मोबाइल, कंघी, पैसे, (लेडीज़ भी ब्लॉउज़ में छोटा पर्स रखती हैं) इत्यादि बाहर निकाल लें, नहीं तो ध्वनि सुनने में अवरोध होता है.

15. जब हो बीपी जांच

बीपी की जांच करवाते वक्त अपने स्लीव्स को जबरदस्ती ऊपर की ओर न खींचें, इससे सकरा कपड़ा बांह में सिकुड़ कर जमा हो जाता है जिससे बीपी कफ़ बांधने में दिक्कत होती है. यदि आप शर्ट या पतला स्वेटर/विंड चीटर/फुल स्लीव टी-शर्ट पहले हैं तो कुछ करने की आवश्यकता नहीं है. उनके ऊपर से भी बीपी लेने में एरर नहीं आएगा. हां यदि जैकेट/कोट/मोटा स्वेटर इत्यादि पहने हैं तो डॉक्टर खुद उसे उतारने के लिए कहेंगे.

5 आसनों के जरिए पाए सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस से छुटकारा

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की परेशानी से बड़ी तादाद में लोग जूझते हैं यह कहना शायद गलत नहीं होगा. जिन लोगों को दफ्तर में लंबे समय तक बैठकर काम करना होता है उन्हें इस समस्या से खासा जूझना पड़ता है. बिगड़ी लाइफस्टाइल और सीटिंग जॉब की वजह से कई लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं. ऐसे में आप योग से अपनी इस समस्या का समाधान पूरा कर सकते हैं.

सूर्य नमस्कार

सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, गर्दन का दर्द या फिर कंधों में दर्द की समस्या को आप सूर्य नमस्कार से दूर कर सकते हैं. सूर्य नमस्कार करते समय हमारा शरीर कई मुद्राओं में मूवमेंट करता है जिससे शरीर को फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है जो गर्दन और रीढ़ को स्वस्थ रखने के लिए लाभदायक है. इसे करने से आपकी कमर, गर्दन और कंधों का दर्द दूर होगा.

भुजंगासन

शरीर की रीढ़ का लचीला होना बेहद जरूरी है. ऐसा नहीं होने पर कमर में दर्द बढ़ने का खतरा बना रहता है. यह आसन रीढ़, गर्दन और कंधों की अकड़न को कम करने में मदद करता है जिससे सर्वाइकल की बीमारी से निजात पाई जा सकती है.

मकरासन

सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस के ट्रीटमेंट के लिए यह भी एक बेहतरीन आसन है. इससे हमारी रीढ़ की हड्डी अपने कुदरती आकार में बनी रहती है और यह रीढ़ की नसों के लिए भी काफी फायदेमंद एक्सरसाइस है जिससे गर्दन और कंधों का दर्द दूर होता है.

मार्जरासन

यह आसन आपकी रीढ़ की हड्डी को फ्लेक्सिबल रखने के साथ-साथ उसे एक तरह का मसाज भी देता है. यह गर्दन, कमर और रीढ़ को स्वस्थ रखने का एक बेहद उपयोगी आसन हैं.

अर्ध नौकासन

गर्दन, कमर और कंधों का दर्द दूर करने के अलावा यह आसन आपको कई और तरीकों से लाभ देता है. यह आसन खराब पाचन शक्ति, कॉन्सटिपेशन को भी दूर करने में मदद करता है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

झारखंड की औषधीय लता "मालकांगनी"

झारखंड में मालकांगनी नामक औषधीय लता काफी मिल जाती थीं. झारखंड में इसे मूंजनी के नाम से जाना जाता है. हिंदी में मालकांगनी एवं ज्योतिष्मती, बंगाल में लताफटकी और मालकांगनी भी कहते हैं. लैटिन में सिलेस्ट्रस पेनिकुलेटा और अंग्रेजी में स्टाफ ट्री कहते हैं. झारखंड में लगभग सभी पारंपरिक वैद्य ट्यूबरक्लोसिस यानि टीबी रोग में इसका सेवन करवाते हैं या थे. मंदबुद्धि बच्चे के लिए, बुद्धि और स्मृति को तीव्र करने के लिए उपयोग करते हैं. कफ, चर्मरोग, वात में भी उपयोग करते हैं. इसका तेल बाजार में ज्योतिष्मती तेल या मालकांगनी का तेल कह कर बिक्री होता है.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

एक वृक्षारोही लता है मालकांगनी जो अधिकतर वनों में पाई जाती है. फूल छोटे छोटे पांच पंखड़ी के झूमकदार होते हैं. फल भी एक दण्डी में बराबर झूमकदार रूप में भरे रहते हैं. फल का आकार मटर के बराबर होता है. कच्चे रहने पर हरा और पक जाने पर इसका रंग नीला हो जाता है.

इसके फल से 5 या 6 बीज निकलते हैं. इसके फल से ही तेल निकलता है. इसका उपयोग कुष्ठ निवारण, वातव्याधि, मलेरिया रोगी की वातवेदना में भी उपयोग किया जाता है. झारखंड में इसका बीज भी आय का साधन था, पर अव्यवहारिक दोहन और संरक्षण विहिन व्यवस्था के चलते यह लता वन से विलुप्त होती जा रही है. मेरे सर्वे के अनुसार ग्रामीणों से औने पौने दामों पर लेकर इसे लगभग 100 गुणा अधिक दामों पर भारत में बिक्री किया जाता है. यह एक औषधीय पौधों में बहुत ही मूल्यवान औषधि है, इसका संरक्षण और संवर्धन पर, प्रशिक्षण और उत्पादन पर राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, नई दिल्ली को ध्यान केंद्रित करना चाहिए.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक कार्यक्रमों के लिए पेरिस पहुंचीं नीता अंबानी, मैक्रों ने हाथ चूमकर किया ग्रीट

एजेंसी। पेरिस

फ्रांस के राष्ट्रपति ने नीता अंबानी का किया ग्रैंड वेलकम पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरुआती कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए नीता अंबानी पेरिस पहुंचीं, तो उनका ग्रैंड वेलकम किया गया. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी उनकी मुलाकात काफी खास रही. ग्रैंड स्टाइल में हुए उनके वेलकम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शामिल हुए, जिनसे नीता अंबानी की खास मुलाकात हुई. नीता अंबानी के पेरिस जाने के पीछे खास वजह है. इस साल पेरिस में ओलंपिक 2024 का आयोजन है और इसकी शुरुआत को एक दिन ही रह गए हैं. ओपनिंग सेरेमनी से ठीक पहले भी कई कार्यक्रम आयोजित होते है, जिसमें से एक का हिस्सा नीता अंबानी भी बनी हैं.

खास अंदाज में हुआ स्वागत

ओपनिंग सेरेमनी से ठीक पहले हुए एक ओलंपिक 2024 कार्यक्रम की एक बेहद खास झलक सामने आई है. ओलंपिक उद्घाटन समारोह से पहले एक कार्यक्रम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खास अंदाज में ग्रीट किया. सामने आई तस्वीर में आप देख सकते हैं कि नीता अंबानी ने गोल्डन वर्क वाला मरून सूट कैरी किया है और ठीक सामने खड़े इमैनुएल मैक्रों नेवी ब्लू सूट में हैं. विदेशी रॉयल वेलकम स्टाइल के अनुसार ही इमैनुएल मैक्रों नीता अंबानी के सामने झुककर उनका हाथ चूमते दिख रहे हैं. फ्रांस की रीति के अनुसार कुछ इसी तरह से महिलाओं को सम्मान दिया जाता है.

ओलंपिक शीतकालीन खेल 2030 की मेजबानी भी करेगा फ्रांस

पेरिस। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बुधवार को 2030 में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों की मेजबानी फ्रांस को सौंपने का फैसला किया, लेकिन इसके साथ उसने कुछ शर्तें भी जोड़ी हैं. इन खेलों का आयोजन फ्रेंच आल्प्स में किया जाएगा.

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आईओसी को आश्वासन दिया कि ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल 2024 के संपन्न होने के बाद जो भी सरकार गठित होगी वह आयोजन से संबंधित सभी शर्तों को पूरा करेगी. इन पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं. फ्रांस में नई सरकार के गठन के बाद जो भी व्यक्ति प्रधानमंत्री बनेगा उन्हें इन शर्तों पर हस्ताक्षर करने होंगे. आईओसी ने इसके लिए एक अक्टूबर की समय सीमा तय की है. आईओसी के सदस्यों ने उनके आश्वासन को स्वीकार करके फ्रांस को मेजबानी सौंपने के पक्ष में मतदान किया. फ्रांस की मेजबानी के पक्ष में 84 सदस्यों ने जबकि चार सदस्यों ने विरोध में मतदान किया. सात सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया. मैक्रों ने कहा, हम पर भरोसा दिखाने के लिए हम आपका आभार व्यक्त करते हैं. हम अपनी प्रतिबद्धताओं का पूरा सम्मान करेंगे. फ्रांस मेजबानी के लिए बोली लगाने वाला एकमात्र देश था.

भारतीय तीरंदाजों का लक्ष्य: अनुभवी तरुणदीप राय और दीपिका अपने चौथे ओलंपिक में भाग ले रहे हैं

ओलंपिक में पहला पदक जीतना चाहेगी टीम

भाषा। पेरिस

स्थान भी अलग होगा और वर्ष भी और एक नया ओलंपिक होगा लेकिन भारतीय तीरंदाजों का लक्ष्य वही पुराना होगा, ओलंपिक खेलों में पहला पदक जीतना. तीरंदाजी को ओलंपिक में 1988 में शामिल किया गया था और तब से भारतीय तीरंदाज लगभग हर ओलंपिक खेल में हिस्सा ले रहे हैं लेकिन अभी तक पोडियम तक पहुंचने में नाकाम रहे हैं. पेरिस ओलंपिक में भारतीय तीरंदाज बुधवार को लेस इनवैलिड्स गार्डन में क्वालीफिकेशन राउंड के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे. लंदन ओलंपिक 2012 के बाद यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम में सभी छह खिलाड़ी शामिल हैं. भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने रैंकिंग के आधार पर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, जिसका मतलब है कि इस बार भारतीय तीरंदाज पांच स्पर्धाओं में भाग लेंगे.

अनुभवी तरुणदीप राय और दीपिका कुमारी अपने चौथे ओलंपिक में भाग ले रहे हैं. उनकी अगुवाई में टीम को पसंदीदा ड्रॉ हासिल करने के लिए क्वालिफिकेशन में कम से कम शीर्ष 10 में जगह बनानी होगी. प्रत्येक तीरंदाज 72 तीर चलाएगा और क्वालिफिकेशन दौर में भाग ले रहे 53 देश के 128 खिलाड़ियों के स्कोर के आधार पर रविवार से शुरू होने वाली मुख्य नॉकआउट प्रतियोगिता के लिए वरीयता तय की जाएगी. भारतीय टीम के लिए क्वालीफिकेशन दौर महत्वपूर्ण होगा जो अक्सर निचली वरीयता हासिल करती रही हैं और ऐसे में नॉकआउट चरण में उन्हें दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत टीम का सामना करना पड़ता है. टोक्यो ओलंपिक में भारत के सभी पुरुष तीरंदाज शीर्ष 30 में जगह नहीं बना पाए थे जिससे भारतीय टीम को नौवीं वरीयता मिली थी. भारत की एकमात्र महिला तीरंदाज दीपिका ने नौवां स्थान हासिल किया था. भारत को तब अपने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था. भारत को पुरुष टीम से काफी उम्मीद है, जिसने इस साल शंघाई में विश्व कप के फाइनल में कोरिया को हराकर इतिहास रचा था.

तरुणदीप राय

दीपिका कुमारी

प्रवीण जाधव के रूप में भी अनुभवी खिलाड़ी शामिल

भारतीय टीम में राय और पिछले ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रवीण जाधव के रूप में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि युवा खिलाड़ी धीरज बोम्मादेवरा एक महीने पहले अंताल्या विश्व कप में टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता इटली के मौरो नेस्पोली को हराकर कांस्य पदक जीत कर उत्साह से लबरेज होंगे. महिला वर्ग में सभी की निगाहें दीपिका पर टिकी रहेंगी. उन्होंने मां बनने के 16 महीने के अंदर शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में रजत पदक जीत कर शानदार वापसी की थी. महिला टीम में उनके साथ देने के लिए अंकिता भक्त और भजन कौर हैं. इन दोनों का यह पहला ओलंपिक होगा लेकिन वह वर्तमान ओलंपिक चक्र में भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं और उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है. धीरज और दीपिका अगर रैंकिंग राउंड में शीर्ष पर रहते हैं तो फिर रिकर्व मिश्रित टीम में उनसे पदक की उम्मीद की जा सकती है. भारतीय तीरंदाज ओलंपिक में अभी तक क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं. भारत तीरंदाजी में केवल सिडनी ओलंपिक 2000 में क्वालीफाई नहीं कर पाया था. इसके अलावा उसने सभी ओलंपिक खेलों में भाग लिया लेकिन अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर पाया. पेरिस ओलंपिक में पुरुष टीम का फाइनल सोमवार को जबकि व्यक्तिगत एलिमिनेशन मंगलवार को शुरू होगा. मिश्रित टीम का फाइनल अगले शुक्रवार को तथा उसी सप्ताहांत में महिला और व्यक्तिगत फाइनल होंगे.

ओलंपिक : भारतीय मेंस और वीमेंस टेबल टेनिस टीम का एलान

पूरी जोश से ओलंपिक में उतरेगी टेबल टेनिस टीम

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय मेंस और वीमेंस टेबल टेनिस टीम का एलान कर दिया गया है. भारतीय मेंस टेबल टेनिस टीम में अजंता शरत कमल के अलावा हरमीत देसाई और मानव ठक्कर होंगे. वहीं, भारत की वीमेंस टेबल टेनिस टीम में मनिका बत्रा, सरेजा अकुला और अर्चना कामत को जगह मिली है.

भारत के लिए पुरुष वर्ग में शरथ कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर मैदान में होंगे. जबकि ज्ञानसेकरन को रिजर्व प्लेयर के तौर पर चुना गया है. वहीं, भारतीय वीमेंस टीम का दारोमदार मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ पर रहेंगी. अयहिका मुखर्जी रिजर्व प्लेयर के तौर पर पेरिस जाएंगी. इस मेगा इवेंट में भारत के लिए मेंस सिंगल्स में शरथ कमल और हरमीत देसाई चुनौती पेश करेंगे. जबकि वीमेंस सिंगल्स में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला पर मेडल जीतने का भार होगा.

- **मेंस टीम :** शरथ कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर- रिजर्वः ज्ञानसेकरन
- **वीमेंस टीम :** मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ- **रिजर्व:** अयहिका मुखर्जी
- **मेंस सिंगल्स :** शरथ कमल और हरमीत देसाई
- **वीमेंस सिंगल्स :** मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला.

रोजर फेडरर से मिलकर अभिभूत हुए अचंता शरत

- कहा– ओलंपिक में सबसे यादगार पल, रोजर फेडरर से मिलना

भाषा। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक और दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल के लिए ओलंपिक खेलों में सबसे यादगार पल महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर से मिलना रहा. शरत ने पहली बार 2004 में ओलंपिक खेलों में भाग लिया था और तब पहली बार उन्हें फेडरर से मिलने का मौका मिला था. इस 42 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरुष टीम इस बार पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर पाई है. शरत ने 2004 की यादों को ताजा करते हुए अल्टीमेट टेबल टेनिस से कहा, एक दिन मैं लंच करने के लिए जा रहा था तभी रोजर फेडरर मिला. मैं बहुत खुश था और हम एक ही टेबल पर खाना खा रहे थे. तभी एक और व्यक्ति आया. उन्होंने हाथ मिलाया. मैंने उसे दिखा. वह एंडी रॉडिक था.

भारतीय पुरुष टीम छठे और महिला टीम सातवें स्थान पर रही

नयी दिल्ली। भारत अमेरिका के ह्यूस्टन में आयोजित की गई विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप में पुरुष और महिला वर्ग में क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रहा. भारतीय पुरुष टीम पांचवें स्थान के लिए खेले गए मैच में इंग्लैंड से 1-2 से हार गई. शौर्य बावा ने पहला मैच जीतकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन युवराज वाधवानी और अयान वाजिलल्ली अपने मुकाबले हार गए. महिला टीम ने सातवें स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2-1 से हराया. भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शमीना रियाज पांच गेम तक चले मैच में हार गई. निरुपमा दुबे और उन्नति त्रिपाठी ने इसके बाद अपने मैच जीत कर टीम को सातवां स्थान दिलाया.

चुनौतियों का डटकर सामना करने वाला खिलाड़ी ही जीतेगा पदक

भाषा। मुंबई

पेरिस ओलंपिक में मानव कौशल का उत्कृष्ट नमूना देखने को मिलेगा लेकिन खेल मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि भारत के 117 खिलाड़ियों सहित इस खेल महाकुंभ में भाग ले रहे 10500 खिलाड़ियों में से कड़ी चुनौतियों का डटकर सामना करने और मानसिक दृढ़ता वाला खिलाड़ी ही पदक जीतने में सफल रहेगा. खिलाड़ियों को हालांकि सफलता और असफलता से निपटना सिखाया जाता है लेकिन ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं में दबाव काफी होता है. फोर्टिस हेल्थकेयर की खेल मनोवैज्ञानिक डॉ. दिव्या जैन ने कहा, खेलों में पहले ही बहुत अधिक दबाव होता है और जब आप ओलंपिक में भाग लेते हैं, तो आपको बहुत से उतार-चढ़ावों से गुजरना पड़ता है. खेलों में आपको हर दिन जीत और हार का सामना करना पड़ता है इसलिए यह हमेशा जीत हासिल करने से नहीं जुड़ा है. यह इससे जुड़ा है कि आप कितनी जल्दी वापसी करते हैं. जैन ने कहा, खिलाड़ियों पर अपेक्षाओं का दबाव होता है, उन्हें अपने परिवार से दूर रहना पड़ता है और वह खेलों को लेकर चल रही चर्चाओं के केंद्र में होते हैं. एक खिलाड़ी को इन सभी पहलुओं से मनोवैज्ञानिक स्तर पर निपटना पड़ता है. खिलाड़ी अगले कुछ सप्ताह में अपनी फॉर्म के चरम पर रहने का प्रयास करेंगे, लेकिन पदक वही खिलाड़ी जीतेंगे जो बाकी लोगों की तुलना में थोड़े अधिक दृढ़ और अपने लक्ष्य को लेकर केंद्रित होंगे.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सफलता सूत्र

एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे : दीप्ति शर्मा

भाषा। दाम्बुला

सीनियर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने कहा कि महिला टी20 एशिया कप में भारतीय टीम का सफलता का सूत्र एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करना है, क्योंकि जब टीम पिछली बार यहां खेली थी तब से लेकर अब तक परिस्थितियों में कोई विशेष बदलाव नहीं आया है. भारत ने ग्रुप ए के अंतिम मैच में मंगलवार को नेपाल को 82 रन से करारी शिकस्त दीजिए. इस मैच में शेफाली वर्मा ने 48 गेंद पर 81 रन की तूफानी पारी खेली थी जबकि दीप्ति ने 13 रन देकर 3 विकेट लिए थे. भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 178 रन बनाए और इसके बाद नेपाल को निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 98 रन पर रोक दिया था. दीप्ति ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, हम पहले मैच से ही प्रत्येक मैच और प्रत्येक परिस्थिति को लेकर काफी आश्वस्त हैं. अब हमारी निगाह सेमीफाइनल पर है. भारतीय टीम इससे पहले जून 2022 में यहां खेली थी और दीप्ति ने कहा कि तब से लेकर अब तक परिस्थितियों में कोई खास बदलाव नहीं आया है. उन्होंने कहा, कुछ भी नहीं बदला है. हमने इसे सरल बनाए रखा है और हमारा ध्यान केवल अगले मैच पर केंद्रित रहता है. मैं पिछली बार भी यहां खेली थी और तब से कोई बदलाव नहीं आया है. हमें खुद पर भरोसा है और परिस्थितियां पहले जैसी हैं. इस ऑफ स्पिनर ने अभी तक तीन मैच में 8 विकेट लिए हैं और उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की स्थिति में गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहती हैं. दीप्ति ने कहा, मैं किसी भी तरह की स्थिति में गेंदबाजी करने के लिए हमेशा तैयार रहती हूं. मुझे चुनौतियों का सामना करना पसंद है. मैं इनका पूरा लुत्फ उठाती हूं. गेंदबाजी इकाई के रूप में हमने अभी तक वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है.

प्रेरणा हाई जंपर सर्वेश कुशारे ने स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा से सीखा है...

‘विरोधी से डरना नहीं, अपनी ट्रेनिंग पर फोकस रखो’

भाषा। नयी दिल्ली

खास बातें

- गांव में चारे के मैट में ट्रेनिंग करते रहे हैं ये हाई जंपर
- ऊंची कूद के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय

गांव में चारे के मैट पर अभ्यास से पेरिस ओलंपिक तक का सफर तय करने वाले हाई जंपर सर्वेश कुशारे को अपनी तैयारियों और भारतीय एथलेटिक्स के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से मिले इस मूलमंत्र पर यकीन है कि प्रतिद्वंद्वियों की ख्याति से डरे बिना बस अपनी ट्रेनिंग पर फोकस रखो. कुशारे ओलंपिक ऊंची कूद के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं. अभ्यास के दौरान 2.30 मीटर का आंकड़ा पार कर रहे कुशारे को अपनी कड़ी मेहनत और टोक्यो ओलंपिक में भालाफेंक में स्वर्ण पदक जीतकर एथलेटिक्स में भारत का खाता खोलने वाले नीरज की सलाह पर पूरा यकीन है. ओलंपिक में ऊंचे कद और भारी डील-डौल वाले प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार पांच फुट नौ इंच के कुशारे ने पोलैंड के वारसॉ से भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, मेरा बस कद ही छोटा है लेकिन हम भी भीतर से बहुत मजबूत हैं. प्रतिद्वंद्वी की कद काठी देखकर कोई डर नहीं लगता. सही समय पर शीर्ष फॉर्म में रहना महत्वपूर्ण है. महाराष्ट्र के नाशिक से कुछ किलोमीटर दूर देवरगांव के रहने वाले 29 वर्ष के इस एथलीट ने कहा, अभी तो काफी समय से नीरज भाई से मुलाकात नहीं हुई है, लेकिन जब पिछली बार मिले थे तो उन्होंने कहा था कि ट्रेनिंग पर फोकस करो और विरोधी खिलाड़ियों की ख्याति से डरना नहीं है. वह हमेशा टिप्स देते रहते हैं. हमारे आदर्श नीरज चोपड़ा ही हैं, जिन्होंने एथलेटिक्स में पहला ओलंपिक पदक जीतकर हमारे भीतर भी आत्मविश्वास भरा. हम भी उनकी तरह बनना चाहते हैं और देश का मान बढ़ाना चाहते हैं. पंचकूला में जून में अंतर प्रांत राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2.25 मीटर की रिकॉर्ड कूद के साथ स्वर्ण जीतने वाले कुशारे ने क्वालिफिकेशन प्रक्रिया में 23वां स्थान हासिल करके पेरिस का टिकट कटाया. उन्होंने कहा, जून से पहले मेरी रैंकिंग 36 चली गई थी, क्योंकि मई में जब पूरी दुनिया में स्पर्धाएं चल रही थीं, मैं नहीं खेल सका था. ओलंपिक खेल सकूंगा कि नहीं. मैं काफी दबाव में आ गया था लेकिन फिर मलेशिया, कजाखस्तान और पंचकूला में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके क्वालीफाई किया. उन्होंने कहा, टखने की चोट के कारण बहुत दिक्कतें आई थीं, लेकिन अब अच्छा अभ्यास करके मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है.

राजस्थान में खेलों के लिए बजट को चरणबद्ध दोगुना किया जाएगाः खेल मंत्री

जयपुर । राजस्थान सरकार खेलों के लिए अपने बजट को चरणबद्ध रूप से दोगुना करेगी तथा युवाओं के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए खेल नीति बनाएगी. युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार रात विधानसभा में यह जानकारी दी. राठौड़ ने कहा, हम युवा एवं खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना चाहते हैं. बजट में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किये गए हैं. राजस्थान खेल आधुनिकीकरण मिशन की स्थापना करते हुए खेल क्षेत्र के लिए गत वर्ष की 475 करोड़ रुपये की बजट राशि को चरणबद्ध रूप से दोगुना किया जाएगा. वह विधानसभा में युवा मामले एवं खेल विभाग (मांग संख्या-26) की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे.

टेस्ट क्रिकेट में एक दिन में 600 रन बना सकता है इंग्लैंडः ओली पोप

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप का मानना है कि उनकी टीम टेस्ट क्रिकेट में एक दिन के अंदर 600 रन बना सकती है और इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया कि वे बल्लेबाजी में आक्रामक शैली ‘बैजबॉल’ से पीछे हट रहे हैं. टेस्ट क्रिकेट में एक दिन में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम पर ही है. उसने 1936 में भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए मैच के दूसरे दिन 6 विकेट पर 588 रन बनाए थे और पोप का मानना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम इस रिकार्ड को तोड़ सकती है. पोप ने बीबीसी स्पोर्ट’ से कहा, कभी-कभी हम एक दिन में 280 या 300 रन बना सकते हैं क्योंकि हम परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझते हैं. ऐसा भी हो सकता है कि भविष्य में कभी ऐसा दिन आए जब हम 500 से 600 रन बना लें और यह अच्छा रिकॉर्ड होगा. इंग्लैंड ने दिसंबर 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट मैच के पहले दिन 506 रन बनाए थे. इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही तीन मैच की श्रृंखला में अभी 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर रखे हैं.

ब्रीफ खबरें

पटना में दिनदहाड़े 12 लाख की चोरी

पटना। शहर में दिनदहाड़े चोरों ने चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया है. चोर बंद घर से 12 लाख की ज्वेलरी लेकर फरार हो गए हैं. घटना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया. पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है. दरअसल, मामला बायपास थाना क्षेत्र की है, जहां दिन के उजाले में हो चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है. बताया जा रहा है कि छोटी पहाड़ी स्थित इंद्रलोक नगर में बीते मंगलवार को अनुराधा कुमारी अपने फ्लैट को बंद कर मार्केट चली गईं. जब वह लौटी तो देखी की घर में चोरी हो गयी है.

दो पक्षों में मारपीट, युवक की मौत

गोपालगंज । जिले के कटेया थाना क्षेत्र के इंदरवा खदई गांव के पास दो पक्षों के बीच हुए विवाद में बीच बचाव करने पहुंचे एक युवक की आरोपियों ने जमकर पिटाई कर दी. इससे युवक बुरी तरह जख्मी हो गया. जिसका इलाज स्थानीय निजी अस्पताल में कराया गया. इलाज के बाद युवक अपने घर चला गया लेकिन मंगलवार की रात उसकी मौत हो गई. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है. मृतक की पहचान इंदरवा खदई गांव निवासी स्वर्गीय रामदेव चौहान के 30 वर्षीय बेटा पिंटू चौहान के रूप में की गई.

फ्लिपकार्ट कर्मी से 8 लाख रुपए की लूट

मोतीहारी। मोतिहारी में अपराधियों ने फ्लिपकार्ट कर्मी से दिनदहाड़े बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया है. अपराधियों ने दिनदहाड़े पहले फ्लिपकार्ट कर्मी को गोली मारी फिर 8 लाख रुपये लेकर फरार हो गए. कर्मी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है. घटना नगर थाना क्षेत्र के देवरहा बाबा मठ के समीप का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कर्मी फ्लिपकार्ट कम्पनी से मेन ब्रांच में रुपया जमा करने जा रहा था, इसी दौरान घटना घटी. दिनदहाड़े हुई लूट की घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर भारी बवाल किया.

पटना : विधानसभा घेराव करने की कोशिश
यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

संवाददाता।पटना

बिहार विधानसभा का घेराव करने निकले यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर बुधवार को पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज किया. पटना में बिहार विधानसभा घेराव के दौरान यूथ कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास समेत प्रदेश युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर जोरदार लाठीचार्ज हुआ. इस दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बिहार सरकार और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की. हालांकि विधानसभा की ओर कूच करते यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पहले रुकने को कहा लेकिन जब वे आगे बढने पर अड़े रहे तो पुलिस ने बल प्रयोग किया. दरअसल, नीट पेपर लीक मामले को लेकर पटना में भारी बवाल हुआ. यूथ कांग्रेस ने इसे लेकर एनडीए सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया और आरोपियों पर कार्रवाई तथा बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करने को लेकर आवाज बुलंद की. हालांकि पटना के बोरिंग रोड चौराहे पर पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की. बाद में यूथ कांग्रेस और पटना पुलिस आमने सामने हो गई. पुलिस ने कांग्रेस नेताओं पर लाठी चार्ज किया. इस दौरान यूथ कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं को चोट भी आई. पुलिस के लाठीचार्ज के बाद भीड़ तितर-बितर हुई.

बिहार विस का मानसून सत्र चल रहा है. यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की कोशिश इसी सत्र के दौरान विस के बाहर पहुंचकर वहां धरना-प्रदर्शन करने की थी. वहीं पुलिस ने पहले ही उन्हें आगे नहीं जाने को कहा. बावजूद इसके यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अपनी जिद पर अड़कर आगे बढने की कोशिश की. पुलिस और यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आमने सामने होने से कुछ समय के लिए बोरिंग रोड पर हंगामा मचा रहा.

परीक्षा में गड़बड़ी करने पर पांच से 10 साल तक की सजा

- बिहार लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक पारित
- एक करोड़ तक जुर्माना भी लगेगा

संवाददाता।पटना

बिहार विधानमंडल में बिहार लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक 2024 विधेयक पास हो गया है. इसमें परीक्षा में गड़बड़ी करनेवालों पर न सिर्फ एक करोड़ रुपए के जुर्माना का प्रावधान किया गया है. इसके साथ पांच से 10 साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है. बिहार में एक बार पहले भी प्रयास हुआ था 1981 में, जब परीक्षा में नकल करने की प्रवृत्ति बढ़ी थी, तब एक कानून आया था,लेकिन वह कानून इतने सख्त नहीं थे 6 माह तक की सजा और 2000 जुर्माना का प्रावधान किया गया था. अब पहली दफा सख्त सजा देने का प्रावधान किया गया है.

गड़बड़ी करने वालों को भी तीन-चार श्रेणी मानी गई है. जिसमें अपने स्तर से गड़बड़ी में 3 से 4 साल की सजा और 10 लाख तक जुर्माना का प्रावधान है. सेवा प्रदाता कंपनी, नियुक्ति या सेवा के लिए एजेंसी हायर करते हैं वो अगर गड़बड़ी की जाती है उसमें और सख्त कानून बनाया गया है. उनको एक करोड़ रुपये तक के जुर्माना का प्रावधान किया गया है.

बिहार विस में सीएम नीतीश कुमार ने लगायी फटकार, बोले-
आप सब को भी हाय हाय हैं, हाय हाय... हाय हाय

संवाददाता।पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक से सदन में 'हाय-हाय' करने लगे. सीएम नीतीश के हाय-हाय करने का कारण विपक्ष के प्रति उनकी नाराजगी रही. विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में कार्यवाही शुरू होते ही भारी हंगामा किया गया. यहां तक कि स्पीकर नंद किशोर यादव के बार बार के अनुरोध के बाद भी विपक्षी सदस्यों पर कोई असर नहीं पड़ा. हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्य बार बार सीएम नीतीश की ओर इशारा करके उनके खिलाफ 'हाय-हाय, हाय-हाय' का नारा लगाते रहे. लेकिन विपक्ष के इस विरोध के खिलाफ खुद सीएम नीतीश ने उठ खड़े हुए. उन्होंने कहा, आप सब हाय हाय हैं, हाय हाय... हाय हाय. अगर हमारी बात नहीं सुनना है तो यह आपकी गलती है . सदन में इसी तरह काफी देर पर हंगामा होता रहा. विपक्ष के सदस्य आसन के समीप आकर हंगामा करते और बार बार स्पीकर के अनुरोध पर भी वे वापस नहीं गए. इस पर स्पीकर ने विपक्षी सदस्यों को कहा कि आपकी मंशा साफ दिखती है कि आप लोग सिर्फ हंगामा करना चाहते हैं. हालांकि उनकी बातों का विपक्ष पर कोई असर नहीं पड़ा. अंततः सदन शुरू होने के करीब 28 मिनट बाद भी कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई.

दरअसल, पूरा मामला तब शुरू हुआ जब रिजर्वेशन को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर विपक्ष के सदस्य वेल में पहुंच गए. उन्होंने जमकर नारेबाजी की. इस दौरान वेल में लगातार आक्रामक तरीके से अपना विरोध जता रहे सदस्यों के खिलाफ स्पीकर गुस्से में दिखे. स्पीकर नन्द किशोर यादव ने कांग्रेस विधायक मुन्ना तिवारी को सदन से बाहर करने को कहा. इस दौरान मार्शल और विधायक में धक्का मुक्की भी हुई. साथ ही पोस्टर छीना गया. वहीं विपक्ष के विरोध पर संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार ने बिहार में बढ़ाए गए आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने को लेकर पहले ही प्रस्ताव भेज दिया गया है.

भड़के नीतीश ने कहा- अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो...

वहीं सदन में हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों पर सीएम नीतीश भी भड़क गए . उन्होंने राजद की एक महिला विधायक पर भड़कते हुए कहा कि अरे महिला हो कुछ जानती हो? मसौढ़ी की राजद विधायक रेखा देवी को सख्त नसीहत देते हुए सीएम नीतीश ने कहा, अरे महिला हो कुछ जानती हो? कहां से आते हैं, इन लोगों ने कुछ किया है ? 2005 के बाद में महिला को हमने आगे बढ़ाया है . दरअसल, रिजर्वेशन को संविधान की 9 वी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर विपक्ष के सदस्य वेल में पहुंच गए .

झाल बचाते हुए सदन पहुंचे विपक्षी नेता

बिहार विधानसभा का मॉनसून सत्र चल रहा है . बुधवार को सदन का तीसरा दिन था . सदन में विपक्षी नेता जोरदार हमला कर रहे . बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने के कारण आज विधानसभा में विपक्षी नेता भारी बवाल हुआ . विपक्षी नेता सदन में आज झाल बचाते हुए पहुंचे . विपक्षी नेता झाल बचाकर अनोखे तरीके से विधानसभा में प्रदर्शन किया . बीते दिन विपक्षी नेता झुनझुना लेकर विधानसभा पहुंचे . विपक्षी नेताओं ने बताया कि कल झुनझुना बचाने का अर्थ था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलने वाला है, लेकिन नहीं मिला . वहीं अब हम लोग झाल लाकर बजा रहे, क्योंकि अब बिहार सरकार भी पांच साल तक झाल बचाएंगे . बिहार सरकार झाल बचाते रहेंगे और केंद्र सरकार उनसे झाल बचवाती रहेगी . फंड के नाम पर हमें ठगा गया है और जनता को बताया जा रहा है कि बहुत कुछ मिला है लेकिन हमें कुछ नहीं मिला है .

सीतामढ़ी अस्पताल में कल्याण छात्रावास के छात्रों ने मचाया उपद्रव
इमरजेंसी वार्ड में जमकर की तोड़-फोड़

संवाददाता।सीतामढ़ी

जिले में बदमाशों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है. सदर अस्पताल में भी अपराधी घुस कर मारपीट करने लगे हैं. 50 की संख्या में लाठी डंडे से लैस बदमाशों ने सदर अस्पताल सीतामढ़ी के इमरजेंसी वार्ड में इलाजके लिए भर्ती हुए जख्मी मरीजों पर उपद्रवियों द्वारा हमला कर दिया गया. इसके बाद से कर्मियों में भय का माहौल कायम है. वहीं इस घटना में चार भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए.इमरजेंसी में कार्यरत कर्मी और चिकित्सकों को चोटें आई हैं. जख्मी की पहचान वार्ड 14 दीपक स्टोर गली निवासी रविंद्र पांडेय के पुत्र सुजीत पांडेय, सूरज पांडेय, विनय पांडेय और रंजीत पांडेय के पुत्र रणवीर पांडेय के रूप में की गई है. इधर घटना के बाद चिकित्सक और कार्यरत जीएनएम एएनएम समेत सभी स्टाफ जान बचाने को लेकर भाग खड़े हुए.

घटना की सूचना पर पहुंची नगर थाना पुलिस को देख उपद्रवी भाग खड़े हुए. जख्मी ने बताया कि दीपक स्टोर गली में अंबेडकर छात्रावास के युवकों से विवाद हुआ था. जहां सभी ने मिल कर सुजीत की पिटाई कर दी थी. जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था. 50 की संख्या में अंबेडकर कल्याण छात्रावास के छात्रों ने भर्ती सुजीत और उसके भाइयों पर हमला कर दिया, जिसमें चारो भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए. इधर, इमरजेंसी इंचार्ज भगवान प्रजापति ने बताया की भर्ती होने आए मरीज पर हमला किया गया है. वही अस्पताल के पंखे और अन्य सामानों को क्षतिग्रस्त किया गया. इस दौरान किसी भी चिकित्सक या कर्मी जख्मी नही हुए है. वहीं नगर थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने बताया की सीसीटीवी की जांच की जा रही है.

शेरघाटी कोर्ट परिसर में अंधाधुंध फायरिंग, दो को लगी गोली, घायल

गया । गया के शेरघाटी अनुमंडल कोर्ट परिसर में अचानक बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी. फायरिंग की घटना में कोर्ट में तारीख पर आए बंदी फोटो खान और साथ रहे एक सुरक्षाकर्मी को गोली लगी है. लोजपा पशुपति पारस गुट के नेता अनवर अली खान की हत्या मामले में फोटो खान मुख्य आरोपी था जो जेल में बंद है.

बुधवार को कोर्ट की तारीख पर सुरक्षाकर्मियों के साथ शेरघाटी अनुमंडल कोर्ट में लाया गया था. इस दौरान बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी. वहीं, कोर्ट परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने दो बदमाशों को धर दबोचा है. बताया जा रहा है करीब 10 से 15 राउंड बदमाशों ने गोली चलाई गई थी. फायरिंग की घटना में बंदी फोटो खान के दाहिने हाथ और सुरक्षाकर्मी के बाएं हाथ में गोली लगी है. दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है. वहीं, घटना के बाद पुलिस अधिकारी कोर्ट परिसर में पहुंचे हैं और मामले की जांच में जुट गए हैं.

बेतिया में बाघ ने महिला पर मारा झपट्टा,बच गईं

बेतिया । बेतिया के चनपटिया के पुरैना गांव में एक बाघ को लोगों ने देखा जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया है. बाघ देखने के बाद लोगों ने इसकी सूचना चनपटिया थाना को दी. वहीं, बाघ देखने वाली महिला ललिता देवी ने बताया कि बुधवार की सुबह वह खेत की तरफ गई थी. इस दौरान उसे खेत में बाघ खड़ा दिखा. इसके बाद वह वहां से भागते हुए चिल्लाने लगी. वहां 4 से 5 कुत्ते बाघ को देख दौड़ने लगे. बाघ ने महिला के ऊपर हमला किया, लेकिन महिला बाल-बाल बच गई.

कारोबार

अर्बन कंपनी का एकीकृत घाटा हुआ कम

नयी दिल्ली । घर के दरवाजे पर विभिन्न प्रकार की सेवाएं मुहैया कराने वाली अर्बन कंपनी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 93 करोड़ रुपये का एकीकृत घाटा हुआ है. हालांकि, कंपनी पहली बार अपना परिचालन लाभ दर्ज करने में सफल रही है. अर्बन कंपनी ने बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसका एकीकृत घाटा 93 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका परिचालन घाटा 312 करोड़ रुपये रहा था. वित्त वर्ष 2023-24 में अर्बन कंपनी का शुद्ध राजस्व करीब 30 प्रतिशत बढ़कर 827 करोड़ रुपये हो गया था. इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 637 करोड़ रुपये था.

सीजी पावर का मुनाफा 18% बढ़ा

नयी दिल्ली । सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का चालू वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 241.24 करोड़ रुपये हो गया. बीएसई को दी गई सूचना के अनुसार, पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 203.84 करोड़ रुपये था. समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,260.67 करोड़ रुपये हो गई. पिछले साल समान अवधि में यह 1,896.15 करोड़ रुपये थी.

पेट्रोनेट का शुद्ध लाभ 40 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । देश में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की सबसे बड़ी आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने गैस की मात्रा में वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के शुद्ध लाभ में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की. कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 1,100.76 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 787.73 करोड़ रुपये था. आलोच्य अवधि में पेट्रोनेट एलएनजी का परिचालन राजस्व भी सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 13,415.13 करोड़ रुपये हो गया.

लांचिंग
मुंबई में याकुट के नए प्रोडक्ट की लांचिंग के दौरान एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा.

बजट का असर नहीं : गिरावट के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी, मिड-स्मॉलकैप स्टॉक्स में खरीदारी
बीएसई सेंसेक्स 280 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ

एजेंसी ।मुंबई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट ने मंगलवार 23 जुलाई से भारतीय शेयर बाजार का मूड बिगाड़ा है वो अभी तक संभल नहीं पाया है. इक्विटी पर शार्ट टर्म कैपिटल और लॉन्ग टर्म कैपिटल टैक्स बढ़ाये जाने के सदमे से बाजार अभी तक उबर नहीं सका है. बजट के अगले दिन के कारोबारी सत्र में भी जोरदार बिकवाली देखने को मिली है. बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर स्टॉक्स के नेतृत्व में ये बिकवाली रही. हालांकि मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में भारी खरीदारी देखने को मिली है. बुधवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 280 अंकों की गिरावट के साथ 80,149 अंकों पर क्लोज हुआ है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 65 अंकों की गिरावट के साथ 24,413 अंकों पर बंद हुआ है. बुधवार के कारोबार में टेक महिंद्रा 2.71 फईसदी, एनटीपीसी 2.67 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.63 फीसदी, सन फार्मा 1.08 फीसदी, पावर ग्रिड 0.94 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.51 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि बजाज फिनसर्व 2.43 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.81 फीसदी, एचयूएल 1.80 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.58 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

निवेशकों की संपत्ति में उछाल : सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में तेजी के चलते शेयर बाजार का मार्केट कैपिटलाइजेशन उछाल के साथ बंद हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.67 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 446.80 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. यानि बुधवार के सत्र में बाजार के वैल्यूएशन में 2.87 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है. वहीं कारोबारी सत्र में आईटी, फार्मा, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, रियल एस्टेट और ऑटो स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. जबकि बैंकिंग, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 587 अंकों के उछाल के साथ 56,872 अंकों पर बंद हुआ है जबकि निफ्टी का स्मॉलकैप इंडेक्स 323 अंकों के उछाल के साथ बंद हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 शेयर तेजी के साथ और 18 गिरकर बंद हुए.

मेटा एआई हिंदी समेत सात नई भाषाओं में उपलब्ध

एजेंसी ।नयी दिल्ली

कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कंपनी मेटा एआई अब हिंदी समेत सात नई भाषाओं में उपलब्ध है. कंपनी ने कहा कि यह कदम बहुभाषी खंड में मेटा के एआई असिस्टेंट की क्षमता बढ़ाता है. इसका मतलब यह है कि उपयोगकर्ता इन नई भाषाओं में व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, मैसेंजर और फेसबुक पर मेटा एआई के साथ बातचीत कर सकेंगे. कैलिफोर्निया के मेन्लो पार्क स्थित कंपनी ने बयान में कहा, आप व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, मैसेंजर और फेसबुक पर मेटा एआई के साथ-हिंदी 'हिंदी-रोमनकृत लिपि', फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, पुर्तगाली और स्पेनिश जैसी नई भाषाओं में भी बातचीत कर सकते हैं. जल्द ही और भी भाषाएं शामिल की जाएंगी. मेटा एआई अब 22 देशों में उपलब्ध है. अर्जेंटीना, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर, मेक्सिको, पेरू और कैमरून में इसकी सेवाएं हाल ही में शुरू हुई हैं. बहुभाषी क्षमताओं के व्यापक दायरे का अर्थ यह भी है कि उपयोगकर्ता अब गणित और कोडिंग जैसे अधिक जटिल प्रश्नों के लिए हिंदी में सहायता के लिए उन्नत मेटा एआई मॉडल का उपयोग कर सकते हैं.

बजाज फिनसर्व का पहली तिमाही का मुनाफा 10% बढ़ा

नयी दिल्ली । बजाज फिनसर्व लिमिटेड (बीएफएल) का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जून में समाप्त पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 2,138 करोड़ पर पहुंच गया है. कंपनी ने पिछले साल की समान अवधि में 1,943 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था. बीएफएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 31,480 करोड़ हो गई. पिछले साल समान तिमाही में यह 23,280 करोड़ रुपये थी. समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का कुल व्यय बढ़कर 25,514 करोड़ हो गया. पिछले साल इसी अवधि में यह 18,157 करोड़ रुपये था. अप्रैल-जून तिमाही में बजाज फिनसर्व की अनुषंगी कंपनी बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस का मुनाफा 39% बढ़कर 576 करोड़ रुपये हो गया. एक अन्य अनुषंगी इकाई बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस का मुनाफा सालाना आधार पर 94 करोड़ से बढ़कर 104 करोड़ हो गया.

परेशानी | सरकार ने मंगलवार को आम बजट में अचल संपत्तियों पर एलटीसीजी कर घटाया था
'इंडेक्सेशन' लाभ हटाने से विक्रेताओं को होगा नुकसान

एजेंसी ।नयी दिल्ली

पुरानी संपत्ति की बिक्री करते समय मुद्रास्फीति के समायोजन पर विचार नहीं किए जाने से निवेशकों को नुकसान हो सकता है. विशेषज्ञों ने यह बात कही. सरकार ने मंगलवार को आम बजट में अचल संपत्तियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कर को 20 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत करने और मुद्रास्फीति के समायोजन (इंडेक्सेशन) से जुड़े लाभ हटाने का प्रस्ताव रखा. हालांकि विशेषज्ञों ने इस कदम को विक्रेताओं के लिए नकारात्मक बताया है. प्रस्ताव पर डेलॉयट इंडिया की साझेदार आरती रावते ने कहा कि 'इंडेक्सेशन' के बिना एलटीसीजी का करदाताओं पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ेगा.

उन्होंने कहा, इस बदलाव के साथ अब करदाता वास्तविक लागत और बिक्री मूल्य के बीच के अंतर पर कर का भुगतान करेंगे, जो उल्लेखनीय होगा. उन्होंने कहा कि यदि मुद्रास्फीति के समायोजन पर विचार नहीं किया गया तो निवेशकों को नुकसान होगा. इक्रा की उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) अनुपमा रेड्डी ने भी कहा कि एलटीसीजी कर की दर में कमी के बावजूद आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र पर दीर्घकालिक रिटर्न को देखते हुए, संपत्ति की बिक्री के समय इंडेक्सेशन लाभ को हटाने से कर में वृद्धि होने की संभावना है. रेड्डी ने कहा, इसलिए, यह क्षेत्र के लिए नकारात्मक है. क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स के निदेशक (शोध) अनिकेत दानी ने कहा कि रियल एस्टेट संपत्ति पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को 20 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत करना सकारात्मक है. दानी ने कहा, हालांकि, इंडेक्सेशन लाभ को हटाना उन लोगों के लिए काफी हद तक नकारात्मक है जो अपनी पुरानी संपत्ति बेचने की योजना बना रहे हैं. वहीं रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई के पूर्व अध्यक्ष जैक्सय शाह ने कहा कि यदि यह मान लिया जाए कि चार वर्ष से अधिक की अवधि के लिए संपत्ति पर औसत 'रिटर्न' 12 प्रतिशत है और मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत है, तो प्रस्तावित परिवर्तनों का प्रभाव तटस्थ होगा.

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर यदि निवेश पर औसत 'रिटर्न' 12 प्रतिशत से अधिक है और मुद्रास्फीति दर पांच प्रतिशत है तो वर्तमान कर दर की तुलना में प्रस्तावित संशोधन के अनुसार कर बचत होगी. केंद्रीय बजट के ज्ञापन के अनुसार, दर को 12.5 प्रतिशत तक युक्तिसंगत बनाने के साथ, आयकर अधिनियम की धारा-48 के तहत उपलब्ध 'इंडेक्सेशन' को किसी भी एलटीसीजी की गणना के लिए हटाने का प्रस्ताव है, जो वर्तमान में संपत्ति, सोना तथा अन्य गैर-सूचीबद्ध परिसंपत्तियों के लिए उपलब्ध है. इसमें कहा गया, इससे करदाता और कर प्रशासन के लिए पूंजीगत लाभ की गणना आसान हो जाएगी. बजट प्रस्ताव पर मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए वित्त सचिव टी. वी. सोमनाथन ने कहा कि 'इंडेक्सेशन' लाभ को समाप्त किये जाने से 95 प्रतिशत मामलों में 12.5 प्रतिशत से लाभ मिलेगा. इस बदलाव से मध्यम वर्ग को फायदा होगा.

चेयरमैन पवन मुंजाल को जारी समन कोर्ट ने रद्द किया

नयी दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने विदेशी मुद्रा से संबंधित राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा दर्ज एक मामले में हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन कांत मुंजाल को जारी समन बुधवार को रद्द कर दिया. उच्च न्यायालय ने मुंजाल की उस याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत के एक जुलाई 2023 के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया गया था. आदेश में सीमा शुल्क अधिनियम के तहत कथित अपराधों के लिए उनके खिलाफ समन जारी किया गया था. न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने कहा, याचिका स्वीकार की जाती है. समन आदेश रद्द किया जाता है. उच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष नवंबर में डीआरआई द्वारा मुंजाल के खिलाफ दर्ज विदेशी मुद्रा से संबंधित कार्यवाही पर रोक लगा दी थी. जुलाई के आदेश के अलावा याचिकाकर्ता ने एसीएमएम के समक्ष लंबित शिकायत को भी रद्द करने का अनुरोध किया था.

लोकप्रियता में वृद्धि : नए सर्वे में चौंकानेवाले संकेत, अमेरिकी आम चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार को मात दे सकती हैं डेमोक्रेट प्रत्याशी

राष्ट्रपति पद की दौड़ में डोनाल्ड ट्रंप से आगे निकलीं भारतवंशी कमला हैरिस

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क । नई दिल्ली

अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है. ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं. हालांकि, यह निश्चित नहीं है, लेकिन बहुत संभावना है कि भारतीय मूल की हैरिस अब नवंबर में पूर्व रिपब्लिकन राष्ट्रपति ट्रंप का सामना करने के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार होंगी. दोनों प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. इस बीच मंगवार को एक सर्वे सामने आया, जिसमें हैरिस को ट्रंप पर बढ़त दिखाई गई है. रॉयटर्स/इप्सोस के पोल में हैरिस ने ट्रंप के ऊपर दो प्रतिशत की बढ़त हासिल की है. यह पोल जो बाइडन के राष्ट्रपति चुनावी अभियान से हटने की घोषणा के बाद सोमवार और मंगलवार को किया गया है. इससे पहले रविवार को राष्ट्रपति बाइडन ने सभी को चौंकाते हुए चुनाव न लड़ने की घोषणा की थी.

44 प्रतिशत समर्थन मिला है कमला हैरिस को सर्वे में

42 प्रतिशत लोगों ने किया है डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन

कमला हैरिस के नेतृत्व में भारत नीति में बदलाव होने की संभावना नहीं

वाशिंगटन। भारत केंद्रित अमेरिकी व्यापार एवं रणनीतिक पैरोकार समूह के प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि अगर कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो उनके प्रशासन में भारत-अमेरिका नीति एवं रणनीति में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है. 'यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम' के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश अघी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'मुझे नहीं लगता कि नीति में या रणनीति में कोई बदलाव होगा खासतौर पर भारत के संबंध में.' राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी दौड़ से हटने के बाद कमला हैरिस तेजी से चुनाव प्रचार में जुट गई हैं और राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने के 50 घंटे से भी कम समय में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक धनराशि जुटाना उनके पक्ष में बढ़ते समर्थन को दर्शाता है.

इतना मिला समर्थन : अब ताजा सर्वे में कमला हैरिस को 44 प्रतिशत समर्थन हासिल है, जबकि रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को 42 प्रतिशत लोगों ने समर्थन किया. हैरिस को बढ़त दिलाने वाला नया सर्वे ऐसे समय में आया है, जब उनके अभियान का कहना है कि उन्होंने डेमोक्रेटिक नामांकन के लिए जरूरी समर्थन हासिल कर लिया है. इसके पहले 15-16 जुलाई के सर्वेक्षण में हैरिस और ट्रंप 44 प्रतिशत पर बराबर थे और एक-दो जुलाई के सर्वेक्षण में डोनाल्ड ट्रंप एक प्रतिशत अंक से आगे थे. राष्ट्रीय सर्वेक्षण से ये पता चलता है कि हैरिस के समर्थन में वृद्धि हो रही है. हालांकि, ट्रंप के अभियान ने हैरिस की बढ़त को महत्वपूर्ण नहीं बताया.रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण कर्ता टोनी फैब्रीजियों का कहना है कि हैरिस की लोकप्रियता में हो रही वृद्धि संभवतः कुछ समय के लिए होगी.

चुनौतियों से निपटने में सक्षम उपराष्ट्रपति : नेशनल सर्वे राजनीतिक उम्मीदवारी के लिए अमेरिकी लोगों के मूड के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देते हैं. हालिया सर्वे में 56 प्रतिशत मतदाता ये मानते हैं कि 59 वर्षीय हैरिस मानसिक रूप से तेज और चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं, जबकि ट्रंप (78) के बारे में 49 प्रतिशत मतदाताओं की ये राय है. वहीं केवल 22 प्रतिशत मतदाता बाइडन के बारे में ऐसा सोचते हैं. ट्रंप के सामने 81 वर्षीय बाइडन की उम्र और उनकी क्षमताओं को लेकर अमेरिकी मतदाता संशय जाहिर कर रहे थे. यही बात अब कमला हैरिस के पक्ष में जाती हैं और उम्र को लेकर दबाव अब ट्रंप के ऊपर होगा. वहीं सोमवार को किए गए पीबीएस न्यूज/ एनपीआर/ मैरिस्ट सर्वेक्षण में, ट्रंप ने हैरिस पर 46 प्रतिशत और 45 प्रतिशत पंजीकृत अमेरिकी मतदाताओं प र बढ़त हासिल की है, जबकि नौ प्रतिशत मतदाता संदेह में हैं. यदि तीसरे पक्ष के उम्मीदवारों या निर्दलीय उम्मीदवारों को शामिल किया जाता है, तो ट्रंप और हैरिस 42 प्रतिशत पर हैं. जबकि अन्य बहुत पीछे हैं.

बाइडन का दौड़ से बाहर होने का फैसला सही: पीबीएस न्यूज सर्वे के अनुसार, सभी अमेरिकियों में से 87 प्रतिशत को लगता है कि बाइडन का चुनावी दौड़ से बाहर होने का फैसला एक दम सही था. 41 प्रतिशत का मानना है कि बाइडन फैसले से नवंबर में डेमोक्रेट्स के जीतने की संभावना बढ़ जाती है, 24 प्रतिशत की तुलना में जिन्होंने कहा कि यह पार्टी की बाधाओं को कम करता है और 34 प्रतिशत ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. दोनों सर्वे 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया रैली में ट्रंप पर हुए हमले के बाद किया गया है.

▼ ब्रीफ खबरें

मेक्सिको: शराब फैक्ट्री में विस्फोट, पांच की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के जालिस्को राज्य में एक शराब के कारखाने में मंगलवार को विस्फोट होने और आग लगने से कम से कम पांच श्रमिकों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गए. राज्य नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि पांच लोगों की मौत की पुष्टि की गयी है और दो लोग घायल हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है. सभी मृतक और घायल कारखाने में काम करते थे.अधिकारियों ने बताया कि आपात सेवाओं ने एहतियात के तौर पर कारखाने के आसपास के इलाके को खाली करा लिया है लेकिन निवासियों को मंगलवार देर रात को उनके घर लौटने की अनुमति दे दी गयी.

हैदराबाद में इमारत में आग लगने से चार झुलसे

हैदराबाद। हैदराबाद में मंगलवार देर रात एक इमारत में आग लगने की घटना में आठ वर्षीय लड़की सहित एक ही परिवार के चार सदस्य गंभीर रूप से झुलस गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. दमकल और पुलिस कर्मियों ने इमारत में फंसे करीब 20 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला. कुलसुमपुरा पुलिस थाने के अंतर्गत तीन मंजिला इमारत के भूतल पर देर रात करीब एक बजे आग की लपटें उठीं और बाद में लपटों ने पहली और दूसरी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया. सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. देर रात तीन बजे तक आग पर काबू पाया जा सका.

एएमयू परिसर में दो कर्मियों को गोली मारी

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के परिसर में बुधवार को बाइक सवार बदमाशों ने दो कर्मचारियों को गोली मार दी. दोनों कर्मचारियों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया. पुलिस सूत्रों ने बताया कि एएमयू के कर्मचारी मोहम्मद नदीम और कलीम विश्वविद्यालय परिसर के अंदर दोपहिया वाहन से जा रहे थे कि तभी रास्ते में बाइक सवार दो हमलावरों ने उन्हें रोका और नजदीक से गोली मार दी. गोली चलने की आवाज सुनकर विवि सुरक्षा गश्ती दल ने हमलावरों का पीछा किया और उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया.

आश्वासन : संसद में किसान नेताओं से मिले लोस में नेता प्रतिपक्ष

संसद से सड़क तक लड़ूंगा आपकी लड़ाई : राहुल गांधी

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क। नई दिल्ली

कहा-सरकार पर बनाएंगे एमएसपी पर कानूनी गारंटी का दबाव

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में बुधवार को किसान नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की. इस दौरान राहुल ने कहा कि इंडिया अलायंस की पार्टियां फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पर किसानों की लड़ाई को संसद से सड़क तक लड़ेंगी.

मंगलवार को संसद में बजट पेश के होने के बाद से ही विपक्षी पार्टी जहां इसे 'सरकार बचाओ' बजट बता रही हैं, वहीं इसे किसान विरोधी भी करार दिया. राहुल गांधी से मुलाकात के बाद किसान नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने हमारी बात बहुत तसल्ली से सुनी और उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वो संसद में हमारी मांग को रखेंगे. हमारी लड़ाई को संसद से सड़क तक लेकर जाएंगे. वहीं, राहुल गांधी ने किसान नेताओं से मुलाकात के बाद कहा कि हमने किसानों के ज्ञापन को देखा. देश के किसानों को एसपी की लीगल गारंटी दी जा सकती है। हम अपनी एलायंस पार्टियों से भी इस पर चर्चा करेंगे और सरकार पर दबाव बनाएंगे कि वे किसानों की मांग को मानें. किसान नेताओं से हुई मुलाकात से पहले राहुल गांधी ने मीडिया में आकर कहा कि किसान नेताओं से मिलने के लिए उन्होंने उन्हें संसद में बुलाया. एलओपी के कार्यालय में किसान उनसे मिलेंगे लेकिन उन्हें अंदर आने नहीं दिया जा रहा. शायद वे किसान हैं इसलिए उनके साथ ये किया जा रहा है. राहुल गांधी के इस बयान के बाद किसानों के पास बनाए गए और इसके बाद किसानों ने राहुल से मुलाकात की.

न्यायालय ने हरियाणा, पंजाब को शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया : उच्चतम न्यायालय ने शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शनरत किसानों की मांगों का समाधान तलाशने के लिए उनसे बातचीत करने के वास्ते प्रतिष्ठित व्यक्तियों की एक स्वतंत्र समिति गठित करने का बुधवार को प्रस्ताव दिया और कहा कि किसानों तथा सरकार के बीच विश्वास की कमी है. न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि एक 'तटस्थ अंपायर' की आवश्यकता है जो किसानों तथा सरकार के बीच विश्वास पैदा कर सके. पीठ में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां भी शामिल रहे. पीठ ने कहा, 'आपको किसानों से बातचीत करने के लिए कुछ कदम उठाने होंगे. अन्यथा वे दिल्ली क्यों आएंगे? आप यहां से मंत्रियों को भेज रहे हैं और उनके नेक इरादों के बावजूद विश्वास की कमी है.' न्यायालय ने कहा, 'एक सप्ताह के अंदर उचित निर्देश दिए जाएं. तब तक शंभू बॉर्डर पर स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए सभी पक्षकारों को प्रदर्शन स्थल पर यथास्थिति बनाए रखने दें.' शीर्ष अदालत उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही है. उच्च न्यायालय ने उसे अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर एक सप्ताह के भीतर अवरोधक हटाने के लिए कहा था, जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं.

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में कहा

अग्निवीरों को दो बलों में आरक्षण, उम्र सीमा में छूट, फिजिकल टेस्ट की भी छुट्टी

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया है कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) और असम राइफल्स में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी)/राइफलमैन के पदों पर होने वाली नियुक्तियों में अग्निवीरों को 10 फीसदी आरक्षण दिया जा रहा है. अग्निवीरों को आयु सीमा और फिजिकल टेस्ट से भी छूट दी गई है. अग्निवीर के तहत भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में जवानों की भर्ती की जाती है. ये सशस्त्र बलों में नियुक्ति की एक नई कैटेगरी है.

इसके तहत भर्ती होने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीर चार साल की सेवा के बाद बिना किसी पेंशन लाभ के रिटायर हो जाते हैं. बाकी के 25 फीसदी अग्निवीरों को रेगुलर सैनिकों के तौर पर फोर्स में शामिल कर लिया जाता है. यही वजह है कि सरकार ने अब उन 75 फीसदी अग्निवीरों के लिए भी रोजगार की व्यवस्था कर दी है. राय ने सीएपीएफ और असम राइफल्स में खाली पड़े पदों को लेकर बताया, "सीएपीएफ और असम राइफल्स में 1 जुलाई, 2024 तक खाली पदों की संख्या 84,106 है, दोनों में 10,45,751 पदों की कुल स्वीकृती होती है." उन्होंने बताया, "अप्रैल, 2023 से फरवरी, 2024 के बीच 67,345 लोगों की भर्ती की गई है. वहीं, 64,091 खाली पदों को नोटिफाई किया गया है और ये पद भर्ती के विभिन्न चरणों में हैं. बलों के आकार की तुलना में खाली पदों की संख्या की वजह से ओवरटाइम का सवाल ही नहीं उठता है."

सरकार ने क्या कहा?

अग्निवीरों को लेकर हो रहे हंगामे के बीच गृह राज्य मंत्री ने बताया, "केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी)/राइफलमैन के पद पर भर्ती में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10% फीसदी खाली पदों को आरक्षित करने का फैसला लिया गया है. ऊपरी आयु सीमा में छूट और फिजिकल एफिसेंसी टेस्ट से छूट का प्रावधान भी किया गया है."

बंगाल सरकार सस्ती कीमतों पर आलू बेचेगी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने वहनीय मूल्यों पर आलू बेचने के लिए स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सहायता लेने का निर्णय लिया है. एक मंत्री ने बुधवार को यह जानकारी दी. सरकार ने यह कदम दूसरे राज्यों के कारोबारियों को आलू बेचने के कारण प्रशासन के कथित उत्पीड़न के विरोध में व्यापारियों की हड़ताल के चलते उठाया है. राज्य के कृषि विपणन मंत्री बेचाराम मन्ना ने कहा कि व्यापारियों की हड़ताल के कारण आलू की आपूर्ति बाधित न हो, इसक लिए यह निर्णय लिया गया है और सरकार पिछले कुछ दिनों से इसकी बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए उपाय कर रही है. मन्ना ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'आलू की स्थिर आपूर्ति बनाए रखने के लिए सरकार ने सुफल बांग्ला नेटवर्क के साथ एसएचजी को शामिल करने का निर्णय लिया है, जिसके लगभग 500 निर्धारित या सचल बिक्री केंद्र हैं.'

जेल में बंद इमरान खान का पोलीग्राफ जांच से इनकार

एजेंसी। लाहौर

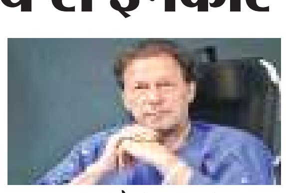

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को हुए अप्रत्याशित उपद्रव से जुड़े दर्जनों मामलों की लाहौर पुलिस द्वारा की जा रही जांच के तहत पोलीग्राफ (एक प्रकार की झूठ पकड़ने वाली जांच) और आवाज मिलान परीक्षण कराने से इनकार कर दिया है. बारह सदस्यीय फोरेंसिक टीम क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान का पोलीग्राफ परीक्षण करने मंगलवार को अडियाला जेल पहुंची थी. राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में पिछले साल जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को गिरफ्तार किया था तब नौ मई को देशभर में उपद्रव हुए थे. इमरान खान 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और वह पिछले साल अगस्त से जेल में हैं. 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने खबर दी है कि एक पुलिस उपाधीक्षक की अगुवाई में लाहौर पुलिस का एक दल (पोलीग्राफ और आवाज मिलान) परीक्षण करने आडियाला जेल पहुंचा था. इस अखबार के अनुसार उनके साथ पंजाब अपराध जांच विज्ञान एजेंसी (पीएफएसए) के विशेषज्ञ भी थे.

श्रीलंका ने तमिलनाडु के नौ मछुआरों को किया गिरफ्तार, दो नाव जब्त

चेन्नई। श्रीलंका की नौसेना ने नौ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी दो नौकाओं को भी जब्त कर लिया है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को केंद्र को यह जानकारी देते हुए मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई के लिए त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया. विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्य के कुल 87 मछुआरों और 175 नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपाय करने की मांग की. प्राप्त जानकारी के अनुसार रामेश्वरम के नौ मछुआरों और उनकी मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को 22 जुलाई को श्रीलंकाई अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया.

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नक्सली मुठभेड़ मुद्दे पर कांग्रेस का हंगामा

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में बुधवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों ने बीजापुर जिले में हुई मुठभेड़ पर सवाल उठाए और दावा किया कि इस घटना में मारे गए ज्यादातर लोग नक्सली नहीं बल्कि निर्दोष ग्रामीण थे.कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर हंगामा भी मचाया. राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कांग्रेस के आरोपों के जवाब में कहा कि मुख्य विपक्षी दल को नक्सलियों का समर्थन करना बंद कर देना चाहिए. प्रश्नकाल में विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने पिछले वर्ष दिसंबर से इस वर्ष जून के बीच राज्य में नक्सली घटनाओं के आंकड़ों के बारे में सवाल किया.

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने अपने जवाब में कहा कि इस अवधि के दौरान 273 नक्सली घटनाएं हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच 92 मुठभेड़ शामिल हैं. शर्मा गृह विभाग का प्रभार भी संभाल रहे हैं. उन्होंने कहा कि दिसंबर (2023) से इस साल जून के बीच नक्सली घटनाओं और मुठभेड़ में 19 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 88 जवान घायल हुए जबकि 34 माओवादियों को मार गिराया गया. शर्मा ने सदन को बताया कि इस अवधि में राज्य में 137 नक्सली मारे गए और 171 को गिरफ्तार किया गया. उन्होंने बताया कि इस वर्ष 30 जून तक 790 नक्सलियों को जेल में डाला गया, जिनमें से 765 पर मुकदमा जारी है और 25 को दोषी ठहराया गया है. पूर्व मंत्री कवासी लखमा और विक्रम मंडावी समेत कांग्रेस विधायकों ने बीजापुर जिले के पीडिया गांव के करीब इस वर्ष मई माह में हुई मुठभेड़ की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए और दावा किया कि तेंदूपत्ता संग्रह में लगे निर्दोष ग्रामीणों को पुलिस ने मार डाला. उपमुख्यमंत्री ने आरोपों पर आपत्ति जताई.

राजस्थान और असम में करोड़ों की हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

जयपुर/मोरीगांव। राजस्थान के अनूपगढ़ जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट एक खेत से चार किलोग्राम हेरोइन के छह पैकेट बरामद किये. अनूपगढ़ के थानाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने मंगलवार देर रात गांव 30एपीडी में एक खेत में चार किलोग्राम हेरोइन के छह पैकेट बरामद किये. आशंका है कि कुछ दिन पहले पाकिस्तान की ओर से यह हेरोइन ड्रोन के माध्यम से भारत में गिराई गई होगी. हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 20 करोड़ रुपये है. वहीं असम के मोरीगांव जिले में बुधवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 1.57 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त की गई.

खतरा फिशिंग के जाल में फंसाने के लिए 'डार्क एलएलएम' का उपयोग कर रहे साइबर अपराधी

फ्रॉड जीपीटी, दुर्भावनापूर्ण एआई के ऑनलाइन खतरों की नई सीमा

एजेंसी। मेलबर्न

इंटरनेट आधुनिक समाज के लिए एक विशाल और अपरिहार्य संसाधन है. लेकिन, इसका एक स्याह पक्ष भी है, जहां दुर्भावनापूर्ण गतिविधियां पनपती हैं. पहचान की चोरी से लेकर परिष्कृत मैलवेयर हमलों तक, साइबर अपराधी घोटाले और धोखाधड़ी के नये-नये तरीके लेकर आते रहते हैं. व्यापक रूप से उपलब्ध जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल ने अब साइबर सुरक्षा परिदृश्य में जटिलता की एक नई परत जोड़ दी है. ऐसे में अपनी ऑनलाइन सुरक्षा में शीर्ष पर बने रहना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है.

डार्क एलएलएम एआई का सबसे भयावह स्वरूप

वर्तमान एआई के सबसे भयावह स्वरूप में से 'डार्क एलएलएम' (बड़े भाषा मॉडल) का निर्माण है. चैट जीपीटी जैसे रोजमर्रा के एआई सिस्टम के बिना सेंसर वाले संस्करणों को आपराधिक गतिविधियों के लिए फिर से इंजीनियर किया गया है. इसके जरिये साइबर अपराधी नैतिक बाधाओं के बिना और खतरनाक सटीकता और गति के साथ काम करते हैं. ये अपराधी धोखाधड़ी अभियानों को स्वचालित करने व बढ़ाने, परिष्कृत मैलवेयर बनाने और जालसाजी से जुड़ी सामग्री उत्पन्न करने के लिए डार्क एलएलएम तैनात करते हैं. इसे प्राप्त करने के लिए, वे एलएलएम यानी मॉडल को उसके अंतर्निहित सुरक्षा उपायों और फिल्टर को बायपास करने के लिए संकेतों का उपयोग करते हैं.

फ्रॉड जीपीटी व वॉर्म जीपीटी से कैसे होती है फिशिंग

उदाहरण के लिए, फ्रॉड जीपीटी दुर्भावनापूर्ण कोड लिखता है, फिशिंग पेज बनाता है और इसमें जानकार मैलवेयर तैयार करता है. यह क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी से लेकर डिजिटल प्रतिरूपण तक विविध साइबर अपराधों को व्यवस्थित करने के लिए उपकरण प्रदान करता है. फ्रॉड जीपीटी का विज्ञापन डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर किया जाता है. इसके अलावा साइबर ठगी के लिए एक अन्य संस्करण, वॉर्म जीपीटी, प्रेरक फिशिंग ईमेल तैयार करता है, जो सतर्क उपयोगकर्ताओं को भी धोखा दे सकता है. जीपीटी-जे मॉडल के आधार पर, वॉर्म जीपीटी का उपयोग मैलवेयर बनाने और 'बिजनेस ईमेल समझौता' हमलों को लॉन्च करने के लिए भी किया जाता है.

सुरक्षा के लिए क्या-क्या कर सकते हैं?

जैसे-जैसे चुनौतियां आगे बढ़ी हैं, वैसे-वैसे वे तरीके भी सामने आए हैं, जिनसे हम फिशिंग के जाल में फंसने से बचाव भी कर सकते हैं. एआई आधारित खतरे का पता लगाने वाले उपकरण मैलवेयर की निगरानी कर सकते हैं और साइबर हमलों का अधिक प्रभावी ढंग से जवाब दे सकते हैं. हालांकि, यूजरों को इस बात पर नजर रखने की जरूरत है कि ये उपकरण कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, वे क्या कार्रवाई करते हैं, और ऐसी क्या कमजोरियां हैं, जिन्हें ठीक किया जाना चाहिए. सुरक्षा के लिए अपने सॉफ्टवेयर को अपडेट रखना महत्वपूर्ण है.

नियमित बैकअप एक मौलिक सुरक्षा रणनीति

डेटा का नियमित बैकअप एक मौलिक सुरक्षा रणनीति है. इससे आपका डेटाबेस सुरक्षित रहेगा और साइबर अपराधियों द्वारा डेटा लॉक करने के बाद भी आप बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं होंगे. फिशिंग संदेश भेजने वाले साइबर अपराधी खराब व्याकरण, सामान्य अभिवादन, संदिग्ध ई-मेल पते, अत्यधिक अनुरोध या संदिग्ध लिंक जैसे सुराग छोड़ सकते हैं. इन संकेतों पर नजर रखना उतना ही जरूरी है, जितना रात में अपना दरवाजा बंद करना. यदि आप पहले से ही मजबूत, अद्वितीय पासवर्ड और बहु-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग नहीं करते हैं, तो ऐसा करने का समय आ गया है.

त्रिपुरा :

गंडतविसा हिंसा पर डीजीपी व डीएम को नोटिस

एजेंसी। अगरतला

त्रिपुरा मानवाधिकार आयोग ने इस महीने की शुरुआत में गंडतविसा में हुई हिंसा को लेकर पुलिस महानिदेशक और धलाई के जिलाधिकारी को नोटिस जारी किया और यह पूछा कि इलाके में आगजनी तथा मकानों में लूटपाट करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है.

आयोग ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अमिताभ रंजन और धलाई के जिलाधिकारी साजू वहीद को तीन सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है. धलाई जिले में दो समूहों के बीच झड़प में 19 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत के बाद 12 जुलाई को भीड़ ने कई मकानों में लूटपाट की थी और उनमें आग लगा दी थी. त्रिपुरा के मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एस सी दास ने नोटिस में कहा, 'एक औपचारिक जांच शुरू करने से पहले, आयोग त्रिपुरा के डीजीपी से यह रिपोर्ट चाहता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने ऐसी घटना के दोषियों को पकड़ने के लिए क्या कार्रवाई की और क्या कोई आपराधिक मामला दर्ज किया गया और अगर किया गया तो किन धाराओं के तहत और क्या कथित अपराध के संबंध में किसी बदमाश को गिरफ्तार किया गया है.' आयोग ने धलाई के जिलाधिकारी को घटना की जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया कि 'पीड़ितों के पुनर्वास और उन्हें कथित घटना से पहले की ही स्थिति में बसाने के लिए किस प्रकार की कार्रवाई की गई है.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)